राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

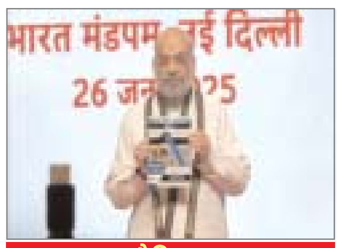

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 06 जुलाई 2025
वर्ष 06, अंक 273, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

हथियारों संग युवती ने बनाई रील, मुकदमा दर्ज; 'यदुवंशी शेरनी' के नाम है आईडी....08

अब्बास अंसारी अभी जेल में ही रहेंगे, मऊ कोर्ट ने सजा कम करने की याचिका की खारिज.....12

मद्रास हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय के फोन टैप आदेश को खारिज किया

● **कहा कानून गुप्त अपराध जांच के लिए टैपिंग की अनुमति नहीं देता।**

प्रयागराज। बुधवार को दिए गए एक महत्वपूर्ण फैसले में, मद्रास उच्च न्यायालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जारी 2011 के फोन-टैपिंग आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया कि निगरानी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन करती है। अपने फैसले में, न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि "आज के कानून के अनुसार, अपराधों का पता लगाने के उद्देश्य से गुप्त ऑपरेशन या गुप्त स्थितियों के उद्देश्य से टेलीफोन पर बातचीत या संदेशों की टैपिंग की अनुमति नहीं है।"

94 पन्नों के आदेश में, अदालत ने कहा कि "फोन टैपिंग, इस तरह से, किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार का उल्लंघन है, जब तक कि इसे कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया द्वारा उचित नहीं ठहराया जाता है।" यह मामला याचिकाकर्ता पी किशोर, एवरॉन एजुकेशन लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक से संबंधित है, जिन्होंने 12 अगस्त, 2011 के गृह मंत्रालय के आदेश को चुनौती दी थी, जिसने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 की धारा 5(2) और भारतीय टेलीग्राफ नियम, 1951 के नियम 419-ए के तहत उनके मोबाइल फोन को इंटरसेप्ट करने को अधिकृत किया था। एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रिश्वत से जुड़ी सीबीआई जांच के सिलसिले में निगरानी का आदेश दिया गया था।

न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि निगरानी के लिए राज्य का औचित्य- भ्रष्टाचार का पता लगाने की आवश्यकता- फ़ोन टैपिंग के माध्यम से किसी व्यक्ति की निजता पर आक्रमण करने के लिए आवश्यक कानूनी सीमा को पूरा नहीं करता है। न्यायमूर्ति वेंकटेश ने 1997 के पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ के फैसले का हवाला देते हुए लिखा, "इस मामले में, चुनौती दी गई (चुनौती के तहत) आदेश न तो सार्वजनिक आपातकाल के दायरे में आता है और न ही सार्वजनिक सुरक्षा के हित में, जैसा कि पीयूसीएल मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समझाया गया है।" इस फैसले में वैध फ़ोन अवरोधन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए थे। न्यायाधीश ने कहा कि निजता का अधिकार, जिसे कभी अस्पष्ट और गौण माना जाता था, 2017 में के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में नौ न्यायाधीशों की पीठ के फैसले के बाद मौलिक अधिकार के रूप में विकसित हो गया है।

न्यायाधीश ने लिखा, "मामले के तथ्यों से पता चलता है कि यह एक गुप्त ऑपरेशन या अपराध का पता लगाने के लिए एक गुप्त स्थिति थी जो किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए स्पष्ट नहीं होगी। वर्तमान कानून के अनुसार, इस तरह की स्थिति अधिनियम की धारा 5(2) के दायरे में नहीं आती है, जैसा कि पीयूसीएल में सुप्रीम कोर्ट द्वारा व्याख्या की गई है, जिसे केएस पुट्टस्वामी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने मंजूरी दी है।"

न्यायालय ने वे शर्तें निर्धारित कीं जिनके तहत फोन टैपिंग वैधानिक रूप से की जा सकती है- या तो "सार्वजनिक आपातकाल" के दौरान या "सार्वजनिक सुरक्षा के हित में।" न्यायाधीश ने कहा कि इनमें से कोई भी शर्त गुप्त या अमूर्त नहीं है; ये किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए स्पष्ट होनी चाहिए, जैसा कि क्ष्टरु में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है।

इंटरसेप्ट की गई बातचीत को समीक्षा समिति के समक्ष भी नहीं रखा गया, जैसा कि टेलीग्राफ नियमों के नियम 419-ए के तहत अनिवार्य है - कार्यकारी अतिक्रमण से बचाने के लिए बनाया गया एक प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय। न्यायालय ने माना कि इस तरह के गैर-अनुपालन ने निगरानी के पूरे कृत्य को असंवैधानिक बना दिया।

अदालत ने कहा, "परिणामस्वरूप...12 अगस्त, 2011 के विवादित आदेश को असंवैधानिक और अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के कारण अनिवार्य रूप से रद्द किया जाना चाहिए।" सीबीआई ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि निगरानी वैध थी और सरकारी अधिकारियों से जुड़े भ्रष्टाचार की जांच के लिए की गई थी - जो जनहित का मामला है। एजेंसी ने दलील दी कि मामले में दूसरे आरोपी किशोर द्वारा एक मध्यस्थ के माध्यम से पहले आरोपी आयकर अधिकारी को दी गई 50 लाख रुपये की कथित रिश्वत, अपराध को रोकने के लिए फोन बातचीत को टैप करने के लिए पर्याप्त कारण थी।लेकिन न्यायाधीश ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि धारा 5(2) का दायरा गोपनीय जांच तक नहीं बढ़ाया जा सकता, चाहे अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो।

सीबीआई के मामले के अनुसार, एवरॉन एजुकेशन लिमिटेड के परिसर में तलाशी ली गई, जहां कथित तौर पर बेहिसाब आय पाई गई। सीबीआई ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ कर अधिकारी ने कंपनी को दंड से बचने में मदद करने के लिए 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। आरोपियों के बीच संचार की निगरानी के लिए निगरानी को मंजूरी दी गई थी। जबकि कर अधिकारी और उसके दोस्त से जुड़ी एक कार से कथित तौर पर 50 लाख रुपये नकद बरामद किए गए थे, याचिकाकर्ता जब्ती के दौरान मौजूद नहीं था, न ही उसके कब्जे से पैसे मिले।

आदेश में कहा गया, "यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सीबीआई का यह मामला नहीं है कि याचिकाकर्ता (दूसरा आरोपी) उस समय मौके पर मौजूद था या उससे धन जब्त किया गया था।" निगरानी आदेश पर केंद्रीय गृह सचिव ने हस्ताक्षर किए थे और इसे केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया गया था। किशोर ने 2014 में एक आपराधिक याचिका में फोन टैपिंग को चुनौती दी थी, जिसे तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया गया था। संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत वर्तमान रिट याचिका 2018 में दायर की गई थी, जब अदालत ने उचित मंच के समक्ष आदेश को चुनौती देने की स्वतंत्रता दी थी।

न्यायालय के आदेश में निजता के अधिकार के विकास का विस्तृत विवरण दिया गया है, जिसमें प्रारंभिक ब्रिटिश आम कानून से लेकर कैट्ज बनाम यूनाइटेड स्टेट्स जैसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक मामलों तक की यात्रा और पुट्टस्वामी में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या तक का विवरण दिया गया है। मेनका गांधी के फैसले का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति वेंकटेश ने दोहराया कि मौलिक अधिकारों को सीमित करने वाली कोई भी "कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया" न्यायसंगत, निष्पक्ष और उचित होनी चाहिए। आदेश में कहा गया है, " एक मूल्यवान संवैधानिक अधिकार को केवल सभ्य प्रक्रियाओं द्वारा ही नियंत्रित किया जा सकता है।"

'सिस्टम उन्हें मार रहा है'- महाराष्ट्र में बढ़ती किसान आत्महत्याओं को लेकर राहुल ने सरकार पर निशाना साधा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में 767 किसानों की आत्महत्या का दिल दहलाने वाला आँकड़ा उजागर कर केंद्र की मोदी सरकार पर क़रारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'मोदी जी ने कहा था, किसानों की आमदनी दोगुनी करेंगे, लेकिन अन्नदाता की जिंदगी आधी हो रही है!' सरकार की नीतियों पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या की ताज़ा रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वादे को निशाना बनाया, जिसमें उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का दावा किया था। राहुल ने कहा कि न केवल यह वादा खोखला साबित हुआ, बल्कि मौजूदा व्यवस्था में 'अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है।' यह बयान महाराष्ट्र में बढ़ती किसान आत्महत्याओं के संदर्भ में आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में रोजाना क़र्ज़ तले तबे 8 किसान खुदकुशी कर रहे हैं। इसने एक बार फिर किसानों की बदहाली को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है। राहुल गांधी ने कहा,

उन्होंने किसानों की बदतर होती स्थिति का ज़िक्र करते हुए कहा कि क़र्ज़ का बोझ, महंगे बीज, खाद, और डीजल की क़ीमतें किसानों को हर दिन गहरे संकट में धकेल रही हैं। इसके बावजूद न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कोई क़ानूनी गारंटी नहीं दी जा रही है। राहुल ने केंद्र सरकार पर किसानों की क़र्ज़माफ़ी की मांग को नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगाया और कॉरपोरेट्स के लिए क़र्ज़माफ़ी की तुलना करते हुए कहा, 'लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है।' उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा उठाए गए अनिल अंबानी की कंपनी से जुड़े 48,000 करोड़ रुपये के 'फ्रॉड' का उदाहरण देते हुए सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस चर्चित वादे को विशेष रूप से निशाना बनाया, जिसमें उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वचन दिया था। राहुल ने मोदी सरकार की नीतियों को किसान विरोधी क़रार दिया। राहुल ने मौजूदा सिस्टम को किसानों के लिए घातक करार दिया और आरोप लगाया कि यह सिस्टम गुपचुप तरीक़े से लगातार किसानों को तबाह कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री अपनी छवि चमकाने के लिए पीआर के तमाशे में व्यस्त हैं, जबकि किसान संकट में डूब रहे हैं।

महाराष्ट्र देश का एक प्रमुख कृषि पर निर्भर राज्य है। यह लंबे समय से किसान आत्महत्याओं का केंद्र रहा है। राहुल गांधी द्वारा उद्धृत आँकड़े के अनुसार, पिछले तीन महीनों में 767 किसानों ने आत्महत्या की है। यह आँकड़ा विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों में किसानों की बदहाली को और स्पष्ट करता है। सूखा, फ़सलों के उचित दाम न मिलना, क़र्ज़ का बढ़ता बोझ और कृषि लागत में वृद्धि जैसे मुद्दों ने किसानों को मजबूर कर दिया है। किसानों की प्रमुख मांगों में एमएसपी की क़ानूनी गारंटी, क़र्ज़माफ़ी, और बीज-खाद की क़ीमतों पर नियंत्रण शामिल हैं। विपक्ष का कहना है कि पीएम-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएँ कागजी साबित हो रही हैं और जमीनी स्तर पर किसानों को राहत नहीं मिल रही है।

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में अनिल अंबानी की कंपनी से जुड़े 'फ्रॉड' मामले को उदाहरण बनाकर सरकार पर कॉरपोरेट्स के लिए उदार नीतियों और किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि एक तरफ़ बड़े उद्योगपतियों के भारी-भरकम क़र्ज़ माफ़ किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ़ छोटे-छोटे क़र्ज़ों में डूबे किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही।

राहुल गांधी का यह ट्वीट ऐसे समय में आया है जब विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर किसान विरोधी नीतियों का आरोप लगा रहा है। कांग्रेस, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दल एमएसपी की क़ानूनी गारंटी और क़र्ज़माफ़ी की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। दूसरी ओर, केंद्र सरकार का दावा है कि वह किसानों के लिए कई योजनाएँ चला रही है और उनकी स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। हालाँकि, राहुल गांधी का यह बयान सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोग इसे किसानों की वास्तविक स्थिति को उजागर करने वाला बयान मान रहे हैं, तो कुछ इसे महज राजनीतिक बयानबाज़ी बता रहे हैं।

राहुल गांधी का यह ट्वीट न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश में किसानों की स्थिति पर बहस को और हवा दे सकता है। यह देखना अहम होगा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर क्या जवाब देती है और क्या किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए कोई ठोस क़दम उठाए जाते हैं। किसानों की आत्महत्याओं का यह सिलसिला और सरकार की कथित उदासीनता देश के लिए एक गंभीर चुनौती है। क्या सरकार इस संकट से निपटने के लिए कोई प्रभावी नीति लाएगी, या यह मुद्दा केवल राजनीतिक बयानों तक सीमित रहेगा? यह सवाल हर किसी के मन में है।

संक्षिप्त ख़बरें

धरना पर बैठे विकलांगों ने विधायक के आश्वासन पर अपना आंदोलन लिया वापस

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। भारतीय दिव्यांग यूनियन का कई दिनों से नगर के सदर चौराहा स्थित इंदिरा पार्क में अपनी मांगों को लेकर चल रहा धरना प्रदर्शन आज शनिवार 5 जुलाई को भाजपा क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी ने उनकी मांगो को पूरा कराए जाने के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया। भारतीय दिव्यांग यूनियन द्वारा काफी अर्से से अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन दिए जाने के उपरांत मांगे पूरी न होने पर नगर के इंदिरा चौराहे पर कई दिनों से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे दिव्यांगों के समर्थन में 5 जुलाई को प्रातः भाजपा विधायक अमन गिरी ने सदर चौराहे पर पहुंचकर दिव्यांगों की दर्द भरी कहानी सुनकर सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि जिले के सभी अधिकारियों से वार्ता करके सभी बांधों को पूर्ण करने बात कही गई। उनके आश्वासन पर भारतीय दिव्यांग यूनियन ने अपना धरना प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की है। इस मौके पर विधायक अमन गिरी के साथ नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला एवं सभासद आज लोकगीत कार्यक्रम में में झूठ रहे।

निक्की डिजिटल लाइब्रेरी का पालिकाध्यक्ष ने किया शुभारम्भ

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कस्बा अलीगंज में विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन करने के लिए डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ गोला चेयरमेन विजय शुक्ल रिंकू द्वारा किया गया व संचालक को शुभकामनाएं प्रदान की इस अवसर पर संचालक गौरव दिवाकर, श्यामू दिवाकर, प्रवीण गिरी, अमित मिश्र एड,मो इरफान आदि उपस्थित रहे।

बिहार की राजधानी पटना में बड़े व्यवसाई की हत्या से हड़कंप, मगध अस्पताल के मालिक की गोली मारकर हत्या

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। बिहार की राजधानी पटना में एक बड़े बिजनेसमैन की गोली माकर हत्या के बाद हड़कंप मच गया है। पटना के गांधी मैदान थाना इलाके में मगध अस्पताल के मालिक गोपाल खेमका की 4 जुलाई की रात 11 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया। बताया जा रहा है कि गोपाल खेमका पनास होटल के पास अपने आवास पर अपनी कार से जैसे ही उतरे, अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गांधी मैदान थाना पुलिस ने इस बात की पुष्टि की कि बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

पटना एसपी दीक्षा ने बताया कि व्यवसायी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 4 जुलाई की रात करीब 11 बजे हमें सूचना मिली कि व्यवसायी गोपाल खेमका की गांधी मैदान के दक्षिणी इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मौके से एक गोली और एक खोखा बरामद किया गया है। मामले की जांच जारी है।

गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की भी हत्या वैशाली के औद्योगिक थाना इलाके में अपराधियों ने 6 साल पहले कर दी थी। इसके बाद काफी बवाल भी मचा था। अब बदमाशों ने उनके पिता की हत्या कर दी है। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पटना के एक व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस हत्याकांड पर बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया है।

उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, "थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में छवि प्रबंधन कहते हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राजेश राठौड़ ने कहा कि पहले बेटे की हत्या और अब पिता की हत्या से साफ है कि बिहार में गुंडाराज का महातांडव चल रहा है। व्यापारी डर की वजह से यहां से भाग रहे हैं और कोई नया व्यापारी यहां आना नहीं चाहता। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब इस्तीफा दे देना चाहिए या कम से कम गृह मंत्री का पद छोड़कर किसी युवा को यह जिम्मेदारी दे देनी चाहिए।"

20 साल बाद एक मंच पर आए उद्धव और राज ठाकरे...

महाराष्ट्र में बड़ा शक्ति प्रदर्शन।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। महाराष्ट्र की राजनीति में 20 साल बाद एक बड़ा दिन देखने को मिला। उद्धव और राज ठाकरे एक मंच पर आए हैं। बताना होगा कि उद्धव और राज ठाकरे की पार्टी जोर देकर कह रही है कि महाराष्ट्र में जबरदस्ती हिंदी को नहीं थोपा जा सकता।अब समझने वाली बात यह है कि जो ठाकरे ब्रदर्स इतने सालों से अलग थे, महायुति सरकार के एक फैसले की वजह से ना सिर्फ दोनों साथ हैं बल्कि अब उनकी एकता ने इस सरकार को बैकफुट पर आने पर भी मजबूर कर दिया है। असल में यह सारा विवाद 3 लैंग्वेज फार्मूले को लेकर शुरू हुआ था। नई शिक्षा नीति के तहत महाराष्ट्र में भी कहा गया कि पहली कक्षा से बच्चों को हिंदी पढ़ाई जाएगी, इसे तीसरी भाषा के रूप में जगह दी गई। लेकिन जब इसका तगड़ा विरोध हुआ, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की पार्टी ने इसे हिंदी थोपने की साजिश बताया, सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, तब जाकर फडणवीस सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े।

अभी के लिए महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य नहीं रहने वाली है। एक कमेटी का गठन किया गया है और उस कमेटी के सुझावों के आधार पर ही अब आगे कोई फैसला लिया जाएगा। लेकिन इस एक यूटर्न को उद्धव और राज ठाकरे अपनी सबसे बड़ी जीत मान रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि विजय रैली से पहले इसी तारीख को उद्धव और राज ठाकरे सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन करने वाले थे। वो प्रदर्शन भी इसी थ्री लैंग्वेज फार्मूले को लेकर था। लेकिन अब क्योंकि सरकार ने अपने कदम पीछे खींच लिए, ऐसे में नेरेटिव बदलने के लिए अब इसे विजय रैली का नाम दे दिया गया।

अब उद्धव और राज ठाकरे का साथ आना मायने रखता है। यहां पर समझने की जरूरत है कि दोनों ही पार्टियों की विचारधारा कुछ मामलों में एक समान है। एमएनस का तो गठन ही मराठी अस्मिता के आधार पर हुआ है। वही बात जब बाल ठाकरे की आती है तो उन्होंने भी अपने जमाने में मराठी अस्मिता का मुद्दा उठाकर सरकार तक बना रखी है। ऐसे में अब जब महायुति पहले की तुलना में काफी ज्यादा मजबूत हो चुकी है, बीजेपी भी हिंदुत्व की राजनीति को लगातार धार दे रही है, इस बीच राज और उद्धव ठाकरे कई साल पुराना

एक्सपेरिमेंट फिर दोहराना चाहते हैं, मराठी अस्मिता को सबसे बड़ा मुद्दा बनाकर लोगों से भावनात्मक अपील करना चाहते हैं। वैसे जानकार तो यह भी मानते हैं कि बीएमसी चुनाव से पहले एक नया गठबंधन तैयार हो सकता है। असल में अभी तक उद्धव ठाकरे की तरफ से राज ठाकरे के साथ एलाइंस करने को लेकर कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है। लेकिन ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि मुंबई महानगरपालिका चुनाव में ये दोनों ही पार्टियों साथ आ सकती हैं। 2017 के जो बीएमसी चुनाव हुए थे तब शिवसेना एकजुट थी और उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए 84 सीटें अपने नाम की थी। वही राज ठाकरे की पार्टी को मात्र 7 सीटों से संतोष करना पड़ गया था। लेकिन इस बार अगर ये दोनों ही पार्टियां साथ आ जाती हैं, बीजेपी के लिए और दूसरे सत्तारूढ़ दलों के लिए चुनौती बढ़ सकती है।

हाई कोर्ट के आदेश पर पुलिस बूथ को जेसीबी लगवाकर तोड़वाया

● **हाई कोर्ट के आदेश पर हुई यह कार्यवाही।**

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर सेवईनाला में दो महीने पहले बने नव निर्मित पुलिस बूथ को हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जेसीबी लगवाकर तोड़वा दिया गया। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर सेवईनाला में आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए बीते 5 मई को सीओ सिटी देवेश सिंह और तत्कालीन थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव के द्वारा नव निर्मित पुलिस बूथ का उद्घाटन किया गया था। इसी बीच बीते मई माह में किरतापुर गांव के राम बुझारत यादव हाई कोर्ट में जिस जमीन पर पुलिस बूथ बना था उसे चारा गाह की जमीन बताते हुए पी आई एल दाखिल कर दिया। जिसमें सुनवाई के उपरांत हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को पुलिस अधीक्षक और मौजूदा थाना प्रभारी जफराबाद को हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि इस नव निर्मित पुलिस बूथ को चारा गाह की जमीन से तोड़वा कर हटवा दिया जाय। जिस पर हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में शुक्रवार शाम तहसीलदार सदर सौरभ कुमार और थाना प्रभारी जफराबाद विश्वनाथ प्रताप सिंह फोर्स के साथ पहुच गए। अधिकारियों की उपस्थिति में जेसीबी लगवाकर पुलिस बूथ को तोड़वा दिया गया।

यूपी सरकार के दो डिस्कॉम के निजीकरण के कदम के विरोध में 9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल करेंगे बिजली कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में दो डिस्कॉम के निजीकरण के फैसले के विरोध में 27 लाख से अधिक बिजली क्षेत्र के कर्मचारी 9 जुलाई को एक दिन की देशव्यापी हड़ताल करेंगे। इतने बड़े पैमाने पर हड़ताल से देश में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल) का निजीकरण करने का फैसला किया है, जो राज्य के 75 जिलों में से 42 जिलों को कवर करते हैं। उन्होंने कहा, "विद्युत कर्मचारियों एवं इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीओईईई) के आह्वान पर, देश भर के बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और इंजीनियरों ने डिस्कॉम के निजीकरण के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया है।" दुबे ने कहा कि अब इस प्रमुख संस्था ने 9 जुलाई को 27 लाख बिजली कर्मचारियों द्वारा दोनों यूपी डिस्कॉम के निजीकरण के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

प्रदर्शन मुख्य रूप से हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा, चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई, नागपुर, रायपुर, भोपाल, जबलपुर, वडोदरा, राजकोट, गुवाहाटी, शिलांग, कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, रांची, श्रीनगर, जम्मू, शिमला, देहरादून, पटियाला, जयपुर, कोटा, हिसार और लखनऊ में होंगे। दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा, "यदि बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है तो हम जिम्मेदार नहीं होंगे।"

बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के संघ ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड और राज्य सरकार के कुछ वरिष्ठ अधिकारी चुनिंदा निजी कंपनियों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे करोड़ों रुपये की डिस्कॉम संपत्तियों को निजी कंपनियों को औने-पौने दामों पर बेचने की कोशिश कर रहे हैं। एआईपीईएफ अध्यक्ष ने कहा कि यदि डिस्कॉम का निजीकरण किया गया तो किसान और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कई लाभों से वंचित हो जाएंगे। इससे पहले जून में, उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम, 1966 (यूपी एस्मा) के प्रावधानों को लागू किया था, जिसके तहत छह महीने की अवधि के लिए बिजली विभाग में हड़ताल पर रोक लगा दी गई थी।इस आशय की अधिसूचना सरकार द्वारा जारी की गई।

अधिसूचना के अनुसार, हड़ताल पर प्रतिबंध निम्नलिखित संस्थाओं के तहत सभी सेवाओं को कवर करता है- उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल); उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (UPRVUNL); उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल); कानपुर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड (केस्को);

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल); पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीयूवीवीएनएल); पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल); दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल); यूपी रिन्यूएबल एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह निर्णय निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा राज्य भर में आवश्यक विद्युत संबंधी सेवाओं में किसी भी प्रकार की बाधा को रोकने के लिए लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता की मौत के मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज, तीन गिरफ्तार

लंभुआ के सखौली खुर्द गांव का मामला

लंभुआ (सुलतानपुर)। बृहस्पतिवार को लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के सखौली खुर्द गांव में हुई विवाहिता की हत्या प्रकरण में शुक्रवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। सात ससुरालीजनों पर हत्या व मारपीट का आरोप है। पुलिस ने पति, ससुर व देवर को गिरफ्तार कर जिला न्यायालय में प्रस्तुत किया है। दरअसल, बृहस्पतिवार की भोर में सखौली खुर्द गांव निवासी विवाहिता अंकिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। भाई व वैनी अथलवा निवासी रोहित कुमार के मुताबिक पति अजीत कुमार, ससुर राम उजागिर, देवर संदीप, मनीष कुमार, शनि, देवरानी पूजा व पुष्पा ने मिलकर उसकी बहन को मारापीटा और गला दबाकर हत्या कर दी है। पुलिस ने भाई रोहित कुमार की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश सिंह ने बताया कि पति अजीत कुमार, ससुर राम उजागिर, देवर मनीष कुमार को पुलिस ने उनके घर से गिरफ्तार किया है।

करंट की चपेट में आकर घायल हुआ बंदर

लालगंज (रायबरेली)। तहसील परिसर में शुक्रवार को एक बंदर चेजओवर के पास उतरते समय करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। करंट लगते ही वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल सूचना प्रभारी तहसीलदार शंभूशरण पांडेय को दी। प्रभारी तहसीलदार ने तत्काल चिकित्सकों को बुलाकर बंदर का प्राथमिक उपचार कराया। लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उसकी हालत में कोई विशेष सुधार नहीं हो सका। बाद में वन विभाग की टीम को सूचित किया गया। मौके पर पहुंचे वन विभाग के कर्मचारी घायल बंदर का रेस्कयु कर उसे इलाज के लिए ले गए। तहसील के कर्मचारियों ने बताया कि यह बंदर तहसील परिसर में लंबे समय से रह रहा था और अक्सर शरारतें करता रहता था। कभी किसी कमरे में घुसकर कागजात फाड़ देता तो कभी टेबल-कुर्सी उलट देता। वह कर्मचारियों से बिल्कुल नहीं डरता था। करंट से उसकी हॉलत बिगड़ गई है।

ऑटो रिक्शा चालकों से अवैध वसूली करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

चंदापुर/रायबरेली- थाना क्षेत्र में अवैध वसूली करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने पड़कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। दोनों आरोपियों पर ऑटो रिक्शा चालकों से अवैध वसूली का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि, यूपी के रायबरेली में चंदापुर थाना क्षेत्र के चंदापुर चौराहे पर ऑटो रिक्शा चालकों से अवैध वसूली किए जाने के बाबत गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली थी। सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी प्रशांत द्विवेदी ने इश्तियाक पुत्र अली हसन की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों गोविंद कुमार उर्फ गोविंदा पुत्र शीतला प्रसाद निवासी वार्ड नंबर एक गांधीनगर थाना महराजगंज और दूसरे आरोपी शैलेंद्र सिंह पुत्र राम बहादुर सिंह निवासी पुरे सधई मजरे अतरेहटा थाना महराजगंज के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि, दोनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत मिली थी कि, ऑटो रिक्शा चालकों से दोनों आरोपी अवैध वसूली करते हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से वसूली के कुल 37 सौ रुपए भी बरामद किए गए हैं।

ग्राम पंचायत गोरखर में बड़े पैमाने पर सरकारी धन डकारने की चल रही तैयारी

●सचिव अमरनाथ गौतम की मनमानी / लापरवाही से ग्राम पंचायत गोरखर में बढ़ रहा भ्रष्टाचारजेसीबी मशीन से मनरेगा कार्य कराकर मनरेगा मजदूरों के नाम से फर्जी हाजिरी लगाने में सफल है ग्राम प्रधान श्रीचन्द्र सिंह

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जिले के विकासखंड सल्टौवा गोपालपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गोरखर में आनलाइन जारी फर्जी मस्टर रोल को जीरो करना खंड विकास अधिकारी अनिल यादव के लिए चुनौती बना हुआ है । रोजगार सेवक राम तौल मनरेगा एक्ट की धज्जियां उड़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है । कमीशन के चक्कर में बेधड़क मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में मस्त हैं । सचिव अमरनाथ गौतम अपने ग्राम पंचायत गोरखर में विकास कार्यों को कराने के बजाएं सरकारी धन लूट करने में सहयोगी बने हुए हैं । सचिव की मनमानी ग्राम पंचायत गोरखर में मनरेगा मजदूरों पर भारी पड़ रही है । मनरेगा मजदूर मनरेगा कार्यो करने के लिए आस लगाये बैठे रहते हैं । ग्राम प्रधान श्री चन्द्र, रोजगार सेवक राम तौल, सचिव अमर नाथ गौतम व तकनीकी सहायक कागज में मनरेगा कार्यो को कराने में जुटे हैं ।सूत्रों की माने तो ग्राम पंचायत गोरखर में समय माता मंदिर के सामने अमृत सरोवर निर्माण कार्य पहले जेसीबी मशीन से खुदाई व सफाई कार्य कराया गया था और बाद में ट्रैक्टर ट्राली का भी प्रयोग किया गया था । ठीक उसी प्रकार सुगही तालाब की खुदाई व सफाई कार्य जेसीबी मशीन कराया गया है । चकबंध निर्माण कार्य में भी सड़क के दोनों तरफ एक भी फावड़ा मिट्टी निकल नहीं गई है

अतः स्पष्ट है कि चकबंध निर्माण कार्य में मशीनरी यंत्र का प्रयोग हुआ है । वर्तमान समय में तीनों साइडों पर मनरेगा कार्य के नाम पर फर्जी मस्टर रोल जारी है फर्जी फोटो के सहारे मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में रोजगार सेवक राम तौल सफल है । जब फर्जी मस्टर रोल भरकर पूर्ण कर तकनीकी सहायक के पास फाइल पहुंचेगी तो बेधड़क फर्जी एमबी कर कागज़ात पूर्ण कर लिया जायेगा । बाद में सचिव अमरनाथ गौतम फर्जी मस्टर रोल पर हस्ताक्षर कर भ्रष्टाचार की नैया पार कर देंगे । इन जिम्मेदार अधिकारियों / कर्मचारियों की मनमानी कार्यो से प्रदेश सरकार की साफ - सुथरी छवि धूमिल हो रही है । रोजगार सेवक रामतौल, ग्राम प्रधान श्री चंद्र सिंह ,सचिन अमरनाथ गौतम व टी ए / जे ई ने सरकारी धन को डकारने के प्रयास में लगे हुए हैं जिसमें खंड विकास अधिकारी अनिल यादव की भूमिका संदिग्ध है । यदि खंड विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गोरखर में चल रहे मनरेगा कार्यो की जांच पड़ताल करते तो इतने बड़े पैमाने पर मनरेगा भ्रष्टाचार करने में सचिव अमरनाथ गौतम सफल न होते और सरकारी धन को दुरुपयोग होने से बचाया जा सकता है । जिम्मेदार अधिकारियों / कर्मचारियों के मनमानी कार्यो से प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है ।अब देखना है कि खंड विकास अधिकारी अनिल यादव द्वारा ग्राम पंचायत गोरखर में जारी आनलाइन फर्जी मनरेगा कार्यो हेतु मस्टर रोल जीरो हो पता है या नहीं ? जो पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है ।

भारतीय मजदूर संघ शाखा बस्ती की मासिक बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में भारतीय मजदूर संघ शाखा बस्ती की मासिक बैठक नगर पालिका सभागार में संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता के अध्यक्षता एवं मंत्री राहुल श्रीवास्तव के संचालन में सम्पन्न हुई। बैठक में कर्मचारियों के समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विभाग प्रमुख अशोक सिंह ने कहा कि देश हित में करेंगें काम, काम के लेंगे पूरे दाम यह हमारा मांग है। संरक्षक उमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि आप सभी संगठन हित में कार्य करते हुए संघ को मजबूत बनायेजिलाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल किया जाय।मंत्री राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि समान कार्य समान वेतन लागू किया जाय।संगठन मंत्री वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि कर्मचारियों के ठेकेदारी प्रथा बंद हो और नियमित किया जाय।वहीं कार्यालय मंत्री अजय कुमार त्रिपाठी ने ठेका मजदूर संघ के गठन का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए ठेका मजदूर संघ के जिला कार्यकारिणी का गठन

किया गया जिसमें दीपक कुमार अध्यक्ष, विनय कुमार शुक्ला उपाध्यक्ष, आदित्य सिंह महामंत्री, मुकेश श्रीवास्तव मंत्री, शुभम श्याम संगठन मंत्री एवं राजेश चौरसिया को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

बैठक में विक्रम प्रताप सिंह, अनीता चौधरी, दीपिका पाण्डेय, रविरोशन श्रीवास्तव, नगरपालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शुभम शेखर यादव, अमित कुमार शुक्ला, संजय मणि त्रिपाठी, निरंकुश शुक्ला, अभिषेक प्रताप सिंह, घनश्याम चौधरी, ज्ञान्ती सिंह, दिग्विजय पुरी, उमेशचंद्र चौधरी, रविन्द्र चौधरी, राघवेंद्र सिंह, पंचराम राना, मोहम्मद कैफ अहमद, रिजवान, आकाश सोनकर सहित रोडवेज, एनएचएम, को ऑपरेटिव बैंक, ग्रामीण बैंक, डाकघर, नगरपालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौर,बीडीओ के के सिंह की भूमिका पर उठे सवाल, भ्रष्टाचार का केंद्र बना गौर ब्लॉक

●-ग्राम पंचायत हलुआ में लाखों का फर्जी एमबी कर किया गया घोटाला,धरातल पर बिना काम के बनाये जा रहें हैं बिलअपने ही कर्मचारियों पर नहीं चला पा रहे नियंत्रण,बीडीओ खुद बने भ्रष्टाचार के मास्टरमाइंड!

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जिले के गौर विकासखंड में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। खंड विकास अधिकारी के के सिंह के संरक्षण में पूरे ब्लॉक में धड़ल्ले से भ्रष्टाचार हो रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि बीडीओ अपने ही कर्मचारियों पर कोई नियंत्रण नहीं रख पा रहे, या यूं कहें कि वे खुद इस भ्रष्टाचार के मुख्य

सूत्रधार बन चुके हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत हलुआ और गोनहा में मनरेगा के तहत लाखों रुपये के फर्जी एमबी (मेजर बिल) बनाए गए हैं, जबकि धरातल पर कोई कार्य ही नहीं किया गया। बी के सिंह द्वारा जिस मास्टर रोल को पहले ÷जीरो÷ बताया गया था, वह चार दिन बाद अचानक "बी"में बदल गया। सवाल ये उठता है कि जब कार्य हुआ ही नहीं तो बी बनाने की ज़रूरत क्यों पड़ी? ग्राम पंचायतों में बिना किसी कार्य के भुगतान कर देना न केवल सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की अवहेलना है, बल्कि भाजपा सरकार की छवि को भी गहरा धक्का पहुंचाने वाला कृत्य है। सरकार की छवि पर दाग गौर करने वाली बात यह भी है कि जिस भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वादा किया था, उसी सरकार के शासन में बस्ती जिले में लाखों का फर्जीवाड़ा खुलेआम किया जा रहा है। खंड विकास अधिकारी का मौन, कर्मचारी बेलगाम खंड विकास अधिकारी के के सिंह के रवैये से साफ है कि या तो वे भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त हैं या फिर उन्होंने भ्रष्ट कर्मचारियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। कई बार मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर वे जवाब देने से बचते हैं और मामले को टालते नजर आते हैं। जांच हो तो खुल सकते हैं और भी राज स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की मांग है कि ग्राम पंचायत हलुआ, गोनहा समेत गौर ब्लॉक के अन्य पंचायतों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। अगर निष्पक्ष जांच होती है तो इस घोटाले में कई और नाम सामने आ सकते हैं।

विद्यालयों को बंद करने के विरोध में गरजे समाजवादी: राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

●स्कूल बंद हुये तो शिक्षा से वंचित हो जायेंगे गरीबों के बच्चे- महेन्द्रनाथ यादव

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ के नेतृत्व में परिषदीय विद्यालयों को जबरिया युग्मन किये जाने के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। 10 सूत्रीय मांग पत्र में कहा गया है कि विद्यालयों को बंद करने का निर्णय बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय और शिक्षा के अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंघन है। सरकार शिक्षा विरोधी इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस ले। न्याय मार्ग पर एकत्र समाजवादी नेता सरकार विरोधी नारा लगाते हुये डीएम कार्यालय तक पहुंचे और मांग किया कि सरकार विद्यालयों

को बंद करने का अपना निर्णय वापस लेज्ञापन देने के बाद सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ ने कहा कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार गरीब बच्चों से शिक्षा का अवसर भी छीन लेना चाहती है। सरकार का उद्देश्य निजीकरण को बढावा देना है। इससे गरीब परिवारों के छात्र शिक्षा से ही वंचित हो जायेगे। मांग किया कि सरकार शिक्षा विरोधी इस निर्णय को तत्काल वापस ले।विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, वरिष्ठ नेता चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम, अरविन्द सोनकर, आर.डी. निषाद, गुलाब सोनकर, देवेन्द्र श्रीवास्तव, गीता भारती आदि ने एक स्वर से कहा कि प्रदेश की योगी आदित्नाथ सरकार अपने तुगलकी शिक्षा विरोधी आदेश को तत्काल वापस ले।

राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अमर अग्रहरि, प्रशान्त यादव, हनुमान प्रसाद गोड़, राहुल सोनकर, संदीप यादव, राम सिंह, मंशाराम कन्नौजिया, हनुमान चौधरी, अखिलेश यादव, अजय यादव, नितराम चौधरी, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, रीतेश यादव, रोहिताश्व सिंह 'नीलू', पंकज निषाद, रितिक कुमार, रन बहादुर यादव, समीर चौधरी, शकुन्तला चौरसिया, बैजनाथ शर्मा, महेश चौधरी, दिनेश तिवारी, संजय कुमार गौतम, अरूण कुमार मिश्र, हृदयराम यादव, अरविन्द यादव, संदीप राजभर, रविकान्त निषाद, मो. हारिश, अभिनव श्रीवास्तव, भोलू अंसारी, गौरीशंकर यादव, राहुल सिंह, राम प्रकाश सुमन के साथ ही सपा के अनेक नेता कार्यकर्ता शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों का मर्जर बेसिक शिक्षा का काला अध्याय

●-गरीब, ग्रामीण और वंचित वर्ग के बच्चों की स्कूली शिक्षा पर मंडरा रहा संकटआरटीई का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है स्कूलों का मर्जर

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती में शिक्षकों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों के मर्जर (विलय) की योजना को लेकर राज्य भर में बहस तेज हो गई है। सरकार का तर्क है कि इससे शिक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और संसाधन-संपन्न होगी, लेकिन शिक्षा विशेषज्ञों, अभिभावकों और समाजसेवियों का कहना है कि इस कदम से गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। खासकर बालिकाओं और दूर-दराज़ के इलाकों में रहने वाले बच्चों के ड्रॉप आउट (पढ़ाई छोड़ने) के मामले बढ़ सकते हैं। शासन स्तर पर तय किया गया है कि कम छात्र संख्या वाले

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को आपस में मिलाकर एक ही परिसर में संचालित किया जाएगा। इस निर्णय के तहत कई छोटे विद्यालयों को बंद किया जाएगा और बच्चों को आसपास के "नजदीकी" विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से ही स्कूलों तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। कई बच्चों को पैदल ही स्कूल जाना पड़ता है। मर्जर के बाद जब स्कूल 2-3 किलोमीटर दूर होंगे, तो छोटे बच्चों के लिए नियमित उपस्थिति कठिन हो जाएगी। वहीं लड़कियों की शिक्षा पर यह कदम बड़ा असर डाल सकता है। दूर-दराज़ स्कूल भेजने को लेकर माता-पिता की चिंता, परिवहन की कमी और सामाजिक सुरक्षा की चिंता के चलते वे लड़कियों की पढ़ाई ही छुड़वा सकते। जबकि गरीब परिवारों के पास न तो परिवहन की सुविधा होती है और न ही वे ट्यूशन या प्राइवेट स्कूल का खर्च उठा सकते हैं। सरकारी स्कूल ही उनका एकमात्र सहारा होते हैं, जिनकी संख्या अब घटाई जा रही है। छोटे स्कूल अक्सर स्थानीय संस्कृति और समुदाय से जुड़े होते हैं। स्कूल का बंद होना बच्चों के मनोबल और स्थानीय भागीदारी को प्रभावित कर सकता है। इस मुद्दे पर विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा केवल भवनों का खेल नहीं है, यह बच्चों की पहुंच और सुविधा से जुड़ी है। यदि बच्चों को स्कूल तक पहुंचने में दिक्कत होगी, तो ड्रॉप आउट बढ़ना तय है।इसीलिए जानकारों और सामाजिक संगठनों की मांग है कि मर्जर से पहले व्यापक सामाजिक विमर्श किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो। यदि ज़मीनी सच्चाईयों को नजरअंदाज किया गया, तो यह फैसला शिक्षा में सुधार की बजाय, एक नई समस्या को जन्म दे सकता है।

माह जुलाई केप्रथमशनिवार को तहसील हर्रैया में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में माह जुलाई के प्रथम शनिवार को तहसील हर्रैया में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीएम ने आये हुए फरियादियों की समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई की और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने अधिकारियों का आहवान्ह किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन की उपयोगिता, उपादेयता व सार्थकता को बनाए रखें। इसके लिए प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें, जिससे लोगों को राहत महसूस हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपने स्तर पर विभिन्न

माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों की नियमित रूप से समीक्षा कर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण इस प्रकार से करायें कि फरियादी भी की गयी कार्यवाही से संतुष्ट हो जाएं और उन्हें दोबारा भाग-दौड़ न करनी पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि लम्बित सभी सन्दर्भो का तत्काल निस्तारण कराया जाय। पुलिस अधीक्षक अभिनन्द ने भी फरियादियों के प्रार्थना पत्रों पर सुनवई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभाग से संबधित शिकायतों को गम्भीरता से सुने और त्वरित निस्तारण करें। तहसील हर्रैया में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 79 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। राजस्व विभाग से सम्बन्धित 39 प्रार्थना पत्र, पुलिस विभाग से सम्बन्धित 18 प्रार्थना पत्र, विकास विभाग से सम्बन्धित 14 प्रार्थना पत्र, विद्युत विभाग से सम्बन्धित 05 प्रार्थना पत्र तथा अन्य विभाग से सम्बन्धित 03 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए। मौके पर कुल 08 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी उमाकान्त तिवारी, उपनिदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, एल.डी.एम. आर.एन. मौर्या, श्रम प्रवर्तन अधिकारी नागेन्द्र त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी बी.आर. मौर्य, बीएसए अनूप तिवारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सोनभद्र चकबंदी विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप, किसान 43 दिनों से धरने पर

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, उत्तर प्रदेश। सोनभद्र जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र का भैंसवार गांव पिछले 43 दिनों से किसानों के अभूतपूर्व धरना प्रदर्शन का गवाह बन रहा है, सैकड़ों की संख्या में किसान चकबंदी विभाग की मनमानी, लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ लामबंद हैं, उनकी पुश्तैनी जमीनें खतरे में हैं और वे सरकार से दस सूत्रीय मांगों को लेकर ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। धरने पर बैठे किसानों ने चकबंदी विभाग पर दबंगों से मिलीभगत कर जमीनों की बंदरबांट करने का आरोप लगाया है, उनका कहना है कि अधिकारी अपनी मनमर्जी से प्लॉटों का आवंटन कर रहे हैं, जिससे गांव में गंभीर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, कई किसान परिवारों की पुश्तैनी जमीनें खतरे में हैं, और उन्हें जबरन उजाड़ने की कोशिश की जा रही है, यह आरोप सीधे तौर पर चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और व्यापक भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं, किसानों ने इस बात पर भी गहरा रोष व्यक्त किया है कि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देशों के बावजूद चकबंदी विभाग आंख मूंदे बैठा है, ग्रामीणों का कहना है कि जब शासन के आदेश के बावजूद प्रशासनिक अमला कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है, तो उन्हें न्याय कैसे मिलेगा? इस स्थिति ने ग्रामीणों में आक्रोश और अविश्वास को और गहरा कर दिया है, यह सवाल खड़ा करता है कि क्या मुख्यमंत्री के आदेशों का पालन निचले स्तर पर नहीं हो रहा, या फिर अधिकारी जानबूझकर किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं, प्रदर्शनकारी किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की, तो स्थिति भयावह हो सकती है, उन्होंने याद दिलाया कि इसी तहसील क्षेत्र के उम्भा गांव में पहले भी भूमि विवाद के चलते एक बड़ा नरसंहार हो चुका है, जिससे पूरा देश दहल गया था, किसान नहीं चाहते कि वैसी कोई त्रासदी दोबारा हो, इसलिए वे प्रशासन से समय रहते समस्या का हल निकालने की अपील कर रहे हैं, यह चेतावनी प्रशासन के लिए एक गंभीर संकेत है कि यदि इस मामले को हल्के में लिया गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, दस सूत्रीय मांगों पर अड़े हैं किसान दस सूत्रीय मांगे रखी हैं, उनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं, चकबंदी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता, दोषी अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई, किसानों की जमीनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, जमीनों का उचित और न्यायसंगत पुनर्वितरण, प्रदर्शनकारी किसानों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी ये मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा, एक प्रदर्शनकारी किसान ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा, हमने अपनी पूरी जिंदगी इस जमीन को जोतते हुए गुज़ारी है, अब जब अधिकारी और दबंग मिलकर हमारी जमीन छीनना चाहते हैं, तो हम चुप कैसे बैठ सकते हैं? यह लड़ाई सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता की है।

सौतेले बेटे ने करायी पिता धन्नजय की हत्या, घटना में शामिल तीन अन्य की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात

रुद्रपुर देवरिया। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं गंभीर धाराओं में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दिये गये आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थाना रुद्रपुर पर पंजीकृत मुकदमा 243/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात का सफल अनावरण करते हुए साक्ष्य संकलन के क्रम में 02 अभियुक्तों.मृत्युंजय पाल पुत्र स्व0 हरिशंकर पाल निवासी फतेहपुर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया तथा अमन निषाद पुत्र रामनरेश निषाद निवासी फतेहपुर टोला रामनगर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि अभियुक्त मृत्युंजय पाल जो कि मृतक का सौतेला बेटा है से मृतक का संपत्ति व जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद था । गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा आपराधिक षड्यंत्र बनाकर अपने सहयोगियों को 50 हजार रुपए की सुपारी देकर अपने सौतेले पिता मृतक धनंजय पाल की दिनांक 27/28 की रात्रि में धारधार हथियार कुल्हाड़ी से हत्या करवा दी गयी । गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा यह भी बताया गया कि हत्या के बाद हत्यारों को 02 हजार रुपए व 13 हजार रुपए जरिए फोन पे दिया गया है । शेष पैसा बाद में देने को कहा गया था । विदित हो कि 28 जून को थाना रुद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम फतेहपुर में उसी गांव के रहने वाले धनंजय पाल पुत्र शंकर पाल का शव उनके प्राइवेट स्कूल डीडीएम पब्लिक स्कूल के बरामदे में मिला था। जिसके सम्बन्ध में मृतक की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । घटना स्थल का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार, क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव, कोतवाल विनोद कुमार सिंह,स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, डाग स्क्वायड, फारेंसिक टीम के साथ करते हुए घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उक्त अभियोग में शेष वांछित 03 अभियुक्तों .कमरुद्दीन उर्फ तालीवान पुत्र रमजान निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया,अभिषेक उर्फ भोलू पुत्र रामनाथ हरिजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया तथा राहुल पुत्र भजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगी हुई हैं ।

संक्षिप्त खबरें

मोहर्रम के आठवीं के जुलूस में उमड़ा जन सैलाब पुलिस प्रशासन मुस्तैद

महराजगंज/रायबरेली। मोहर्रम के त्यौहार के मंदे नजर जहां क्षेत्र के अनेक गांवों में प्रतिदिन अलग-अलग तरह से मोहर्रम के त्योहार को लेकर जुलूस निकाले जा रहे हैं तो वहीं आज सुबह महराजगंज वारसी नगर से भी एक विशाल जुलूस का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा बताते चले कि आज दिन शुक्रवार कस्बे के वार्ड नंबर 5 वारसी नगर से मोहर्रम के आठवीं के मौके पर एक विशाल जुलूस का सुबह से निकाला गया जो वारसी नगर से होते हुए रंधावा रोड व घस मंडी तिराहा से होते हुए कस्बे के मुडू का पूर्वा में पहुंचकर जुलूस का समापन किया गया जिस पर चपे चपे पर भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा तो वही विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आज के मोहर्रम के आठवीं के जुलूस के अवसर पर युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपने-अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया इस मौके पर लाल मनिहार मोहम्मद फारूक बाबू मुस्तकीम अली अमजद इरशाद आलम फिरोज अहमद मोहम्मद मारूफ मोहम्मद अलीम नूरुल हसन मुस्ताक रायानी मोहम्मद इश्तियाक हाजी जिया उल हक मोहम्मद इमरान मोहम्मद रज्जू मोहम्मद मजीद मोहम्मद अनस असगर मदारिया व एस आई दिनेश गोस्वामी के साथ भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा।

केंद्र ने पुल, फ्लाईओवर, सुरंग वाले राजमार्गों के लिए टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की

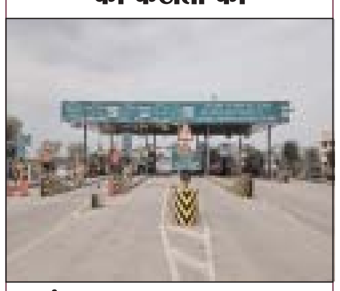

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों पर टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कमी की है। इन हिस्सों में सुरंग, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य यात्रा की लागत को कम करना और

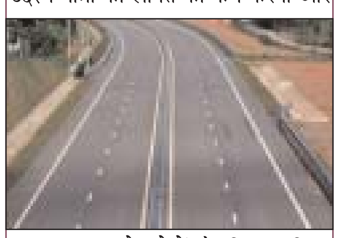

सड़क यात्रा को लोगों के लिए अधिक किफायती बनाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है और टोल चार्ज की गणना के लिए एक नया फॉर्मूला अधिसूचित किया है।

नए नियम के अनुसार, अब टोल की गणना इस तरह से की जाएगी कि राजमार्ग के उन हिस्सों पर शुल्क में कमी आएगी, जिनमें मुख्य रूप से महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, अगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी हिस्से में फ्लाईओवर या सुरंग जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं तो टोल की गणना या तो स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना या राजमार्ग खंड की कुल लंबाई का पांच गुना दोनों में से कम मूल्य के आधार पर की जाएगी। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर राजमार्ग का 40 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से पुल या फ्लाईओवर जैसे स्ट्रक्चर से बना है तो टोल की गणना स्ट्रक्चर की लंबाई का 10 गुना (400 किमी) या कुल लंबाई का 5 गुना (200 किमी) में से कम मूल्य आधार यानी 200 किमी के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रभावी रूप से दर आधी हो जाएगी। इससे पहले, वाहन चालकों को ऐसे स्ट्रक्चर के प्रत्येक किलोमीटर के लिए नियमित टोल दर से दस गुना अधिक भुगतान करना पड़ता था, क्योंकि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और रखरखाव अधिक महंगा होता है। इस बीच, परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने निजी वाहनों के लिए एक नए फास्टैग-आधारित वार्षिक पास की घोषणा की। 3,000 रुपए की कीमत वाला यह पास इस साल 15 अगस्त से उपलब्ध होगा। **विशेष रूप से गैर-**वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया यह वार्षिक पास एक्टिवेशन की तारीख से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, तक वैलिड रहेगा।

यूपीएल फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने जमकर की गुंडागर्दी ,ट्रक चालक को लाठी- डंडों से बेरहमी से पीटा

● ......ट्रक चालक के साथ हुई मारपीट का सोशल मीडिया में खूब हुआ वीडियो वायरल।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज कस्बे में स्थित यूपीएल फैक्ट्री में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। फैक्ट्री में माल उतारने के बाद वापस लौट रहे ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज सहित करीब 5 से 6 लोगों ने बेरहमी से मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें चालक को पकड़कर पीटे जाने की तस्वीरें साफ देखी जा सकती हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक अजय कुमार तिवारी फैक्ट्री में माल सप्लाई करके जैसे ही बाहर निकला, फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने किसी बात को लेकर उसे रोक लिया। देखते ही देखते वहां मौजूद करीब आधा दर्जन लोगों ने उसे लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि कुछ लोग अजय को पकड़े हुए हैं, जबकि बाकी लोग उस पर लगातार हमला कर रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया यह कोई पहली बार नहीं है जब यूपीएल फैक्ट्री के कर्मचारियों पर इस तरह के आरोप लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज का रवैया पहले से ही काफी बदसलूकी भरा रहा है। आए दिन ड्राइवरों और स्थानीय लोगों के साथ उनके द्वारा बदतमीजी और मारपीट की घटनाएं सामने आती रही हैं।ट्रक चालक के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्रीय लोगों और ट्रक यूनियन में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।घटना के बाद अब तक फैक्ट्री प्रबंधन या स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ रही है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर कैसे एक निजी फैक्ट्री में इस तरह की मनमानी और हिंसा को खुली छूट दी जा रही है। ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ हुई यह बर्बरता न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे कुछ निजी संस्थानों में अनुशासन के नाम पर गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों को कब तक सजा मिलती है। वही मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित ट्रक चालक द्वारा दी गई तहरीर पर हल्का दरोगा को जांच के लिए आदेशित किया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

नीम करौली बाबा पर बनी पहली फ़िल्म से शुरू हुई ‘स्वभू’ की यात्रा- डॉ. विशाल चतुर्वेदी का लोकसंस्कृति को नया सलाम

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर/लखनऊ। जब समूची कंटेंट इंडस्ट्री ट्रेंड्स और चमक-धमक के पीछे दौड़ रही है, ऐसे समय में एक लेखक, फ़िल्ममेकर और मीडिया एंटरप्रेन्योर ने जड़ों की ओर लौटने की पहल की है। डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने लखनऊ से 'स्वभू' नामक एक नवाचारपूर्ण मीडिया मंच की शुरुआत की है, जो भारतीय लोकसंस्कृति और मिट्टी से जुड़ी कहानियों को फिर से परिभाषित करने की कोशिश करेगा। ‘स्वभू’ की पहली प्रस्तुति एक ट्रिलॉजी है, जो नीम करौली बाबा के जीवन और अध्यात्म पर आधारित है। इस श्रृंखला की पहली फ़िल्म का अनावरण हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुआ, जहाँ डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने इस परियोजना की गहराई और दृष्टिकोण को विस्तार से साझा किया। यह ट्रिलॉजी हिंदी, अंग्रेज़ी, ब्रज, भोजपुरी और अवधी जैसी भाषाओं में निर्मित की जा रही है, ताकि इसकी आत्मा हर क्षेत्रीय दिल में उतर सके।

नीम करौली बाबा- जिनकी साधना ने दुनिया को खींचा भारत की ओर

डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि बाबा नीम करौली की आध्यात्मिक शक्ति ने केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया को भी चमत्कृत किया। चाहे वह एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स हों, हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स हों या फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग- सबने बाबा के आशीर्वाद की अनुभूति की और भारतीय दर्शन की ओर आकर्षित हुए। अब समय है कि बाबा की जीवन-गाथा उन्हीं की भूमि- उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड- से उसी सादगी, भक्ति और श्रद्धा के साथ कही जाए, जिससे न केवल उनका चरित्र जीवंत हो उठे, बल्कि भारत की आध्यात्मिक विरासत भी वैश्विक पटल पर पुनः प्रतिष्ठित हो।

‘डिवाइन डिटूअर- दैट चेंज्ड माय लाइफ’ से प्रेरित फ़िल्में

यह पूरी फ़िल्म श्रृंखला डॉ. विशाल की बहुचर्चित पुस्तक ‘डिवाइन डिटूअर- दैट चेंज्ड माय लाइफ’ पर आधारित है, जिसे ‘ट्रुथ एंड सोशल पब्लिकेशन’ ने प्रकाशित किया है। पुस्तक का विमोचन और फ़िल्म के पहले पोस्टर का लोकार्पण प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ही किया गया।

इस अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी ने कहा, "कहानियाँ वही सबसे अधिक प्रभाव छोड़ती हैं जो जमीन से उठती हैं। छोटे कस्बे, गाँवों की बोली, संस्कृति और स्मृतियाँ- यही असली भारत है। यही स्वभू का भी मूल दर्शन है।"

'स्टेज' के साथ साझेदारी- भाषाओं और गांवों तक पहुंच का वादा

‘स्वभू’ को डिजिटल और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म ‘स्टेज’ का सशक्त सहयोग मिला है, जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी जैसी भाषाओं में स्थानीय कंटेंट को प्रस्तुत करता है। ‘स्टेज’ के सह-संस्थापक एवं मुख्य क्रिएटिव अधिकारी परवीन सिंगल ने बताया कि उन्हें गर्व है कि बाबा नीम करौली पर बनने वाली इस फ़िल्म के डिजिटल साझेदार के रूप में वे जुड़े हैं। उन्होंने कहा,"हमारा लक्ष्य है कि स्थानीय जड़ों से उपजी कहानियाँ सिर्फ स्क्रीन तक न रुकें, बल्कि हर गांव, हर घर के मोबाइल तक पहुँचें।"

यह साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि अब भारत की लोककथाओं, संत परंपराओं और सांस्कृतिक अनुभवों को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तकनीक और लोकसंवाद एक साथ आए हैं।

एक रचनात्मक यात्रा0 गाँव से ग्लोबल तक

डॉ. विशाल चतुर्वेदी उत्तर प्रदेश में पले-बढ़े हैं और उन्होंने गोरखपुर से अपनी मेडिकल पढ़ाई पूरी की है। चिकित्सा के क्षेत्र से लेकर सिनेमा और साहित्य तक, उनकी रचनात्मक यात्रा अद्वितीय रही है। उन्होंने ‘गुलाब गैंग’, ‘हुड़दंग’ और ‘डेढ़ बीघा ज़मीन’ जैसी फ़िल्मों में योगदान दिया है और हाल ही में लिखी गई उनकी टेलीविज़न सीरीज़ ‘फौजी-2’ इन दिनों दूरदर्शन पर प्रसारित हो रही है। वे अनुभव सिन्हा और विवेक अग्निहोत्री जैसे प्रतिष्ठित निर्देशकों के साथ वर्षों तक काम कर चुके हैं।

‘स्वभू’0 सिर्फ एक मंच नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण

‘स्वभू’ का लक्ष्य है स्थानीय कलाकारों, रचनाकारों और कहानीकारों को एक ऐसा मंच देना जहाँ वे बिना मेट्रो शहरों की ओर पलायन किए, अपने ही गांव या शहर से काम कर सकें और अपनी भाषा, संस्कृति व परंपरा को गर्व से प्रस्तुत कर सकें। डॉ. विशाल ने कहा, "आज समय आ गया है कि हम पश्चिम की नकल छोड़कर अपनी मिट्टी की ओर लौटें- जहाँ नीम करौली बाबा जैसे संत पैदा हुए, जहाँ तुलसीदास की चौपाइयाँ गूंजती रहीं और जहाँ हर आंगन में कोई कथा जन्म लेती है।"

योगी सरकार की पहल, बौद्ध-सिख श्रद्धालुओं के लिए दो तीर्थ यात्रा योजनाएं होंगी शुरू

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु ‘बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना’ और सिख श्रद्धालुओं के लिए ‘पंच तख्त यात्रा योजना’ प्रारंभ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें।

मुख्यमंत्री की मंशानुसार, बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के हिंदू और बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र ‘तख्त साहिब’ स्थल की यात्रा कराई जाएगी। सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में 'श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार', शामिल हैं।

प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 रुपए की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए, श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनों ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ये योजनाएं प्रदेश की समावेशी विकास नीति और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को सशक्त करेंगी। प्रदेश की धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी, साथ ही ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ की भावना को भी मूर्त रूप प्रदान करेंगी।

आजीवन करवास की सजा काट रहे कपिल और सूरजभान से मिलने पहुंचे उदयभान

नैनी जेल में बंद है दोनों भाई, उदयभान को अच्छे आचरण पर मिली रिहाई।

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व एमएलसी सूरज भान करवरिया और रामचंद उर्फ कल्लू से मिलने उनके भाई पूर्व विधायक उदयभान करवरिया पहुंचे। उन्होंने जेल में अपने भाइयों का हालचाल जाना। साथ ही जेल के नए वरिष्ठ अधीक्षक विजय विक्रम सिंह से भी मुलाकात की।उदयभान करवरिया ने बताया कि वह जेल से रिहा होने के बाद हर महीने अपने भाइयों से मिलने आते हैं। नए जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह पहले इसी जेल में जेलर रह चुके हैं, जिससे उनकी पुरानी पहचान है। इसलिए उनसे भी मुलाकात की। इसी जेल से समय से पूर्व मिली थी उदयभान को रिहाईउदयभान करवरिया को राज्यपाल के आदेश पर अच्छे आचरण के आधार पर समयपूर्व रिहा किया गया था।1996 में हुए विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड में उदयभान करवरिया, उसके भाई सूरजभान करवरिया और कपिलमुनि करवरिया को आजीवन कारावास की सजा हुई है।

PNB बैंक घोटाला केस- अमेरिका में गिरफ्तार हुआ नीरव मोदी का भाई नेहल मोदी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी की गिरफ्तारी की जानकारी भारतीय अधिकारियों को दी है। जानकारी के अनुसार, अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया है कि भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को 4 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है। अमेरिकी अभियोजन द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की जा रही है। इनमें मनी लॉन्ड्रिंग (धनशोधन) का एक आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत है। इसके अलावा, आपराधिक साजिश का एक आरोप है, जो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 120-बी और 201 के तहत है।

कानपुर में गवाह विमल के हत्यारों की तलाश तेज, पुलिस पर लापरवाही का भी आरोप

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। यहां सेन पश्चिम पारा कैटरीना हमले के गवाह विमल गौतम की अपहरण के बाद हत्या मामले में आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। इस बीच पुलिस पर भी आरोप लगाया गया है जिसके मुताबिक अगर सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई की जाती तो विमल की जान बचाई जा सकती थी। आरोप है कि रात करीब साढ़े नौ बजे अपहरण की घटना होने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दे दी थी, लेकिन रिपोर्ट अगले दिन दर्ज हुई। घरवालों का आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसका नतीजा है कि उनकी हत्या कर दी गई। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा मुख्य हत्यारोपी इरफान को इटावा से उठाये जाने की भी खबर है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं दिखाई है। उसकी सफेद कार भी इटावा से मिली है। जबकि थाना प्रभारी के मुताबिक कार इरफान के रमईपुर स्थित घर से मिली है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस की जांच में सामने आया कि खागल पासवान और विमल से विवाद के बाद इरफान बिनगवां गांव छोड़कर रमईपुर में शटरिंग का काम करने लगा। बिनगवां में शटरिंग का काम मिलने से वह पिछले एक सप्ताह से गांव में नजर आ रहा था। हत्याकांड में गांव के अन्य लोगों की भी शामिल होने की आशंका व्यक्त की गई। अधिकारियों के मुताबिक टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश बहुत तेजी से की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान

● महारानी गल्ला व्यवसाई की हत्या का मामला, व्यापारियों ने उठाया

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में व्यापारियों ने महारानीगंज में हुई गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी की हत्या का मामला जोरदार तरीके से उठाया।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने हत्या के जल्द खुलासे की मांग की। महारानीगंज बाजार अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में मृतक की दोनों बेटियां भी पहुंचीं। उन्होंने अपने पिता के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की मांग की। कहा कि घटना के बाद से स्थानीय व्यापारियों में दहशत है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। इसी दौरान भाजपा नेता मनीष त्रिवेदी ने लालगंज से तौधकपुर तक की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर नाली जैसी स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस अवसर पर कुल 83 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, तहसीलदार शंभू शरण पांडेय, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र, सीएचसी अधीक्षक और नगर पंचायत से वीरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। व्यापारियों में दहशत है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

इसी दौरान भाजपा नेता मनीष त्रिवेदी ने लालगंज से तौधकपुर तक की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर नाली जैसी स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस अवसर पर कुल 85 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से नौ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, तहसीलदार शंभू चरण पांडेय, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र, सीएचसी अधीक्षक और नगर पंचायत से वीरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल पहुंचते ही सातवीं कक्षा के छात्र की बिगड़ी तबीयत, पिता की गोद में ली अंतिम सांस

स्वतंत्र प्रभात

बाराबंकी। जनपद के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित सेंट एंथनी स्कूल में सोमवार की सुबह रोज़ की तरह स्कूल खुला था। लेकिन इस बार वो माहौल सामान्य नहीं रहा। सुबह 7:15 बजे के आसपास अखिल प्रताप सिंह, जो 7वीं कक्षा का छात्र था, अपने पिता जितेंद्र प्रताप सिंह के साथ स्कूल पहुंचा। जैसे ही अखिल ने कार से उतरकर बैग कंधे पर लटकाया, वह लड़खड़ाने लगा। पिता कुछ समझ पाते उससे पहले ही उसके मुंह से उल्टियाँ शुरू हो गई और वह बेसुध हो गया। बदहवास पिता ने बेटे को गोद में उठाया और पास ही की सीढ़ियों पर बैठ गया। स्थानीय लोग मदद को दौड़े और तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने अखिल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी पिता ने उम्मीद नहीं छोड़ी और बेटे को लेकर लखनऊ के एक निजी अस्पताल भागे, परंतु वहां भी डॉक्टरों ने सिर्फ निराशा ही दी।

इकलौता बेटा था अखिल, पिता व्यापारी और मां शिक्षिका

बाराबंकी के घेरी बिशुनपुर निवासी जितेंद्र प्रताप सिंह एक व्यापारी हैं, जबकि उनकी पत्नी एक शिक्षिका हैं। अखिल उनकी इकलौती संतान था। एक होनहार, चंचल और पढ़ाई में आगे रहने वाला बच्चा। टेलीफोन पर बातचीत में जितेंद्र ने बताया, "मेरा बेटा पूरी तरह स्वस्थ था। न कोई बीमारी थी, न कोई दवा चल रही थी। सुबह हँसते हुए स्कूल आया था। मुझे क्या पता था कि उसी की गोद में उसकी अंतिम सांसें होंगी।"

घटना का वीडियो वायरल, विद्यालय प्रबंधन ने जताया दुख

घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पिता की गोद में तड़पता मासूम और उसकी बेबसी देख हर आंख नम हो गई। स्कूल प्रबंधन ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्कूल में अवकाश घोषित कर दिया और कहा कि वे परिवार के साथ हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों की आंखों देखा हाल

बॉलीबॉल संघ के सचिव पवन सिंह, जो सुबह मॉर्निंग वॉक से लौट रहे थे, ने बताया÷ ÷मैंने जितेंद्र जी को सीढ़ियों पर बेटे को गोद में लिए बैठे देखा। हम तुरंत मदद को पहुंचे और अस्पताल ले गए, लेकिन वहां तक पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।÷

डॉक्टरों के अनुसार मौत के संभावित कारण

हालांकि अखिल का पोस्टमार्टम नहीं हुआ, इसलिए मृत्यु का वास्तविक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। लेकिन इस असामयिक मौत ने चिकित्सा जगत को भी स्तब्ध कर दिया है। मेयो कॉलेज, लखनऊ के सीनियर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद काशिफ ने बताया- "स उम्र में हार्ट अटैक की संभावना बहुत ही कम होती है। संभवतः ब्रेन हेमरेज या कार्डियक अरेस्ट कारण हो सकता है। हालांकि बिना पोस्टमार्टम के कुछ कहना कठिन है। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराएं।"

समाज और सिस्टम के लिए चेतावनी है यह मौत

अखिल की अचानक मौत सिर्फ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे सिस्टम, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही और स्कूली वातावरण की कठोरता पर सवाल खड़े करती है। क्या स्कूल के पहले दिन इतने दबाव में बच्चे आ जाते हैं? क्या भीषण गर्मी के बाद शरीर अचानक शारीरिक लय में नहीं आ पाता? क्या हर स्कूल में मेडिकल इमरजेंसी के लिए कोई इंतज़ाम होना चाहिए?

इन सवालों के जवाब तलाशने का वक्त आ गया है।

'स्कूल बैग के बोझ से पहले ही दब गए थे हम'

अखिल की मौत ने एक बार फिर इस बहस को ज़िंदा कर दिया है कि बच्चों पर पढ़ाई और स्कूल बैग का बोझ कितना सही है? स्कूल खुलते ही बिना किसी "फिजिकल फिटनेस चेक÷ या ÷रिकवरी पीरियड" के बच्चे सीधे क्लास में डाल दिए जाते हैं। क्या सिस्टम को बच्चों के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक हालात का ख्याल रखना चाहिए?

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अखिल का अंतिम संस्कार पूरे गांव की मौजूदगी में हुआ। ग्रामीणों ने भारी मन से उसे विदाई दी। हर कोई यह सोचकर सिहर उठा कि जो बच्चा स्कूल के पहले दिन उत्साह से भरा हुआ था, वो इतनी जल्दी इस दुनिया से चला गया।

‘हिंदी को दुनिया में किया जाता है पसंद’, भाषा विवाद पर बोले संजय निषाद

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर जारी सियासत पर यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद का बयान आया है। उन्होंने कहा कि देश में भौगोलिक स्थिति के हिसाब से भाषाएं हैं और हिंदी को दुनिया में पसंद किया जाता है। यूपी सरकार में मंत्री संजय निषाद ने शनिवार को आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "देश में भौगोलिक स्थिति के हिसाब से भाषाएं हैं और हिंदी को दुनिया में पसंद किया जाता है। मैंने खुद दुनियाभर में हिंदी को पसंद करने वालों को देखा है। मुझे लगता है कि इसे (भाषा) ज्यादा तूल नहीं दिया जाना चाहिए।"

संजय निषाद ने बिहार विधानसभा चुनाव पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि फर्जी मतदाता को लिस्ट से हटाना पड़ेगा। जो लोग दो जगह मतदान करते हैं, उनका एक जगह से नाम हटाना होगा। टेक्नोलॉजी से ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। पीएम मोदी ने भी सत्ता संभालने के बाद इसी बात पर जोर दिया था। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर चुनाव आयोग टेक्नोलॉजी के जरिए भ्रष्टाचार पर लगाम लगा रहा है तो इससे वे (विपक्ष) क्यों परेशान हैं?"

संजय निषाद ने सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी का जन्म हुआ। वो सिर्फ दल देखते हैं, नीति नहीं। 2017 में वे दोनों एक साथ आए और साइकिल हाफ हो गई। एक बार और उन्होंने गठबंधन कर लिया तो

साइकिल पूरी तरह साफ हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि सभी पार्टियां अपने मूल मुद्दे और विचारधारा से भटक गई हैं। कांग्रेस तुष्टिकरण पर उतारू है तो सपा को उनके सलाहकारों ने उलझाकर रखा है। उनको दलित, शोषित और वंचितों की आवाज बनना चाहिए, लेकिन वो सिर्फ सतीश मिश्रा और अमर सिंह एंड कंपनी जैसे लोगों की आवाज बन गए और इसी वजह से वे पिछले दलित हो गए।

वन, पशु और मानव - एक ही साँस की डोर पर टिके जीवन का महासंग्राम

[जब पशु बीमार पड़ते हैं, इंसान मरता है - जूनोसिस का क्रूर सत्य]

एक नन्हा सा वायरस, किसी जंगल की गहराइयों में पल रहे प्राणी से जन्मा, पूरी मानव सभ्यता को हिलाकर रख सकता है। विश्व जूनोसिस दिवस, जो हर 6 जुलाई को आता है, हमें यही कठोर सत्य याद दिलाता है–हमारी धरती कितनी नाजुक है, हमारे जीवन कितने आपस में जुड़े हैं। एक कुत्ते का काटना, एक चमगादड़ की उड़ान, या गाय के दूध में छिपा रोग, चुपके से हमारे घरों तक पहुँच सकता है। यह दिन केवल चेतावनी नहीं, बल्कि एक प्रबल जागृति की पुकार है। यह हमें बताता है कि हम और पशु एक ही साँस, एक ही धरती के बंधन में बँधे हैं। लापरवाही अब मंजूर नहीं–यह समय है सजग होने का, एकजुट होने का, और इस अदृश्य शत्रु से डटकर मुकाबला करने का। विश्व जूनोसिस दिवस सिर्फ़ एक तारीख़ नहीं, यह एक संकल्प है–हमारी दुनिया को सुरक्षित रखने का, आज और हमेशा। जूनोसिस–यह शब्द नहीं, एक चुपके से दस्तक देता तूफ़ान है, जो पशुओं से मनुष्यों तक छलाँग लगाकर सभ्यताओं को झकझोर सकता है। ग्रीक भाषा में "ज़ून" यानी पशु और "नोसिस" यानी रोग–यह वे अदृश्य शत्रु हैं जो जंगलों, खेतों और हमारे आसपास के प्राणियों से निकलकर हमारे घरों की देहरी लाँघ जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी गूँजती है- विश्व के 60त्न संक्रामक रोग जूनोटिक हैं, और 75% से अधिक नई बीमारियाँ पशुओं से जन्म लेती हैं। रेबीज, जो हर साल 59,000 जिंदगियों को निगल जाता है, जिसमें 40% मासूम बच्चे हैं; ब्रुसेलोसिस, जो भारत के गाँवों में चुपके से तबाही मचाता है; और कोविड-19, जिसने 70 लाख से अधिक लोगों को असमय छीन लिया–ये जूनोसिस के भयावह चेहरे हैं। भारत में, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) की रिपोर्ट चीख-चीखकर बताती है- रेबीज हर साल 20,000 जिंदगियाँ छीन लेता है, जो वैश्विक आँकड़ों का एक तिहाई है। ये सिर्फ़ संख्याएँ नहीं, बल्कि टूटे परिवारों की अनसुनी पुकार हैं। 6 जुलाई का दिन इतिहास की एक ऐसी गूँज है, जो साहस और विज्ञान की विजय को गाती है। सन 1885 में, लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके से एक मासूम बच्चे की जान बचाकर मानवता को एक नई उम्मीद दी। यह वह पल था, जब एक प्राणघातक रोग, जो एक बार पकड़ में आने पर 100त्न मृत्यु की सजा सुनाता है, पहली बार मानव के साहस के सामने घुटने टेका। रेबीज आज भी उन कोनों में कहर ढाता है, जहाँ जागरूकता की रोशनी मंद है और टीकाकरण का अभाव है। पाश्चर की यह जीत सिर्फ़ एक वैज्ञानिक मील का पत्थर नहीं, बल्कि एक ज्वलंत संदेश है–विज्ञान, दृढ़ता और सामूहिक संकल्प से कोई भी अदृश्य दुश्मन अजेय नहीं।

आज की यह लड़ाई पहले से कहीं अधिक जटिल और गहन है। भारत, जहाँ पशुपालन न केवल आजीविका का आधार है, बल्कि संस्कृति का हिस्सा है, वहाँ जूनोटिक रोग एक निस्तब्ध, अदृश्य खतरा बनकर मँडराते हैं। ब्रुसेलोसिस, जो संक्रमित पशुओं के दूध या निकट संपर्क से फैलता है, ग्रामीण भारत में हज़ारों लोगों को लंबे बुखार और अंतहीन थकान की जकड़ में ले रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चेतावनी गूँजती है–लेप्टोस्पायरोसिस और स्क्रब टाइफस जैसे रोग हर साल लाखों जिंदगियों को अपनी चपेट में लेते हैं। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओआइई) का खुलासा और भी डरावना है–पशुजन्य रोगों से भारत को हर साल अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन यह सिर्फ़ संख्याओं की कहानी नहीं; यह उन माँओं की पुकार है, जो अपने बच्चों को खो देती हैं; उन किसानों का दर्द है, जिनकी मेहनत की कमाई रोग की भेंट चढ़ जाती है। हमारी अपनी करतूतों ने इस संकट को जन्म दिया है–वनों की बेरहम कटाई, अनियंत्रित शहरीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने मनुष्य और जंगली जीवों के बीच की नाजुक रेखा को मिटा दिया है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की चेतावनी चौंकाने वाली है–पिछले कुछ दशकों में वन्यजीवों के आवास 70त्न तक सिकुड़ चुके हैं, जिसने नए वायरस और बैक्टीरिया को मानवता के दरवाज़े तक ला खड़ा किया है। कोविड-19 इसका सबसे भयावह प्रमाण है–एक ऐसी त्रासदी, जिसने न केवल लाखों जिंदगियाँ छीनीं, बल्कि पूरी दुनिया को घुटनों पर लाकर समय को जैसे स्थिर कर दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान डरावना है–इस महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों डॉलर का नुकसान पहुँचाया। यह प्रकृति का कठोर संदेश है- उसके साथ छेड़छाड़ की सजा सिर्फ़ एक नहीं, पूरी मानवता भुगतती है।

"वन हेल्थ" दृष्टिकोण इस संकट के खिलाफ हमारा सबसे शक्तिशाली हथियार है। यह सिद्धांत चीख-चीखकर कहता है कि मनुष्य, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य एक अटूट बंधन में बंधा है–एक की रक्षा, सबकी रक्षा। यदि हम पशुओं को स्वस्थ रखें, प्रकृति को सहेजें, तो मानवता का कवच अपने आप मज़बूत होगा। भारत सरकार ने इस दिशा में साहसिक कदम उठाए हैं–'राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम' के तहत फुट-एंड-माउथ डिज़ीज़ और ब्रुसेलोसिस जैसे रोगों के खिलाफ व्यापक टीकाकरण अभियान गूँज रहा है। साथ ही, 'राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम' का संकल्प है कि 2030 तक भारत रेबीज के भय से मुक्त होगा। मगर यह सपना तभी साकार होगा, जब समाज का हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाए। हमें स्वच्छता को जीवन का मंत्र बनाना होगा, पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करना होगा, और दूषित मांस या दूध से दूरी बनानी होगी। विश्व जूनोसिस दिवस केवल एक तारीख़ नहीं, बल्कि एक ज़ोरदार आह्वान है–एक ऐसी सामाजिक क्रांति का, जो अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की दीवारों को तोड़कर हर गली, हर गाँव तक गूँजनी चाहिए।

यह हमें पुकारता है कि हम अपने बच्चों को स्कूलों में पर्यावरण और पशु स्वास्थ्य की रक्षा का पाठ पढ़ाएँ, उनकी चेतना को जागृत करें। मीडिया को डर की लहरें फैलाने के बजाय समाधान की रोशनी बिखेरनी होगी, जागरूकता के दीप जलाने होंगे। गाँव की पंचायतों से लेकर शहर की नगरपालिकाओं तक, हर स्तर पर एकजुट और संगठित प्रयास अब अनिवार्य हैं। सोचिए, एक छोटा सा गाँव भी अगली वैश्विक महामारी की चिंगारी बन सकता है! जूनोटिक रोग न सीमाओं को मानते हैं, न जाति-वर्ग का भेद करते हैं। यह ऐसी आग है, जो एक चिंगारी से भड़ककर सारी दुनिया को राख कर सकती है।

विश्व जूनोसिस दिवस हमें हमारी नाजुकता का कठोर दर्पण दिखाता है। हमारी सभ्यता भले ही कितने ही ऊँचे शिखर छू ले, पर यदि हमने प्रकृति और पशुओं के साथ अपने बंधन को नहीं संवारा, तो हमारा सारा गर्व पल में राख हो जाएगा। यह दिवस कोई औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक गूँजता हुआ आह्वान है–करुणा, जिम्मेदारी और साहस की राह पर चलने की प्रेरणा। यह हमें सिखाता है कि हमारी असली ताक़त हमारी एकजुटता में, हमारे विज्ञान की प्रगति में, और हमारी जागरूकता की ज्वाला में छिपी है। यह वह निर्णायक क्षण है, जब हमें चुनना है–क्या हम अपने बच्चों को एक ऐसी दुनिया सौंपना चाहते हैं, जहाँ हर सुबह डर की छाया के साथ आए, या एक ऐसी दुनिया, जो स्वस्थ, सुरक्षित और सामंजस्य से भरी हो? विश्व जूनोसिस दिवस एक ऐतिहासिक चौराहा है–या तो हम आज सजग होकर अपने भविष्य को बचा लें, या अपनी लापरवाही की सजा अगली महामारी के रूप में भुगतें। यह वह घड़ी है, जब हमें विज्ञान की ताकत को अपनाना है, प्रकृति के प्रति श्रद्धा जागृत करनी है, और अपने समाज को एकता के सूत्र में बाँधना है। यह वह पल है, जब हमारा एक छोटा सा प्रयास, एक नन्हा कदम, मानवता की सबसे गौरवशाली विजय बन सकता है। इस 6 जुलाई को हम प्रण करें–हम न केवल अपने लिए, बल्कि इस धरती के हर प्राणी के लिए एक ऐसी दुनिया रचेंगे, जहाँ हर साँस जीवन की खुशबू बिखेरे, हर कदम उम्मीद की राह पर बढ़े। यह हमारा संकल्प हो–उस माँ धरती के लिए, जो हमें सींच रही है। यह हमारी हुंकार हो–एक स्वस्थ, एकजुट, और अडिग मानवता की हुंकार।

प्रो. आरके जैन

सावधान..खतरे में है आपका बच्चा

मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा ने लोगों की जिंदगी के तमाम काम आसान कर दिए हैं..ये इंटरनेट और मोबाइल आज हर घर की ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति की सबसे जरूरी जरूरत बन चुके हैं। मोबाइल से जहां एक तरफ आपके तमाम काम हो रहे हैं वहीं इंटरनेट के साथ मिलकर मोबाइल मनोरंजन का एक शानदार साधन भी बन चुका है.. लेकिन सावधान..! ये मोबाइल और इंटरनेट आपके लिए जितना फायदेमंद है, आपके बच्चों के लिए उतना ही घातक और जानलेवा भी साबित हो सकता है.. अमूमन बच्चों को लोग कई बार अपनी सुविधानुसार मोबाइल दे देते हैं तो कई बार माताएं घर का काम करते वक्त बच्चे को बिजी रखने के लिए मोबाइल पकड़ा देती हैं और इस चक्कर में बच्चों को धीरे धीरे मोबाइल की बुरी लत लग जाती है और ये कहानी किसी एक घर या परिवार की नहीं बल्कि लगभग हर उस घर की बन चुकी है जहां छोटे छोटे बच्चे हैं। मोबाइल फोन की लत आपके बच्चों के लिए कितनी खतरनाक है..इसका खुलासा JLNMCH ने

अपनी एक रिपोर्ट में किया, जो उन सभी पैरेंट्स के लिए परेशानी का सबब है जो अपने बच्चों को बिना सोचे समझे मोबाइल पकड़ा देते हैं। मोबाइल फोन की ये लत मासूम बच्चों का बचपन छीन कर उनके मानसिक विकास को प्रभावित करने के साथ ही उनके व्यक्तित्व के विकास पर भी गहरा और नकारात्मक असर डाल रही है। शायद आपको अजीब लगे लेकिन, स्थिति ये है कि अब बच्चों को खाना खाते समय माँ का हाथ नहीं बल्कि मोबाइल में रिल्स या कार्टून देखना थोड़ा ज्यादा भा रहा है। बच्चे माँ के साथ लाड़ प्यार से ज्यादा अपना पसंदीदा कार्टून देखना पसंद कर रहे हैं।

स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से आपके बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं..अगर चौकानें वाले एक आंकड़े की मानें तो 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में भी स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बढ़ोत्तरी देखी गई है। बच्चे मोबाइल स्क्रीन को आंखों के बहुत नजदीक ले आते हैं, जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है.. दूसरी तरफ मनोविशेषज्ञों के पास आ रहे केसों में तमाम केस ऐसे भी आ रहे हैं जिनमें बच्चे अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं, जिसके कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। इसके साथ ही गेम बहुत ज्यादा खेलने वाले बच्चों के व्यवहार में सामान्य बच्चों की अपेक्षा अधिक आक्रामकता देखी जा रही है, बात बात पर चिड़चिड़ापन, जल्दी गुस्सा हो जाना, मोबाइल न मिलने पर गुमशुम रहना जैसी आदतों में इजाफा बच्चों के मानसिक ही नहीं बल्कि उनके सामाजिक विकास में भी खतरा बन सकता है। माता-पिता एक राय रखें। यदि मोबाइल या किसी और चीज़ के लिए मां ने मना किया है तो पिता भी मना करें, नहीं तो बच्चे यह जान जाते हैं कि किससे परमिशन मिल सकती है और फिर वो उसी से जिद करते हैं..

कैसे बचाएं बच्चों को मोबाईल के खतरे से..

मोबाईल पाने के लिए बच्चे कई बार इमोशनल ड्रामा करते हैं, बच्चों का इमोशनल ड्रामा सहन न करें।, हर बार मोबाईल मांगने पर न दें। एक दिन 'न' और दूसरे दिन 'हां' न कहें। बच्चा रोने लगे तो ध्यान न दें। कोशिश करें कि बाद में प्यार से समझाएं।, बच्चे के साथ माता पिता, साथ में क्वालिटी टाइम जरूर बितायें।, मोबाइल के लिए एक समय निर्धारित करें साथ ही इंटरनेट पर मौजूद ज्ञानवर्धक चीजों को बच्चे के साथ देखें।ध्यान रखिये..बच्चे आपके हैं तो उनके मानसिक विकास से लेकर उनके भविष्य तक कि चिंता भी आपको ही करनी है न कि मोबाइल कंपनियों को..!

हंसराज चौरसिया

आरएसएस की पसंद का होगा नड्डा का उत्तराधिकारी

यह दिलचस्प है कि पिछले दो हफ्तों में नियुक्त किए गए सभी नौ नए भाजपा प्रमुख आरएसएस के कम प्रोफ़ाइल वाले कार्यकर्ता हैं। ऐसा लगता है कि हाईफाई नेताओं के बजाय धरातल पर काम करने वाले संघ के कार्यकर्ताओं को कमान देकर यह संदेश दिया गया है कि पार्टी के लिये काम करने वालों को संगठन में उचित सम्मान मिलेगा। जे.पी. नड्डा के उत्तराधिकारी के रूप में नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति में भी किसी ऐसे ही व्यक्ति को कमान दी जा सकती है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखता हो। चुनाव प्रक्रिया में समर्पित कार्यकर्ताओं को तरजीह देकर आरएसएस ने दिखाया है कि पार्टी और संगठन के लिये काम करने वालों का ध्यान रखा जाएगा।

संघ के समर्पित कार्यकर्ताओं में से ही राज्यों में भाजपा की कमान संभाली, जिसमें चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल भी शामिल है। भाजपा के हलकों में इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि आरएसएस नए पार्टी अध्यक्ष को लेकर मंथन कर रही है और भाजपा अध्यक्ष को लेकर संघ की राय अहम होगी। नड्डा का कार्यकाल दिसंबर 2023 में समाप्त हो गया था लेकिन भाजपा अभी तक उनके उत्तराधिकारी का चयन नहीं कर पाई है। इस बार कोई चौंकाने वाला नाम सामने आ सकता है।

ट्रंप के रवैये को लेकर सतर्कता बरत रही मोदी सरकार

मोदी सरकार ट्रम्प प्रशासन के साथ अपने व्यवहार में सावधानी बरतना सीख रही है। ऐसा तब हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष विराम की मध्यस्थता की थी। हाल ही में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद रक्षा मंत्रालय द्वारा राजनाथ सिंह की हेगसेथ के साथ अपनी बातचीत में तथ्यों का खास ध्यान रखा गया। इसीलिए इस बातचीत से जुड़ी रिपोर्ट में पाकिस्तान या पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं था। इसमें आतंकवाद का व्यापक संदर्भ था, लेकिन किसी देश का नाम नहीं था। जाहिर है, रक्षा मंत्रालय सोच-समझ कर आगे बढ़ रहा है। इस संदर्भ में बस इतना कहा गया कि राजनाथ सिंह और हेगसेथ ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने की आवश्यकता की पुष्टि की है। यह तथ्य उस समय उभर कर सामने आया जब खबर आई कि वाशिंगटन में क्वाड मीटिंग में आतंकवाद और हाल ही में पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में पाकिस्तान का उल्लेख करने से परहेज किया गया था। क्वाड के संयुक्त बयान में आतंकवाद की निंदा की गई, लेकिन इस संदर्भ में पाकिस्तान या किसी अन्य देश का जिक्र नहीं किया गया। इन दिनों अमेरिका के साथ व्यवहार करते समय सावधानी बरतना नया मंत्र है। ट्रंप प्रशासन स्थापित कूटनीतिक नियमों के अनुसार चलने से इनकार करता है।

आदिवासियों के लिये शिवराज चौहान अपनी सरकार के सामने अड़े

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भले ही शारीरिक रूप से दिल्ली में हों, लेकिन उनका दिल और दिमाग अभी भी मध्य प्रदेश में है, जहां वे तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहे। हालांकि उनके सहयोगी इस बात से इनकार करते हैं कि वे राज्य में शासन के मुद्दों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, लेकिन चौहान जमीनी स्तर पर अपनी बात रखते हैं और अपने पास आने वाले लोगों की मदद करने के लिए आगे आते हैं। उनकी सबसे हालिया सक्रियता सीहोर और देवास जिलों में विरोध प्रदर्शन कर रहे आदिवासियों का समर्थन करना था, जब उनके घरों को प्रस्तावित सरदार वल्लभभाई वन्य जीव अभयारण्य बनाने के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की नाराजगी के बावजूद, चौहान प्रदर्शनकारियों के साथ उनसे मिलने भी गए। आदिवासियों के साथ चौहान की मुलाकात के बाद मोहन यादव ने अपने अधिकारियों को अभयारण्य की योजना को रोकने का आदेश दिया। चौहान को मध्य प्रदेश में मामा के नाम से जाना जाता था। जाहिर है, वे राज्य के लोगों के लिए बहुत प्यारे मामा हैं।

संपादकीय

आस्था, हादसा और 'माया'

इस देश में सबसे आसान पेशों में से एक है जीवित भगवान बनना। भारत में इस समय हजारों जीवित भगवान हैं। जिनमें से अनेक काफी लोकप्रिय और विवादास्पद भी हैं। हिन्दू धर्म को सबसे पुराना धर्म माना जाता है जिसकी जड़ें लगभग 5 हजार साल पहले से हैं। संतों की पूजा का इतिहास भक्ति आंदोलन के दौरान शुरू हुआ था। संत कबीर, संत रामानंद, चैतन्य महाप्रभु और कई अन्य ऐसी कुछ उल्लेखनीय आत्माओं को लोगों ने देखा और उनकी शिक्षाओं ने लोगों के जीवन को एक अर्थ दिया। अनेक संतों ने आम लोगों के साथ रहकर दूसरों की ही तरह दर्द महसूस किया और मानवता की भलाई के लिए बहुत काम किया। अनेक संत ऐसे भी हुए जिन्होंने भक्ति के साथ-साथ समाज सुधारों का भी काम किया। संत शब्द से तात्पर्य बोध कराने वाले से है। अर्थात् ऐसे महापुरुष जो सत् यानि ब्रह्म जीव एवं माया का बोध कराएं वह ही असली संत हैं। वर्तमान में सच्चा गुरु या सच्चा संत मिलना बहुत मुश्किल है।

आज भारत के कोने-कोने में बाबा लोग बैठे हैं। आज के दौर में बाबा बनना सबसे बड़ा स्टार्टअप हो गया है। उनमें से केवल मुट्ठीभर ही लोगों की मदद करने की इच्छा रखते हैं। संतों के सामने झुकना भारतीय संस्कृति है। बाबा को बस इतना करना है कि लोगों को बताना है कि सब ठीक हो जाएगा। जब किसी का काम किसी और कारण?से पूरा हो जाता है तो वह बाबा को श्रेय देने लगता है। धीरे-धीरे बाबा की ख्याति उनके संचार कौशल के आधार पर दूर-दूर तक फैल जाती है। आज कल पर्ची वाले बाबा के नाम से मशहूर बागेश्वर धाम के बाबा पंडित धीरेन्द्र शास्त्री चर्चा में बने हुए हैं। ताली बजाते चुटीले अंदाज, पर्चे पर भक्तों के सवाल, चमत्कार सनातन धर्म और हिन्दुत्व की बातें, सत्ता में बैठे लोगों का संरक्षण, अजीव व्यवहार, विवादित बयान, जमीन पर कब्जे के आरोप, इन सबके बीच बाबा की लोकप्रियता टॉप पर जा पहुंची है। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम में बुधवार को उनके जन्मदिन कार्यक्रम के एक दिन पहले उनके दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालुओं पर बारिश और आंधी के बीच पंडाल गिर जाने से एक श्रद्धालु श्याम लाल की मृत्यु हो गई और 10 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए।

सोशल मीडिया पर आज कुछ टिप्पणियां देखने को मिलीं। लोग कह रहे हैं कि काश बाबा ने मृतक श्रद्धालु की पर्ची निकालकर पहले ही उसका भविष्य जान लिया होता तो शायद वह हादसे से बच जाता। बाबा लोगों की पर्ची निकालकर उनके बारे में भविष्य बताने का दावा करते हैं। मैं संत पुरुषों के तप, सिद्धियों और आध्यात्मिक ज्ञान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। एक कहावत है 'आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास' इसका अर्थ है ईश्वर का भजन करने आए?थे सांसारिक मोहमाया और आनंद का मजा लेने लगे। पंडित धीरेन्द्र किशन के लाइफ स्टाइल को देखकर हैरानी होती है। बाबा की विदेश यात्राओं के दौरान चमचमाती बेशकीमती गाड़ियां, महंगे परिधान और चश्मे देखकर संदेह उत्पन्न होता है कि क्या वह संत पुरुष हैं? सवाल श्रद्धालुओं की आस्था का है और सवाल हादसे पर भी उठ रहे हैं।

हाल ही में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उन पर अंडर टेबल पैसे लेने का आरोप लगाया। जिसकी काफी चर्चा हो रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाबाओं से कथा कराना आम आदमी के बस की बात नहीं है। इन कथाओं पर लाखों रुपए का खर्च आता है। धीरेन्द्र शास्त्री विवादित बयानों के चलते भी अखबारों में छाये रहते हैं। अब सवाल यह है कि भारत में लोग मनुष्य को भगवान क्यों मानने लग जाते हैं। आश्चर्य तब होता है जब अनेक बाबा हत्या और बलात्कार के आरोप में सजा भुगत रहे हैं। एक बाबा तो लाल चटनी हरी चटनी लोगों को खिलाकर धन ऐंठते रहे। कुछ सैक्स स्कैंडलों में पकड़े गए। हाथरस में एक बाबा की चरण?धूलि लेने के लिए 125 के लगभग श्रद्धालु भगदड़ में मारे गए। फिर भी अंध आस्था के चलते धर्मभीरू लोग इंसान को अद्भुत और आलौकिक बना रहे हैं। हालांकि ऐसे फर्जी गुरुओं और बाबाओं के हत्या, बलात्कार, कर चोरी और धोखाधड़ी जैसे अपराधों में शामिल होने की खबरें सामने आती रहती हैं। फिर भी भारत में इन बाबाओं के प्रति आस्था का जुनून जारी है। ''भारत में ऐसे बाबाओं की कोई कमी नहीं है जिन्हें अलग-अलग नामों से बाबा, गुरु, संत या स्वामी कहा जाता है, जो खुद को भगवान के साथ विश्वासियों के रूप में पेश?करते हैं। वे भगवान से सीधे संवाद करने का दावा करते हैं और भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की शक्ति रखते हैं। सच्चाई यह है कि वे ठग हैं।

भारतीय इन स्वयंभू बाबाओं के पास इसलिए आते हैं क्योंकि उनका मानना है कि मुख्यधारा की राजनीति और धर्म ने उन्हें निराश किया है। इसलिए जब उनके दुःखों को दूर करने के लिए कोई राजनेता या पुजारी नहीं होता तो वे मदद के लिए गुरुओं, बाबाओं, पादरियों और मौलवियों की ओर रुख करते हैं। कई मायनों में हाल ही में भोले बाबा जैसे बाबाओं का उदय हमें इस बारे में कुछ बताता है कि कैसे पारम्परिक राजनीति और धर्म बड़ी संख्या में लोगों को निराश कर रहे हैं। इसलिए ये लोग अनुयायी बन जाते हैं और कुछ सम्मान और गुणवत्ता की तलाश में अपरम्परागत धर्म की ओर रुख करते हैं। लोकतांत्रिक आधुनिक दुनिया के कई हिस्सों में ऐसे समूह उभरे हैं। भारत एक बहुजातीय और बहुधार्मिक देश है और यहां के लोग भगवान के प्रति आस्थावान आसानी से हो जाते हैं। आज के दौर में सच्चे संत की पहचान करना बहुत मुश्किल है। धर्म के नाम पर केवल धंधा चल रहा है और इन बाबाओं की चमत्कारी शक्तियों पर विश्वास करना अपरिपक्वता है। ऐसे में मनुष्य को विचारवान बनना ही होगा।

अनुच्छेद 142 जब न्याय स्वयं संविधान का आखिरी संकल्प बन जाए

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसकी आधारशिला केवल विधिक प्रावधानों पर नहीं टिकी, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक संवेदनाओं और न्याय की सार्वभौमिक अवधारणा पर आधारित है। संविधान के इन्हीं स्तंभों में एक स्तंभ ऐसा है, जो न केवल न्यायपालिका को विधि के सामान्य ढाँचे से परे जाकर निर्णय देने का अधिकार देता है, बल्कि यह भरोसा भी जगाता है कि जब सारे दरवाज़े बंद हो जाएँ, तब भी न्याय का एक रास्ता बचा रहेगा। यह शक्ति है अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय की वह संवैधानिक धुरी, जो पूर्ण न्याय के विचार को व्यावहारिक और सशक्त बनाती है अनुच्छेद 142 यह घोषित करता है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए किसी वाद में ऐसा आदेश या डिक्री पारित कर सकता है, जो उसके समक्ष लंबित मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो। इस प्रकार पारित आदेश भारत के संपूर्ण क्षेत्र में लागू होते हैं, और वे तब तक लागू रहते हैं जब तक कि संसद द्वारा कोई अलग विधिक व्यवस्था न की जाए।

यही नहीं, इस अनुच्छेद के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट को यह भी शक्ति प्राप्त है कि वह किसी व्यक्ति को तलब कर सके, दस्तावेज़ों की पेशी सुनिश्चित करा सके या अवमानना के मामलों में दंड भी दे सके। यह अनुच्छेद भारतीय न्याय व्यवस्था की उस समझ को प्रतिबिंबित करता है जो यह स्वीकार करता है कि न्याय का मार्ग सदा सीधा, सरल और पहले से निर्धारित नहीं होता। संविधान निर्माताओं को भलीभाँति ज्ञात था कि आने वाले समय में भारत जैसे विविधतापूर्ण और जटिल समाज में कई बार ऐसे सामाजिक, नैतिक और कानूनी प्रश्न उठ खड़े होंगे जिनका उत्तर पूर्वनिर्धारित विधियों से संभव नहीं होगा। इसलिए अनुच्छेद 142 को एक संवैधानिक सेफ्टी वाल्व के रूप में स्थापित किया गया। जहाँ न्यायालय विधि से बाहर जाकर भी न्याय कर सके, बशर्ते वह न्याय पूर्ण हो, नैतिक हो और संविधान की आत्मा से मेल खाता हो। इतिहास इस बात का साक्षी है कि सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 का प्रयोग अत्यंत विवेक और ज़िम्मेदारी से किया है। जब 1984 की भोपाल गैस त्रासदी हुई और देश की विधिक संरचना उस भयावह आपदा के लिए तैयार नहीं थी, तब सर्वोच्च न्यायालय ने इसी अनुच्छेद का सहारा लेकर यूनियन कार्बाइड से समझौता कराया और पीड़ितों को मुआवज़ा दिलवाया। जब बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद दशकों से राजनीतिक और धार्मिक जटिलताओं में उलझा हुआ था, तब सर्वोच्च न्यायालय ने अंतिम समाधान देते हुए अनुच्छेद 142 के अंतर्गत वह रास्ता प्रशस्त किया जिससे सामाजिक शांति कायम रखी जा सके। यह अनुच्छेद केवल न्याय की पुनर्स्थापना का माध्यम नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता का संरक्षण भी है। आज जब न्यायपालिका के समक्ष पर्यावरणीय संकट, मानवाधिकारों का उल्लंघन, जातीय हिंसा, विधिक जटिलताएँ और प्रशासनिक निष्क्रियता जैसे अनेक प्रश्न आ खड़े होते हैं, तब अनुच्छेद 142 वह शक्ति बनकर उभरता है जो न्याय को गतिशीलता और प्रभावशीलता प्रदान करता है।

वर्तमान समय में इस अनुच्छेद की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। तकनीक के युग में जब न्यायपालिका को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल सबूत, ऑनलाइन सुनवाई और साइबर अपराध जैसे नए मोर्चों से जूझना पड़ रहा है, तब सर्वोच्च न्यायालय ने इस अनुच्छेद के माध्यम से न्यायिक प्रक्रियाओं में आधुनिकता और लचीलापन लाने का कार्य किया है। अदालतों को निर्देशित किया गया कि वे तकनीकी ढाँचा विकसित करें, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को विधिक मान्यता दें और ऐसे लोगों के लिए भी न्याय की पहुँच सुनिश्चित करें जिनके पास साधन नहीं हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि अनुच्छेद 142 न केवल निर्णय का माध्यम है, बल्कि न्याय की प्रणाली को सशक्त और समावेशी बनाने का औजार भी है। इस अनुच्छेद को लेकर एक गूढ़ चिंतन यह भी रहा है कि क्या इससे न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका से ऊपर मान लिया जाए। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं स्पष्ट किया है कि अनुच्छेद 142 का प्रयोग मौजूदा क़ानूनों को प्रतिस्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि उनके अभाव या अपर्याप्तता की स्थिति में विकल्प के रूप में किया जा सकता है। यह अधिकार असीम अवश्य है, लेकिन मनमाना नहीं। इसका उपयोग संयम और विवेक के साथ किया गया है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उपराष्ट्रपति द्वारा इसे न्यूक्लियर मिसाइल कहे जाने का आशय यह है कि यह अंतिम उपाय की शक्ति है वह संवैधानिक अस्त्र जिसे केवल असाधारण परिस्थितियों में सक्रिय किया जाता है। यह विध्वंस के लिए नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना और संविधान की रक्षा के लिए है। यह उस गहरी सोच का परिणाम है जिसमें न्याय केवल व्यवस्था बनाए रखने का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नैतिक उन्नयन का माध्यम भी होता है। अनुच्छेद 142 हमें यह भी सिखाता है कि संविधान केवल नियमों का संकलन नहीं, एक जीवंत संकल्प है जो समय के साथ विकसित होता है, समाज के अनुरूप ढलता है और न्याय की संकल्पना को नए आयाम देता है। यह अनुच्छेद एक पुल की तरह कार्य करता है विधि और विवेक, संविधान और सामाजिक न्याय, प्रक्रिया और परिणाम के बीच संतुलन स्थापित करते हुए।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का परिचायक है कि एक तरफ विधायिका कानून बनाती है, दूसरी ओर कार्यपालिका उन्हें लागू करती है, और जब ये दोनों किसी स्थिति को संभालने में असमर्थ हो जाते हैं, तब न्यायपालिका अपने संवैधानिक अधिकारों के साथ आगे आती है न किसी सत्ता की लालसा से, न किसी हस्तक्षेप की प्रवृत्ति से, बल्कि केवल इसलिए कि न्याय होना चाहिए और होता हुआ दिखना भी चाहिए। इसलिए अनुच्छेद 142 केवल एक अनुच्छेद नहीं, संविधान का वह संकल्प है जहाँ न्याय अंतिम सत्य बनकर उभरता है। यह न्यायपालिका के विवेक, राष्ट्र की आत्मा और संविधान के आदर्शों का संगम है और यही इसकी महानता है।

सोनाली भट्टाचार्य
अधिवक्ता, झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

14 सूत्रीय मांगो को ले 205वें दिन धरना जारी

देवरिया। बैतालपुर चीनी मिल चलाने हेतु चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति और संयुक्त महा मोर्चा के तत्वाधान में 14 सूत्री मांगों के लिए , कलेक्ट्रेट परिसर में चलाया जा रहा किसानों का धरना 205 वें दिन भी जारी रहा। धरना सभा में अध्यक्ष बृजेंद्र मणि त्रिपाठी के अध्यक्षता में नव लोकतंत्र रक्षक सेनानियों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मत से से प्रस्ताव पास हुआ की 10 वर्षों से विभिन्न मुद्दों पर लड़ाई लड़ रहे साथियों को लोकतंत्र रक्षक सेनानी घोषित किया जा रहा है। धरने पर उपेंद्र सिंह, राम बौद्ध ,गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, राजू कुमार राव, अजय कुमार, राजेश कुमार, गणेश तिवारी, नईम खान, मंजू चौहान, उग्रसेन सिंह कन्हैया तिवारी, मनोज मनी, प्रभुनाथ पासवान, रामलाल गुप्ता, राजू चौहान, संजीव शुक्ला, विकास दूबे, राम प्रकाश सिंह, चौथी प्रसाद, कोमल यादव, मोहम्मद अनीस अंसारी, किस प्रताप सिंह, अरुण लाल, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

मानक विहीन मिला पनीर , प्रयोगशाला भेजे गए नमूने

देवरिया । मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव मिश्र के नेतृत्व में गठित विशेष सचल दल ने कसया ढाला, नगरपालिका क्षेत्र देवरिया स्थित एक पनीर विनिर्माण इकाई का निरीक्षण किया, जहां से पनीर तथा पनीर निर्माण में प्रयुक्त हो रहे दूध के एक-एक नमूने संग्रहित किए गए। बैतालपुर बाजार स्थित एक विक्रय प्रतिष्ठान पर विक्रय किए जा रहे पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर उसका भी एक नमूना संग्रहित किया गया। सभी संग्रहित नमूनों को परीक्षण हेतु राजकीय खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। विशेष प्रवर्तन टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीराम यादव, राजू पाल एवं नेहा त्रिपाठी सम्मिलित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस पर राजस्व संबंधी शिकायतों का लगा अंबार

कुल 61 शिकायती पत्र आये 6 का मौके पर निस्तारण किया गया, समय सीमा के अन्दर मौके पर जाक कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करे उपजिला अधिकारी खजनी

खजनी गोरखपुर – उपजिलाधिकारी खजनी राजेश प्रताप सिंह क्षेत्राधिकार खजनी उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में खजनी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। यहां सबसे अधिक राजस्व संबंधी शिकायतें देखने को मिली। फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कल 61 शिकायती पत्र आए जिसमें 6 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया खजनी तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी खजनी ने राजस्व विभाग एवं सभी तहसील स्तरिय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि, सार्वजनिक रास्ते पर किसी भी प्रकार का कब्जा नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक शिकायत का सही निस्तारण के निर्देश दिए। गलत निस्तारण पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी तहसीलदार खजनी व नायाब तहसीलदार सभी तहसील स्तरित अधिकारी राजस्व निरीक्षक लेखपाल उपस्थित रहे।

महिला उत्पीड़न को लेकर जनसुनवाई 7 को

देवरिया। जिला परिवीक्षा अधिकारी अनिल कुमार सोनकर ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही 7 जुलाई सोमवार को 10 बजे से जनपद में महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु महिला जनसुनवाई करेंगी। कार्यक्रम वी.वी.आई.पी. गेस्ट हाउस, निरीक्षण भवन स्थित मीटिंग हॉल में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर वह जनपद में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्राप्त शिकायतों की सुनवाई करेंगी तथा त्वरित कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित है।

ख़जनी में महिला पर ईट से हमला करने वाले को खजनी पुलिस ने 6 घंटे मे किया गिरफ्तार

●अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे थाना अध्यक्ष खजनी अनूप सिंह

स्वतंत्र प्रभात

खजनी– थाना क्षेत्र में एक महिला पर ईट से हमला कर फरार होने वाले आरोपी को पुलिस ने 6 घंटे मे गिरफ्तार किया पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर राजकरण नययर के निर्देश पर अपराअधियों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियां के तहत की गई खजनी थाना क्षेत्र में एक सनसनी खेज घटना में एक महिला पर ईट से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पहचान सचिन जायसवाल पुत्र प्रेम जैसवाल निवासी हरनही थाना बांसगांव के रूप में हुई पुलिस ने शुक्रवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और उसे जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी पुलिस सूत्रों के अनुसार पीडित महिला अपने ससुराल से मायके की ओर लौट रही थी रास्ते में पहले से परिचित आरोपी सचिन जायसवाल ने उसे रोक लिया और जबरन बातचीत करने का दबाव डाला महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने गुस्से में जाकर उसके सीर पर ईट से मारकर अधमरा कर दिया इस हमले में सोनम लहू लहान होकर जमीन पर गिर पड़ी वहीं घटना करने के बाद आरोपी फरार हो गया दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद खजनी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की तथा घायल महिला को अस्पताल भेजा तथा कुछ घंटे में ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से महिला की जान वच गई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन पर अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चल रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी खजनी अनूप सिह के नेतृत्व में निरीक्षक ओमप्रकाश बिंद और उनकी टीम ने इस मामले में तत्परता दिखाई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 239/2025 धारा 109 भा0 न्या0 सं0के तहत दर्ज किया और विधि कार्रवाई शुरू कर दी जानकारी के अनुसार पीड़ित की हालत स्थिर है घायल ज्योति को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई पुलिस के अनुसार उसका इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है पुलिस इस मामले में जांच कर रही है ताकि घटना के सभी पहलुओं पर पता लगाया जा सके खजनी पुलिस की सक्रियता और अपराध नियंत्रण के प्रतिबद्धता को दर्शाती है स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यवाही की सराहना की है पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

रेणुकूट क्षेत्र में कोई हादसा होने पर दिन और रात में निकलते हैं डब्लू सिंह शहंशाह

●रेणुकूट में भीषण सड़क हादसा राखड़ डंपर और कंटेनर की टक्कर, चालक गंभीर घायल, शहंशाह डब्लू सिंह ने की मदद

स्वतंत्र प्रभात

रेणुकूट, उत्तर प्रदेश। सोनभद्र जिले के रेणुकूट में खाड़ पाथर धौकी नाला रोड पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें एक राखड़ से भरे डंपर और एक कंटेनर की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कंटेनर चालक बंटी पाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि राखड़ डंपर का चालक मौके से फरार हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर चालक बंटी पाल का दाहिना पैर टूट गया और उनके चेहरे पर भी कई गंभीर चोटें आई।दुर्घटना की जानकारी तुरंत टीम निशा बबलू सिंह के सदस्य प्रेमचंद यादव ने दी। उन्होंने बताया कि धौकी नाला रोड पर एक बड़ा एक्सीडेंट हुआ है और तत्काल मदद की जरूरत है। सूचना मिलते ही, टीम निशा बबलू सिंह के सदस्य बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायल कंटेनर चालक को तुरंत हिंडालको अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया।इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन को भी सूचित कर दिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है। इस दुर्घटना में टीम निशा बबलू सिंह ने एक बार फिर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया और जनसेवा की भावना का परिचय दिया है। टीम के सदस्य दिन-रात, मौसम की परवाह किए बिना, मुसीबत में फंसे लोगों की मदद करने को अपना पहला कर्तव्य मानते हैं। उनके इस निस्वार्थ सेवा भाव की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की है। आपको बता दें कि सोनभद्र के रेणुकूट क्षेत्र में, जहां यह घटना हुई, वहां गरीबों और जरूरतमंदों के लिए डब्लू सिंह को किसी शहंशाह से कम नहीं माना जाता। कहा जाता है कि जैसे ही उन्हें किसी मुसीबत में फंसे व्यक्ति की खबर मिलती है, वह तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़ते हैं। यह ऐसा है, जैसे भक्त की पुकार पर भगवान स्वयं उसकी सहायता के लिए चले आते हैं। डब्लू सिंह और उनकी टीम का यह जज्बा और समर्पण वाकई काबिले तारीफ है।यह घटना रेणुकूट में सड़क सुरक्षा की स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ाती है।

बारिश के मौसम को देखते हुए बिजली विभाग अलर्ट

स्वतंत्र प्रभात

बरसात के मौसम को देखते हुए बिजली विभाग के कर्मचारी भी अपनी कमर कस चुके है । गांवों से लेकर शहर कस्बों में लूज पड़े विद्युत तारों को विद्युत कर्मी ठीक कर रहे हैं । क्यों की बारिश शुरू होते ही फाल्ट की समस्याएं पैदा हो जाती है । हर रोज कहीं ना कहीं से फाल्ट की शिकायत आने लगती है । इस मौसम में सबसे बड़ा खतरा तब बढ़ जाता है , जब हाईटेंशन तार फाल्ट के वजह से नीचे लटकते लगते हैं । विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने बताया की इस समय पुरे जनपद में अभियान चलाया जा रहा है । जिस जिस ट्रांसफार्मर पर जंगली घांस-फूस बैठा हुआ है वहां पर सफाई कराया जा रहा है । ताकि उपभोक्ताओं को बारिश के समय सप्लाई की समस्या से छुटकारा मिल सके हर जगह पेड़ों के पत्तों को साफ किया जा रहा है । ताकि हाईटेंशन लाइन शार्ट ना करें ।

गोला तहसील सभागार में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

●कुल आए 80 मामलों में छह का हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार गोरखपुर । गोला तहसील सभागार में शनिवार को शासन के रोस्टर के अनुसार संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ।अध्यक्षता एस डी एम गोला अमित कुमार जायसवाल ने किया। सी ओ गोला मनोज कुमार पाण्डेय तहसीलदार कृष्ण गोपाल त्रिपाठी नायब तहसीलदार , रमाकांत चौहान बालचंद चौहान ने समाधान दिवस पर आए पीड़ितों की पीड़ा को विधिवत सुना।और निस्तारण करने का भरपूर प्रयास किया। समाधान दिवस नगर पंचायत गोला के वार्ड 10। रानीपुर में स्थित उपसंभागीय कार्यालय पर स्वच्छ जल मिशन द्वारा शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने के लिए लगाए गए पाइप व टोटी को अराजक तत्वों द्वारा काटकर समाप्त कर दिया गया जिससे कार्यालय में कार्यरत लोग शुद्ध पेय जल से वंचित है।पुनः शुद्ध पेय जल की व्यवस्था शुरू कराया जाय।समाधान दिवस अधिकारी ने विभाग को तत्काल कार्यवाही करने का आदेश दिया।

ग्राम प्रधान तिरागाव सूरज कुमार ने एक आवेदन देते हुए कहा कि हमारे गए के निवासी जवाहर लाल पुत्र यमुना जो बिना डिग्री के झोला छाप डॉक्टर है। बारा नगर कलिका माता स्थान के बगल में धड़ल्ले के साथ प्रैक्टिस करता है। इसकी डिग्री की जांच कराकर कार्यवाही किया जाय। इसके अतिरिक्त समाधान दिवस पर राजस्व के साथ साथ पुलिस बिजली विकास खाद्यान्न सहित अन्य मामले आए। कुल 80 मामले आए जिसमें छह मामलों का निस्तारण हुआ। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक लालजी शर्मा रमेश पांडे पृथ्वीनाथ गुप्ता अशोक गुप्ता अरविंद कुमार सरयू प्रसाद यादव विजय कुमार यादव राजेश सिंह दिलीप कुमार कृष्ण कुमार यादव नृसिंह वर्मा संजय कुमार अनिल राय लल्लन प्रसाद के एम उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेत से मोटर चोरी कर भाग रहा था युवक, ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा, पुलिस ने भेजा न्यायालय

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। खरगुपुर थाना क्षेत्र के मर्दनपुरवा गांव में गुरुवार को दोपहर एक युवक खेत से सिंचाई मोटर चुराकर मोटरसाइकिल पर लादकर फरार होने की कोशिश कर रहा था, तभी ग्रामीणों की सतर्कता से वह रंगेहाथ पकड़ लिया गया। ग्रामीणों ने उसे दौड़ाकर पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।घटना 3 जुलाई 2025 की दोपहर लगभग 2:30 बजे की है। संदीप दूबे पुत्र धरनीधर दूबे, निवासी मर्दनपुरवा, खेत में पानी की मोटर लगाकर घर भोजन करने गए थे। इसी दौरान एक युवक हीरो एचएफ डीलक्स बाइक (UP43BL2503) से खेत में पहुंचा और मोटर खोलकर उसे बाइक पर लादकर भागने की कोशिश करने लगा।गांव में मौजूद लोगों ने शोर मचाया और पीछा कर उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान राहुल सोनकर पुत्र मोहनलाल, निवासी पंडितपुरवा, थाना इटियाथोक के रूप में हुई है। उसका एक साथी जनकनंदन उर्फ शिवभोलो पुत्र सर्पये, जो बाइक पर पीछे सवार था, मौके से फरार हो गया।ग्रामीणों ने तत्काल सूचना देकर आरोपी को मोटरसाइकिल समेत थाना खरगुपुर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एफआईआर संख्या 0146/2025 दर्ज कर, आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) (चोरी) एवं 317(2) (आपराधिक घुसपैठ) में मुकदमा पंजीकृत किया।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय भेजा

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय प्रस्तुत किया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिशें दी जा रही हैं। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

हाई रिस्क क्षेत्र के चिन्हित तालाबों में डाली गई गम्बूजिया

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया– मानसूनी बारिश शुरू हो चुकी है। ऐसे मौसम में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया व चिकनगुनिया फैलने का खतरा बढ़ गया है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान व वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को नगरीय क्षेत्र सहित चार ब्लाकों के चिन्हित हाई रिस्क क्षेत्र व गावों के तालाबों में गंबूजिया मछलियां डाली गई हैं। यह मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट करती हैं। उन्हें खुले पानी में पनपने से रोकती हैं। जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग व मत्स्य विभाग की टीम ने रामपुर कारखाना ब्लॉक के डुमरी, सिधुआ, बैतालपुर ब्लॉक के परसौना, खड़ाइंच ,सदर ब्लॉक के गोबराई गांव व नगरीय क्षेत्र के सोमनाथ, देवरही, परमार्थी पोखरा, लक्षीराम पोखरा सहित 11 तालाबों में लगभग 12 हजार गंबूजिया मछली डाली गई।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर मच्छर पैदा होने और उन मच्छरों के काटने से बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। वर्तमान में ए.ई.एस.,मलेरिया व डेंगू का खतरा अधिक रहता है ऐसे में बिना कोई केमिकल इस्तेमाल किए ईको फ्रेंडली तरीके से मच्छरों को पनपने से रोका जाता है। मछलियों को तालाब में डालने से वहां का पानी तो साफ होता ही है साथ ही मच्छर भी नहीं पनप पाते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि बारिश के मौसम में अपने घर कूलर, खाली पड़े गमले, टायर या आसपास पानी एकत्र नहीं होने दें, क्योंकि डेंगू का मच्छर अक्सर साफ पानी में पनपता है। एक मछली प्रतिदिन कम से कम 100 से 300 मच्छरों के लार्वा को खाती है। इस कार्य में सहायक मलेरिया अधिकारी सुधाकर मणि, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक नवीन प्रकाश, सीपी सिंह सहित मत्स्य विभाग के मुख्य कार्य अधिकारी विजय मिश्र एवं मत्स्य निरीक्षक रितेश शाही का विशेष सहयोग रहा।

गोरखपुर में साइबर ठगी का सनसनीखेज मामला

●खुद को दरोगा बताकर बुजुर्ग से 30 हजार ठगने की कोशिश, कॉल रिकॉर्डिंग से बच गई रकम

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर। साइबर ठगों ने अब बुजुर्गों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामला खजनी थाना क्षेत्र के रामपुर पांडेय गांव का है, जहां 65 वर्षीय रामचंद्र पांडेय को खुद को दरोगा बताकर डराने और 30 हजार रुपये ऐंठने की कोशिश की गई। परिजनों की सतर्कता और कॉल रिकॉर्डिंग ने ठग की साजिश को नाकाम कर दिया।

कॉल कर धमकाया, कहा- नहीं दिए पैसे तो भेज देंगे जेल

ख़जनी तहसील रिपोर्टर रामआशीष तिवारी के रिपोर्ट अनुसार घटना 3 जुलाई की सुबह 8:19 बजे शुरू हुई, जब मोबाइल नंबर 91712248136 से रामचंद्र पांडेय को कॉल आया। कॉलर ने खुद को पुलिस उपनिरीक्षक बताते हुए कहा कि उन पर दुष्कर्म और बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज है, 30 हजार रुपये नहीं दिए तो जेल भेज दिया जाएगा। ठग ने सुबह 8:24, 8:45, 9:01, 9:05, 9:09 और 9:32 बजे लगातार कॉल कर धमकाया। व्हाट्सएप पर स्कैनर भेजकर तुरंत रुपये ट्रांसफर करने का दबाव बनाया। ठग ने धमकी दी, "पैसा नहीं भेजा तो पुलिस गाड़ी भेजकर उठा ले जाएगी।"

थानेदारी की भाषा में धमकी, परिजनों ने चालाकी से बचाया

रामचंद्र पांडेय ने बताया कि ठग ने बिजली चोरी के फर्जी केस में फंसाने की बात कही। खुद को थानाध्यक्ष का करीबी बताकर जल्द पैसा भेजने का दबाव बनाया। डराने के लिए बार-बार दुष्कर्म में फंसाने और जेल भेजने की धमकी दी। परिजनों ने तुरंत कॉल रिकॉर्डिंग चालू कर दी और व्हाट्सएप चैट समेत सभी सबूत सुरक्षित कर लिए।

सीओ खजनी को दी गई शिकायत, कार्रवाई के आदेश

पीड़ित ने खजनी तहसील पहुंचकर सीओ खजनी उदय प्रताप सिंह को लिखित तहरीर देकर पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने सक्रिय मोबाइल नंबर और कॉल रिकॉर्डिंग सौंपकर ठग को पकड़ने की गुहार लगाई। सीओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया है।

बुजुर्गों को बना रहे टारगेट, पुलिस की अपील- सतर्क रहें

गोरखपुर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। कुछ दिन पहले एक पुलिसकर्मी की पत्नी से 40 हजार रुपये की ठगी का मामला भी सामने आया था। विशेषज्ञों का कहना है कि ठग बुजुर्गों को फर्जी पुलिस बनकर डराने की साजिश कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल पर पैसे न भेजें। कोई भी अधिकारी फोन पर पैसे नहीं मांगता। ठगी की आशंका होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में शिकायत करें।

पुलिस जांच में जुटी, जल्द गिरफ्तारी का भरोसा

साइबर सेल ने ठग के मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में कई बार अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय गिरोह शामिल होते हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही शातिर ठग को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। रामचंद्र पांडेय ने कहा, "सतर्कता ने मेरी रकम बचा ली, लेकिन अभी भी ठग सक्रिय हैं। पुलिस इन्हें जल्द पकड़े ताकि और कोई बुजुर्ग इनके जाल में न फंसे।"

जामुन तोड़ने पेड़ पर चढ़ा युवक, डाल टूटने से गिरकर मौत, गांव में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात

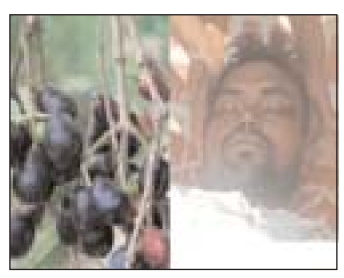

गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के चरनाद गांव में शनिवार सुबह उस वक्त मातम पसर गया, जब 30 वर्षीय युवक सुग्रीव पुत्र मुसाफिर की जामुन तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 10 बजे सुग्रीव रोज की तरह मजदूरी पर जाने से पहले घर के पास ही जामुन तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान अचानक पेड़ की मोटी डाल टूट गई और सुग्रीव डाल समेत नीचे गिर पड़ा। गिरने की तेज आवाज सुनकर खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक सुग्रीव की सांसें थम चुकी थीं। परिजनों के करुण क्रंदन से गांव की फिजा गमगीन हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हरपुर बुदहट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने प्राथमिक जांच में इसे हादसा मानते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारण की पुष्टि हो सकेगी। बताया जा रहा है कि सुग्रीव दो भाइयों में छोटा था और मजदूरी कर परिवार का पेट पालता था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वृद्ध माता-पिता और भाई का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में लोग मृतक के परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है ताकि परिवार की गुजर-बसर हो सके। इस हादसे ने एक बार फिर पेड़ पर चढ़कर फल तोड़ने के खतरों को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों ने सावधानी बरतने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से पति की हुई मृत्यु, पत्नी घायल

सिद्धार्थनगर । नेशनल हाइवे शोहरतगढ़-बढ़नी मार्ग पर शुक्रवार की शाम बानगंगा पुल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। जिससे पति की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई और पीछे बैठी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और पत्नी का उपचार कराने के लिए सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया। मृतक धर्मेंद्र पासवान (20 वर्ष) पुत्र प्रकाश थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के हलौरा का रहने वाला था। नेशनल हाइवे किनारे टोल प्लाजा से सटे गावं हलौरा से वह अपनी पत्नी साधना (19 वर्ष) को बाइक पर बैठाकर घर से ससुराल मिश्रौलिया थाना क्षेत्र ग्राम बड़हरा जा रहा था। गावं से अभी वह एक किलोमीटर दूर वह नेशनल हाइवे बानगंगा पुल के पास पहुंचा था कि सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार पति पत्नी घायल हालत में रोड पर पड़े रहे। रास्ते से गुजर रहे लोग जबतक उसके पास पहुंचे तो देखा कि उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया है। पत्नी गम्भीर रूप से घायल होकर तड़प रही थी। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंच गयी। सीएचसी चिकित्सक ने उपचार करने के बाद घायल पत्नी को एम्बुलेंस से माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज भेज दिया। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों का कहना है कि शोहरतगढ़ से परसा की तरह एक कंटेनर बहुत तेज गति से भागता हुआ जा रहा था शायद उसी की ठोकर से बाइक सवार की मौत हो गयी हो। मृतक की शादी डेढ़ माह पूर्व हुई थी।घटना की सूचना मिलते ही ससुराल व घर में कोहराम मच गया। सभी का रो रोकर बुरा हाल है। चिकित्सक ने उपचार करने के बाद घायल पत्नी को एम्बुलेंस से माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज भेज दिया। शोहरतगढ़ थाना प्रभारी विन्देश्वरी मणि त्रिपाठी ने कहा कि नेशनल हाइवे गोल्हौरा टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से अज्ञात वाहन का खोज किया जा रहा है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र के ओबरा में नाबालिग वाहन चालकों पर नकेल, पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान

स्वतंत्र प्रभात

ओबरा, सोनभद्र – सोनभद्र के ओबरा नगर में सुभाष पेट्रोल पंप के सामने पुलिस ने नाबालिग वाहन चालकों के खिलाफ एक सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नाबालिगों को वाहन चलाने से रोकना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है, खासकर ऐसे समय में जब सड़कों पर भीड़ बढ़ रही है और नाबालिगों द्वारा तेज रफ्तार से वाहन चलाने के मामले आम होते जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। पुलिस ने इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 वाहनों का चालान किया और 16 वाहनों को सीज कर दिया। विशेष रूप से 18 वर्ष से कम उम्र के वाहन चालकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ऐसे मामलों में, पुलिस ने नाबालिगों को वाहन चलाने से रोकने के लिए उनके अभिभावकों को जागरूक किया और वाहन मालिक को सख्त हिदायत दी कि वे अपने बच्चों को दोबारा वाहन न चलाने दें। यह अभियान उन क्षेत्रों में विशेष रूप से चलाया जा रहा है जहां नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की घटनाएं अधिक होती हैं। पुलिस का मानना है कि नाबालिगों के हाथों में गाड़ी मिलने से संभावित दुर्घटनाएं हो सकती हैं, और इसी को टालने के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया गया है। पुलिस महकमा लगातार नाबालिगों को वाहन चलाने से रोकने के लिए विभिन्न उपाय कर रहा है और उनके अभिभावकों पर अर्थदंड लगाकर उन्हें जागरूक कर रहा है।यह अभियान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ तहसील दिवस

बरेली/नवाबगंज तहसील सभागार में आयोजित तहसील दिवस एसडीम उदित पवार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया यहां पर 10 फरीदियों की शिकायतें पंजीकृत की गई इनमें से पांच कामोंके पर ही निस्तारण कर दिया गया शेष पांच शिकायतों के निस्तारण हेतु अधीनस्थों को शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया गया। यहां पर पुलिस से संबंधित मामलों को क्षेत्र अधिकारी गौरव सिंह यादव ने सुनकर संबंधित को कार्यवाही करने का निर्देश जारी किया गया यहां पर उपस्थित एसडीम उदित पवार तहसीलदार दुष्यंत कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह यादव नवाबगंज खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र कुशवाहा पूर्ति निरीक्षक सुनील भटनागर गन्ना समिति सचिव मेधा चतुर्वेदी बाल विकास परियोजना अधिकारी सुषमा राठौर समेत अनेकों विभागों के लोग मौजूद थे।

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आई 50 शिकायतो मे 6 का निस्तारण किया गया

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। स्थानीय तहसील के सभागार में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस मे विभिन्न विभागों से संबंधित ए 50 शिकायतों में छह का मौके पर निस्तारण किया गया समाधान दिवस में आई शिकायत में राजेश एवं आपदा विभाग की 24, पुलिस विभाग की 11, संयुक्त जांच विभाग की 4, विद्युत विभाग की 2, ग्राम विकास विभाग की 2, नगर विकास विभाग की 1 जिसमें राजस्व एवं आपदा विभाग की 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष 44 शिकायत को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य रूप से भीमचंद तहसीलदार,गवेन्द्र पाल गौतम क्षेत्राधिकार, सर्वेश कुमार यादव व भानु प्रताप सिंह नायव तहसीलदार एवं तहसील विकासखंड थाना स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी वाहन न होने से अजान चौकी में गश्त प्रभावित, अपराध बढ़ने की आशंका

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। थाना हैदराबाद अंतर्गत पुलिस चौकी अजान इन दिनों संसाधनों के अभाव से जूझ रही है। चौकी में सरकारी जिप्सी वाहन न होने की वजह से पुलिस गश्त (पेट्रोलिंग) बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, गश्त न होने के कारण क्षेत्र में चोरी, मारपीट और छोटे- मोटे विवाद की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। आपराधिक घटनाओं के दौरान पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच पा रही, जिससे लोगों में असंतोष और भय का माहौल बना हुआ है।सूत्रों के मुताबिक, अजान चौकी में पहले एक पुरानी सरकारी जिप्सी थी, जिसे वाहन की जर्जर स्थिति के चलते कुछ समय पूर्व लखीमपुर पुलिस लाइन में भेज दिया गया। नई गाड़ी अब तक चौकी को नहीं मिली है। ऐसे में पुलिसकर्मी निजी वाहनों और मोटरसाइकिलों के सहारे गश्त करने को मजबूर हैं मोटरसाइकिल से गस्त करने पर शेरों का खतरा बना रहता है। एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वाहन की कमी के कारण रात्रि गश्ती भी प्रभावित हो रही है। कई बार आपराधिक घटनाओं की सूचना मिलने के बावजूद पुलिस समय पर नहीं पहुंच पाती। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अजान चौकी को नया सरकारी वाहन उपलब्ध कराया जाए ताकि क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

शासन प्रशासन को दर्जनों शिकायतों के बावजूद कोई कार्यवाही न होने के आरोप

- **मामला विकासखंड फुल बेहड की ग्राम पंचायत नरहर का है**
- **शपथ पत्र के साथ शिकायत देकर ग्राम पंचायत नरहर की जांच टीम गठित कर जांच कराए जानेकी मांग**
- **शिकायतकर्ता ने ग्राम प्रधान पर ग्राम पंचायत के विकास को आए सरकारी धन का बंदरबांट कर खुद का विकास किए जाने के लगाए गंभीर आरोप**

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी विकासखंड फूलबेहड़ की घपले और घोटाले की चर्चित ग्राम पंचायत नरहर में एक बार फिर से ग्राम प्रधान पति मुन्ना लाल और पंचायत सचिव सौरव कुमारपर मिलीभगत करके विकास को आए सरकारी धन का बंदरबांट कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। और शपथ पत्र के साथ लिखित शिकायत जिलाधिकारी खीरी को देकर मामले में जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाने की मांग की गई है। जिलाधिकारी खीरी को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में शिकायतकर्ता विश्राम पुत्र सोहनलाल निवासी रामपुरवा ग्राम पंचायत नारहर ने आरोप लगाया है की ग्राम प्रधान उषा देवी के पति मुन्ना लाल और पंचायत सचिव व पंचायत मित्र द्वारा करीब 2 वर्ष पूर्व एक मानसरोवर सरकार द्वारा आवंटित किया गया था उक्त मानसरोवर के निर्माण में आपसी मिली भगत करके आधा अधूरा मानक विहीन कार्य कराकर सरकारी धनराशी का बंदर बाट कर लिया गया। वही शौचालय निर्माण में तो जमकर फर्जीवाडा करके शौचालय बनवाये बगैर ही फर्जी फोटो अपलोड कर पैसा निकाल कर बंदर वाट कर लिया गया। शिकायतकर्तागणों की माने तो नल मरम्मत

व रिबोर तथा स्ट्रीट लाइट खरीद एवं दवा छिड़काव तथा ग्राम पंचायत की साफ सफाई के नाम परजमकर भ्रष्टाचार किया गया कहीं भी आज तक दवा का छिड़काव नही हुआ है और ना ही साफ सफाई ।महज कागजों का पेट भरकर सरकारी धन से प्रधान पति द्वारा जमीन मकान व प्लांट लखीमपुर में ट्रैक्टर ट्राली जरूर बना डाली गई गांव में नलों की हालत मरम्मत व रिबोर की स्वयं दासता बयां कर रही है। पूरी ग्राम पंचायत की करा ली जाए जांच तो पता चल जाएगा कहां-कहां कितनी-कितनी स्ट्रीट लाइट लगवाई गई हैं। यही हाल मनरेगा में भी है यहां पर ग्राम पंचायत के सबसे मजबूत नामी ग्रामीण लोगों की फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी धन उन्हीं लोगों के खाते में पैसा लगाकर बंदर बांट कर लिया जा रहा है।जो लोग कभी भी मनरेगा खोदने नहीं जाते हैं उनके यहां हमेशा दो-चार मजदूर खुद ही मजदूरी पर लगाते हैं ऐसे लोगों के नाम पैसा भेज कर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है उक्त आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ता गणों ने मामले की जांच की गठित कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है अब देखना यह है उपरोक्त मामले में क्या कार्रवाई की जाती है या फिर भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव को दे दिया जाता है अभयदान।

ब्लॉक प्रमुख के साथ वृक्षारोपण में सम्मिलित रहे विधायक आर्य

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/विकासखंड भदपुरा के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम की सहभागिता करने के लिए क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर एमपी आर्य भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने धरती को हरा भरा रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम को ऊर्जा देने के लिए वृक्षारोपण किया।

यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने क्षेत्रीय विधायक आर्य के साथ क्योलडिया के ग्राम पंचायत सचिवालय एवं प्राथमिक विद्यालय पर वृक्षारोपण किया गया इस मौके पर क्यों लड़िया के ग्राम प्रधान पति रविंद्र कुमार गंगवार भाजपा के मंडल अध्यक्ष गणेश प्रसाद गंगवार जिला प्रतिनिधि कृष्ण कुमार राठौर ठाकुर विनय सिंह समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम देश व प्रदेश की सरकार के निर्देशानुसार कराया जा रहा है वृक्षारोपण के तहत धरती को हरा भरा रखने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है वृक्ष लगाकर धरती को सुशोभित करने एवं पर्यावरण को संतुलित रखने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने लोगों से अपील की और कहा प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसे तैयार करने में अपना योगदान दे वृक्ष की सेवा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना के व्यक्ति अपनी संतान की करता है वृक्ष मनुष्य को ही नहीं बल्कि प्राणी मात्र के लिए लाभकारी है इसलिए सभी लोग वृक्ष लगाकर उसे तैयार करने में अपनी अहम भूमिका निभाएं और धरती को हरा-भरा बनाएं।

नहर में डूबने से मज़दूर की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। इटियाथोक थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलियानी पाठक गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। गांव के ही 38 वर्षीय विनोद कुमार, जो राजू सिंह की चक्की पर मजदूरी करते थे, सरयू नहर में डूब गए। शनिवार सुबह पुल के पास नहर किनारे उनकी साइकिल, लाल गमछा, शर्ट और चप्पल मिलने से उनकी नहर में डूबने की पुष्टि हुई।परिजनों के अनुसार, विनोद शुक्रवार सुबह 9 बजे घर से चक्की पर काम करने के लिए निकले थे। देर रात तक घर न लौटने पर भी परिवार ने विशेष चिंता नहीं की, क्योंकि अधिक काम होने पर वह अक्सर चक्की पर ही रुक जाते थे।शनिवार सुबह जब उनके सामान नहर किनारे पड़े मिले तो ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी कुण कुमार राय ने बताया कि गोताखोरों की मदद से शव की तलाश शुरू की गई। पुलिस और ग्रामीण संयुक्त रूप से लगातार प्रयास करते रहे।

आखिरकार, शनिवार को खम्हरिया गांव के पास शव नहर में दिखाई दिया, जिसे ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।विनोद की पारिवारिक स्थिति अत्यंत ही दयनीय है। उनके माता-पिता पहले ही नहीं रहे, एक विकलांग भाई है जो चल-फिर नहीं सकता। पीछे चार बेटियाँ हैं– 13 वर्षीय पिंकी, 10 वर्षीय रिंकी और दो छोटी बच्चियाँ। विनोद ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जिला अधिकारी सहित पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

- **पैत्रक जमीन से अवैध कब्जा छुड़वाए जाने तथा जान माल की सुरक्षा किए जाने की पीड़ित ने की मांग**

पीड़ित ने लगाए राजनीतिक संरक्षण और पुलिस में काफी असर दबाव होने के चलते विपक्षियों पर कोई कार्यवाही न होने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी शासन के लाख प्रयासों के बावजूद जनपद खीरी में कानून का राज कायम होने की बजाय कानून का खुला मजाक मजाक उड़ाता देखा जा सकता है जिम्मेदार पदों पर बैठे राजस्व पुलिस विभाग के क्षेत्रीय जिम्मेदार सुनने को कुछ भी तैयार नहीं होने के चलते पीड़ित पक्ष जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक की चौखट की खाक छानते फिरते देखे जा सकते हैं। इसका परिणाम है कि दबंग लोग कमजोर वर्ग और मजदूरी पैसा लोगों की जमीन जगह पर बेखौफ अवैध कब्जा कर ले रहे हैं ।ऐसा ही एक मामला गोला तहसील के परगना कुकरा थाना मैलानी के अंतर्गत ग्राम खंजनपुर निवासी राम रतन पुत्र रोशन का सामने आया है ।राम रतन ने जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक को दिए गए अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी भूमि गाटा संख्या 31 ग्रंटनंबर 3 परगना कुकरा तहसील गोला जिला खीरी में है। और उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है।वह उक्त भूमि पर काबिल दाखिल चला आ रहा है उसकी इसी पैतृक जमीन को दबंग विपक्षी रामू, मुकेश निवासी ग्राम नेमपुर थाना हैदराबाद खीरी ने छल कपटपूर्ण ढंग से राम अवतार पुत्र बंधा निवासी खंजनपुर थाना मैलानी खीरी के पास गिरवी रख दिया।

जिसकी जानकारी मिलते ही पीड़ित पक्ष द्वारा मामले की लिखित शिकायत थाना मैलानी पुलिस से की गई । जिससे उक्त विपक्षी गण उससे रंजिश मानने लगे। पीड़ित के बताएं अनुसार घटना दिनांक 25 अप्रैल 2025 समय करीब 9:00 बजे सुबह की

बताई जाती है कि उक्त विपक्षीगण अपने तीन अन्य अज्ञात साथियों को बोलोरो गाड़ी में लेकर आए सभी के पास नाजायज असला होना बताया गया है। उक्त लोग पीड़ित के घर घुस गए और भद्दी भद्दी गालियां देने के साथ-साथ जान माल की धमकी देने लगे तथा आमदा फौजदारी होकर मारपीट करने लगे पीड़ित ने अपने घर में रखे गहने व 10000 रूपया नगद लूट लिए जाने तथा गृहस्थी का सामान तोड़ फोड़ डालने के गंभीर आरोप विपक्षीगणों पर लगाए हैं। पीड़ित पक्ष द्वारा मामले की लिखित जानकारी दिए जाने के बाद भी विपक्षी लोगों पर मैलानी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के आरोप पीड़ित द्वारा मैलानी पुलिस पर लगाए गए हैं। इतना ही नहीं पीड़ित पक्ष द्वारा उसके शरीर पर आई चोटों का मेडिकल परीक्षण न कराए जाने के गंभीर आरोप लगाए थाना मैलानी पुलिस पर लगाए हैं। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में विपक्षीगणों को राजनीतिक संरक्षण व थाना मैलानी पुलिस से अच्छी साठ गांठ और पकड़ होने के चलते कोई कार्यवाही न किए जाने के आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक खीरी व जिला अधिकारी खीरी से मामले की जांच करा कर दोषी लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उक्त प्रकरण पर जब थाना प्रभारी मैलानी निराला तिवारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो साहब का फोन ना उठने के चलते कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

अपर पुलिस अधीक्षक, भदोही द्वारा सीतामढ़ी में आयोजित लवकुश मेला का किया गया निरीक्षण

व्यापक सुरक्षा व यातायात व्यवस्था हेतु ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

थाना कोइरौना क्षेत्र अंतर्गत सीतामढ़ी धाम पर आयोजित लवकुश मेला का शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। मेला को सकुशल व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के व्यापक बंदोबस्त हेतु ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री के आदेशों पर भारी पड़ते नजर आ रहे लेखपाल और कानूनगो

- **अंबेडकर पार्क के नाम आरक्षित जमीन गाटा संख्या 883 पर से नहीं हटवाया जा रहाअवैध कब्जा**

माननीय का संरक्षण और लक्ष्मी जी की चका चौंध में प्रधान व अवैध कब्जा धारकों की ताल पर थिरकते नजर आ रहे लेखपाल और कानूनगो साहब

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी एक तरफ जहां सूबे के मुखिया जहां सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त करनेके बड़े बड़े दावे करते है। और कुछ जमीन अवैध कब्जा मुक्त भी कराई गई है। फिर भी जनपद खीरी की तहसील लखीमपुर में अवैध कब्जों पर लगाम लगती नजर नहीं आ रही है। ऐसी काफी बेशकीमती जमीनें है जिन पर से आज तक अवैध कब्जा नहीं हटवाया जा सका है। और यहां पर चिराग तले अंधेरा की कहावत चरितार्थ होती दिखाई पड़ रही है ।ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत नरहर में चर्चा का विषय बना है सूत्र बताते हैं कि ग्राम पंचायत नरहर में सरकारी अभिलेखों में गाटा संख्या 883 भूमि स्थित नरहर अंबेडकर पार्क के नाम आरक्षित दर्ज कागजात है ।जमीन पर वर्तमान ग्राम प्रधान पति मुन्ना लाल व उनके भाई तथा कई अन्य लोगों ने अवैध कब्जा करके मकान बना लिए और तहसील प्रशासन सब कुछ जानने के बाद भी अनजान बन बैठा रहा। शिकायतकर्ता की बात सत्य माने तो यदि तहसील प्रशासन हरकत में आता और करता कार्यवाही तो अंबेडकर पार्क के नाम दर्ज आरक्षित जमीन को बचाया जा सकता था । इसकी जवाब देही आखिर किसकी है? क्या तहसीलदार से लेकर लेखपाल तक की जवाबी दही तय होगी? और आज भी प्रधान से मिल रही हरियाली की चकाचौथ में मनमाने ढंग से पैमाइश करके अवैध कब्जे धारक ग्राम प्रधान मुन्नालाल को बचाने केप्रयास में लगे दिखाई पड़ रहे हैं। जब अन्य कबजेदारों पर कार्रवाई की जा सकती है तो ग्राम प्रधान पती मुन्नालाल पर

आखिर क्यों नहीं यक्ष प्रश्न बना है। शिकायतकर्ता गणों द्वारा उपरोक्त आरोप लगाते हुए अंबेडकर पार्क की आरक्षित जमीन को अवैध कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है शिकायतकर्ता समेत कई अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल कमलेश के रहते ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन बच पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है इनका कहीं और स्थानांतरण किया जाए जिससे सार्वजनिक प्रयोग के लिए आरक्षित की गई जमीनों को बचाया जा सके। उपरोक्त प्रकरण पर जब उप जिलाधिकारी सदर से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो घंटी बजती रही पर किन्ही कारणों से उनका फोन ना उठने के चलते उनके पक्ष की जानकारी नहीं मिल पाई।

स्पोर्ट फार स्कूल के तहत खेले गए हॉकी मैच फाइनल में केयसइं कॉलेज 2/0 से विजई घोषित

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। स्पोर्ट फार स्कूल के तहत जूनियर नेहरू हॉकी अंडर 17 बालक वर्ग की जनपदीय हॉकी प्रतियोगिता कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में आयोजित हुई। फाइनल मैच गुरु नानक इंटर कॉलेज लखीमपुर और कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला के मध्य खेला गया जिसमें पहले हाफ के छठे मिनट में गोला के खिलाड़ी असद ने फील्ड गोल किया और दूसरे हाफ के 10वें मिनट में गोला के खिलाड़ी तौसीन ने गोल किया। इस प्रकार कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला की जूनियर हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबला 2-0 से जीत लिया । मैच का शुभारंभ खिलाड़ियों के परिचय से हुआ खिलाड़ियों से परिचय मुख्य अतिथि कालेज प्रबन्ध समिति के उप मन्त्री विनोद चंद्र मिश्र विशिष्ट अतिथि जनपदीय क्रीड़ा समिति के पूर्व जिला सचिव प्रगट सिंह और कालेज प्रधानाचार्य अनन्त प्रकाश सरोज ने प्राप्त किया। मैच के अंपायर मकसूद अली और

कदीर अहमद रहे तथा जज का दायित्व सरोज कुमार वर्मा और सुमित यादव ने निभाया। टेक्निकल ऑफीसर के दायित्व का निर्वहन कपिल वर्मा ने किया। मैच के सफल आयोजन में वीरेंद्र भारद्वाज का विशेष योगदान रहा। मैच के समापन पर क्रीड़ा प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि विजेता टीम आगामी 7 व 8 जुलाई 2025 को जनपद खीरी की ओर से मंडलीय आयोजन में रायबरेली में प्रतिभाग करेगी। अंत में प्रधानाचार्य अनन्त प्रकाश सरोज ने संयोजक मंडल के सभी सदस्यों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए दोनों टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

संविलियन विद्यालय द्वारिका पुरवा में शनिवार को माता उन्मुखीकरण गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

बम्हनपुर, खीरी ब्लॉक निघासन के संविलियन विद्यालय द्वारिका पुरवा में शनिवार को माता उन्मुखीकरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। गोष्ठी को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य राजीव पांडेय ने कहा कि मां बच्चे की पहली शिक्षिका होती है। वह न केवल शिक्षा देती है, बल्कि बच्चे की देखरेख भी करती है। उन्होंने विद्यालय में अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति और छात्र-शिक्षक समन्वय की जानकारी दी। इसके अलावा गोष्ठी को टीकम सिंह, अरुण शर्मा तथा नंदकिशोर यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कई माताओं ने बच्चों की शिक्षा व व्यवहार पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में कीकम सिंह, अरुण शर्मा, नंदकिशोर यादव, सुमिर यादव, महेश चौहान, संतोषी शर्मा, मीना मौर्य, सुमन मौर्य, रामकली, नजमुन, निशा समेत कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

धौरहरा ब्लॉक के तीनविद्यालयों का डी. एम. दुर्गा शक्ति नागपाल ने किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी, 05 जुलाई। शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल कुछ अलग ही भूमिका में नजर आईं। अफसर कम, एक संवेदनशील शिक्षक की तरह सीधे क्लास में पहुंचीं। बच्चों से पहाड़े सुने, गणित के सवाल हल करवाए, मिड-डे मील चखा और साफ-सफाई की हकीकत खुद देखी।निरीक्षण के दौरान जहां बच्चों को टॉफी देकर मुस्कानें बांटीं, वहीं लापरवाही पर संबंधित प्रधान और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को फटकार भी लगाई। नकहा, ईसानगर और धौरहरा ब्लॉक के तीन स्कूलों के औचक निरीक्षण से व्यवस्था में हलचल मच गई। इस दौरान डीसी मनरेगा सुशांत सिंह, बीएसए प्रवीण तिवारी, डीपीओ भारत प्रसाद, एडीपीआरओ और संबंधित बीडीओ भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्पष्ट कहा कि परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समय पर भोजन और स्वच्छता प्राथमिकता में है। उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं नियमित रूप से परखी जाएं और सुधार सुनिश्चित किया जाए।

पीएस लोनियनपुरवा- पढ़ाई देखी, दाल चखी, पानी न आने पर प्रधान को चेतावनी

डीएम सबसे पहले ब्लॉक नकहा के प्राथमिक विद्यालय लोनियनपुरवा पहुंचीं, यहां उन्होंने शिक्षण कार्य की जांच की और कक्षा तीन के छात्र-छात्राओं से किताबें पढ़वाई। अनीता और उपेंद्र ने पुस्तक पढ़कर सुनाई, जिससे उनकी रीडिंग स्किल का आंकलन किया गया।मिड-डे मील के तहत बनी दाल-चावल की गुणवत्ता को भी डीएम ने खुद जांचा। विद्यालय में बनाए गए खेल मैदान का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र में खेल सामग्री और बर्तन के उपयोग न होने पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताई और कार्यकत्री से जवाब तलब करने के निर्देश दिए। वहीं टोटियों में पानी न आने पर ग्राम प्रधान को चेतावनी जारी करने के आदेश दिए।

संविलियन विद्यालय ऐरा- टेबल सुन बच्चों को मिली टॉफी, कोर्ट निर्माण में गुणवत्ता सुधार के निर्देश

इसके बाद डीएम ईसानगर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय ऐरा पहुंचीं, यहां उन्होंने कक्षा एक और दो के बच्चों से चार और सात की पहाड़े सुने। बच्चों को टॉफी बांटी, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। यहां बने बैडमिंटन कोर्ट की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए डीएम ने निर्माण को दोबारा बेहतर ढंग से कराने के निर्देश दिए। बच्चों से दूध, फल व भोजन मिलने की जानकारी ली गई। विद्यालय परिसर के शौचालय का दरवाजा जर्जर अवस्था में मिलने पर डीएम ने ग्राम प्रधान को चेतावनी जारी करने को कहा। यहां संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में डीएम ने बच्चों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।

कंपोजिट विद्यालय महादेव- डीएम ने किया पौधरोपण, गोद भराई व पोषण पोटली का वितरण

निरीक्षण के तीसरे चरण में डीएम ब्लॉक धौरहरा के संविलियन विद्यालय महादेव पहुंचीं, यहां उन्होंने अधिकारियों संग छायादार, फलदार और औषधीय पौधों का

रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी की और सैम श्रेणी के दो बच्चों को पोषण पोटली दी गई। स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाओं को सहजन के पौधे वितरित करते हुए डीएम ने इसके स्वास्थ्य लाभ व पोषण गुणों की जानकारी दी। विद्यालय के कक्षों में जाकर बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण कर संतोष जताया।

संक्षिप्त खबरें

डीएलएड प्रशिक्षुओं ने विद्यालय विलय के विरोध में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट: सरकारी स्कूलों के विलय के विरोध में शनिवार को डीएलएड संयुक्त संघ उत्तर प्रदेश के बैनर तले डीएलएड प्रशिक्षुओं ने प्रदर्शन करते हुए जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष दीपक शुक्ला ने कहा कि विद्यालय विलय का आदेश बच्चों व राष्ट्र के हित में नहीं है। प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि आकांक्षी जिले चित्रकूट में शिक्षा का स्तर पहले से निम्न है, विद्यालय विलय के आदेश के बाद जिले की शिक्षा का स्तर और पिछड़ जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षुओं ने बताया कि विद्यालयों के विलय के बाद गांव से दूरी बढ़ने के कारण छोटे बच्चे दूसरे विद्यालयों में नहीं पहुँच पायेंगे तथा शिक्षा से वंचित रह जाएंगे, अतः सरकार को तत्काल इस आदेश को वापस लेना चाहिए। इस मौके पर प्रशिक्षु रामचन्द्र मिश्रा, सोम, विक्रम, वेद प्रकाश, नीरज, विक्रम सिंह, किशन, डूप्ले पटेल, ज्ञानांशु, सचिन, सतीश आदि मौजूद रहे।

तुलसी जन्म महोत्सव की रूप रेखा निर्धारित

राजापुर, चित्रकूट: तुलसी जन्म कुटीर में आगामी 22 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले 10 दिवसीय तुलसी जन्म महोत्सव से सम्बन्धित तैयारी बैठक का शनिवार को आयोजन किया गया। जिसमें महोत्सव को भव्य रूप से मनाने के लिए चर्चा की गई।

बैठक में तुलसी इण्टर कॉलिज के पूर्व प्रवक्ता राम गणेश पाण्डेय ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आगामी 22 जुलाई से 31 जुलाई तक तुलसी जन्म महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। विगत वर्षों में हुए महोत्सव की अगुवाई करने वाले तुलसी सेवा में समर्पित वृन्दावन वंशी वट के संत रामदास के शिष्य राजेन्द्र पाण्डेय कस्बे सहित ग्रामीण इलाकों में भ्रमण कर इस महोत्सव को भव्यता से मनाने के लिए ग्रामीणों से सम्पर्क कर रहे है। कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर समस्त मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ने का काम किया है। इसलिए सभी लोग तुलसी जन्म महोत्सव को भव्य रूप से मनाए।

इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य रामराज पाण्डेय, पूर्व प्रवक्ता तुलसी इण्टर कॉलिज राजापुर धीरेन्द्र मिश्रा, राधेश्याम सोनी, सुभाष चन्द्र अग्रवाल, सतीश मिश्रा, रामप्रसाद गर्ग, राकेश नामदेव, उमेश सोनी, जुगराज केशरवानी, सुनील मिश्रा, अनिल देवरवा, अमित पांडेय, भरत जायसवाल, कमलेश मोदनवाल, सोनू मोदनवाल, अशोक कुमार याज्ञिक आदि मौजूद रहे।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

राजापुर चित्रकूट: जनपद में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सरधुवा के उपनिरीक्षक अजहर जमाल तथा उनके हमराही आरक्षी सुजीत कुमार यादव द्वारा आरोपी ननकवा उर्फ रमेश निवासी बक्टा बुजुर्ग थाना सरधुवा को पांच लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध थाना सरधुवा में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पौधे वितरित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चित्रकूट ब्यूरो: गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेड़ीपुलिया में शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2.0 के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कुमार कटियार, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार पाल ने पौधरोपण कर किया। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी ने कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण करें। कार्यक्रम में रोवर-रेंजर, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को टोलियों में बाँट कर वृहद पौधरोपण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पौधों का भी वितरित किया गया। इस मौके पर वृक्षारोपण प्रभारी डॉ मुकेश कुमार, रोवर प्रभारी डॉ वंशगोपाल, रेंजर प्रभारी डॉ सीमा कुमारी, महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ नीरज गुप्ता, डॉ सिद्धान्त चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

मोहर्रम पर्व को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक,क्षेत्राधिकारी भदोही व ताजियादारों के साथ ताजिया जुलूस हेतु निर्धारित रूट का किया गया निरीक्षण

● जुलूस के दौरान शस्त्रों का प्रदर्शन पूर्णतया रहेगा प्रतिबंधित

अफवाहों/भ्रामक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार से बचने हेतु किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

भदोही/ दिनांक 04.07.2025 को आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत शुभम अग्रवाल,अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा क्षेत्राधिकारी भदोही व प्रभारी निरीक्षक भदोही तथा ताजियादारों के साथ संयुक्त रुप से थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भदोही में ताजिया जुलूस हेतु निर्धारित रूट का निरीक्षण किया गया। रूट मार्च के दौरान ताजियादारों/धर्मगुरुओं व मिश्रित आबादी के लोगों के साथ संवाद कर जुलूस के दौरान आने वाली समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये। मार्ग की साफ-सफाई व बिजली तारों को ठीक कराने आदि के संबंध में संबंधित को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। लोगों से त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई साथ ही हिदायत दी गई कि जुलूस में शस्त्रों के प्रदर्शन को पूर्णतया प्रतिबंधित किया गया है। डीजे/माइक/ लाउडस्पीकर को निर्धारित डेसीबल तक ही बजाने की अनुमति दी गई है। ताजियादारों से किसी भी नए मार्ग निर्धारित न करने के निर्देश दिए गए एवं किसी नई परंपरा से बचने की अपील की गई। सरकार द्वारा जारी किये गये गाइडलाइन का पालन करते हुए सभी लोग आपस में मिलजुल कर आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ अपना अपना त्योहार मनाएं। असामाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति के संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है तो तुरंत सम्बंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं, जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए। सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस की संयुक्त टीम ने धनंजय हत्या कांड का किया खुलासा, 2 अभियुक्त गिरफ्तार

● 3 वांछित अभियुक्तों की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। जनपद की रुद्रपुर थाने की पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने धनंजय पाल हत्या कांड का खुलासा किया है साथ ही 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। 3 वांछित अभियुक्तों की तलाश जारी जारी है। मु0अ0सं0-243/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात का खुलासा करते हुए पुलिस ने 2 अभियुक्तों मृतुन्जय पाल पुत्र स्व0 हरिलाल निवासी फतेहपुर तथा अमन निषाद पुत्र रामनरेश निषाद निवासी फतेहपुर टोला रामनगर थाना रुद्रपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल जो कि मृतक का सौतेला बेटा है। धनंजय से संपत्ति व जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद था। इसलिए मृत्युंजय पाल ने आपराधिक षड्यंत्र बनाकर अपने सहयोगियों को 50 हजार रुपए की सुपारी देकर अपने सौतेले पिता धनंजय पाल की 27/28 की रात्रि में कुल्हाड़ी से हत्या करवा दी। गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल ने बताया कि हत्या के बाद हत्यारों को 2 हजार रुपए व 13 हजार रुपए जरिए फोन पे दिया गया है । शेष पैसा बाद में देने को कहा गया था।

पुलिस टीम को दस हजार रूपये का मिला पुरस्कार

देवरिया। 28 जून की रात को फतेहपुर में धनंजय पाल पुत्र शंकर का शव डी0डी0एम0 पब्लिक स्कूल के बरामदे में मिला था। जिसमें खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है शेष वांछित 3 अभियुक्तों कमरुद्दीन उर्फ तालीवान पुत्र रमजान, अभिषेक उर्फ भोलू पुत्र रामनाथ हरिजन तथा राहुल पुत्र भजन निवासी पटखौली थाना सुरौली देवरिया की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगी हुई हैं। शीघ्र गिरफ्तारी कर ली जाएगी। पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपये का नगद इनाम प्रदान किया है।

शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के अध्यक्ष वसीम अंसारी ने जिला कैम्प कार्यालय पर प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया

● उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में संगठन सृजन अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है।

जिला कार्यकारिणी के गठित होते ही संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका है।

स्वतंत्र प्रभात

भदोही/उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कल जनपद भदोही का पद भार ग्रहण समारोह श्यामधर स्मारक,कठौता, गोपीगंज में अपराह्न 3 बजे आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव / पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार, *राजेश तिवारी रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोऑर्डिनेटर सत्यवीर सिंह व दयाशंकर पाण्डेय उपस्थित रहेंगे। जहां एक ही मंच पर जिला कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर हम अपनी नेता सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कुशल नेतृत्व में, जननायक राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के सिद्धान्तों को समाहित करते हुए एवं प्रियंका गांधी वाड्रा के उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए हम एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि सभी पदाधिकारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारियों की शपथ दिलाकर यह संकल्प दिलाया जायेगा कि आज भाजपा शासनकाल में जिस तरह से समाज में नफरत फैलाई जा रही है, संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसे दौर में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधीवादी सिद्धान्तों को अपनाकर ही हम लड़ेंगे।

जिले में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में जिले एवं शहर के पदाधिकारियों को एक साथ एक मंच पर शपथ दिलाई जायेगी। इस कार्यक्रम में हम जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित करेंगे, उनके मार्गदर्शन में कार्य करेंगे और उनके अनुभवों का लाभ लेते हुए जमीन पर एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के सभी फ्रंन्टल, विभाग एवं प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष/चेयरमैनों को आमंत्रित किया जायेगा एवं उन्हें उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया जायेगा। हम संकल्पित हैं कि आगामी 15 अगस्त तक हम बूथ स्तर तक कमेटियां गठित कर एक मजबूत और जमीनी संगठन का निर्माण करेंगे। आने वाले पंचायत चुनाव में हम पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष डा राजेंद्र कुमार दूबे राजन,जिलाउपाध्यक्ष राजेश्वर दूबे,व प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस नाज़िम अली जी उपस्थित रहें।

चित्रकूट समेत सम्पूर्ण बुंदलेखण्ड के विकास की चिंता करते है सीएम योगी

● भाजपा जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को जिले में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए यहां की प्रमुख समस्याओं से भी अवगत कराया। सीएम योगी से मुलाकात कर चित्रकूट लौटे जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य और जिला मंत्री मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि चित्रकूट जनपद का विकास सीएम योगी की प्राथमिकता में शामिल है। यहां के विकास के लिए सीएम योगी व्यक्तिगत रुचि रखते हैं। उन्होंने इस बार सीएम योगी से मुलाकात के दौरान कर्वी के कसहाई, बूढ़ा सेमरवार, राजापुर मार्ग को टू-लेन करते हुए भारत रत्न नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित दीनदयाल संस्थान गनीवां को जोड़ने की मांग की है। साथ ही भरतकूप के ग्रामीण क्षेत्र की समस्या को ध्यान में रखते हुए भरतकूप को विकासखंड का दर्जा दिए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में वर्गीकरण कर गाय और बछड़े अलग-अलग करके उनकी नस्ल सुधार पर भी काम किया जाना चाहिए। इसी प्रकार जिले में मेडिकल कॉलिज की स्थापना की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि चित्रकूट में पर्यटन की अपार संभावना के दृष्टिगत मंदाकिनी नदी को स्वच्छ बनाए रखने के लिए गोमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर यहां भी मंदाकिनी रिवर फ्रंट बनाया जाना चाहिए। जिससे यहां के पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि जिले के विकास को लेकर हुई चर्चा के दौरान सीएम योगी ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए चित्रकूट का संपूर्ण विकास करने की बात कही है। इसके अलावा संगठनात्मक मुद्दों पर भी सीएम योगी ने बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने और पात्रों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने जनपद में पंजीकृत बड़े विलेखों में से 2 विक्रय विलेख का स्टांप देयता की दृष्टि से किया स्थल निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

भदोही/ जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा जनपद में पंजीकृत बड़े विलेखों में से 2 विक्रय विलेख का स्टांप देयता की दृष्टि से स्थल निरीक्षण किया गया। पहला मौजा बाग रुस्तम खान और दूसरा मौजा हरियाव। मौजा बाग रुस्तम खान का विलेख प्रलेखनुसार सही पाया गया जबकि हरियाव के विलेख में निर्माण कम दर्शाया गया था।जिसमें नियमानुसार स्टांप वाद दायर कर कमी स्टांप शुल्क की वसूली की जाएगी। निरीक्षण में हरियाव भूमि की जांच में निर्माण कम दर्शाया पाया गया,जिसमें स्टांप वाद दायर कर स्टांप कमी की वसूली की जाएगी।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी और राजस्व की हानि नहीं होने दी जाएगी।

कस्बा रुस्तम में किए गए निरीक्षण में प्रलेखानुसार सही स्टाम्प शुल्क पाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उन्होंने स्टांप शुल्क की वसूली में पारदर्शिता और ईमानदारी बरती है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने उप निबंधक को निर्देश दिया कि भूमि विक्रय अभिलेखों की जांच नियमित रूप से की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व की वसूली और अनियमितताओं पर रोक लगाना उनकी प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार, उप निबंधक कार्यालय द्वारा भूमि विक्रय अभिलेखों की जांच और स्टांप शुल्क की वसूली में और अधिक सख्ती बरती जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में एआईजी स्टांप पंकज कुमार, उप जिलाधिकारी भदोही अरुण गिरी, सब रजिस्टर भदोही आदि उपस्थित रहे।

पौध रोपण कर दिया वन संरक्षण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात

राजापुर, चित्रकूट: वृहद पौधरोपण महाभियान पखवाड़ा के अंतर्गत तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रगौली एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पर्यावरण शुद्ध करने के उद्देश्य से वृहद पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी राकेश कुमार द्विवेदी ने अपनी मां सुधा द्विवेदी के नाम पर रोपित कर किया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को दूर करने के लिए दूर करने के लिए पौधरोपण करना अत्यंक आवश्यक है। पौधे मानव को ऑक्सीजन देकर स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

पौधों के संरक्षण के साथ ही नदी, तालाबों का अस्तित्व और जल संरक्षण के माध्यम से पर्यावरण को शुद्ध किया जा सकता है। जिससे वन्य जीवों को भी संरक्षण मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी छिपे पौधों का कटान तेज रफ्तार से चल रहा है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पौधों के कटान पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया है। बताया कि ग्राम पंचायत में यमुना नदी के तट पर भी कटान को रोकने के लिए सैकड़ों पौधे रोपित किए जाएंगे। समाजसेवी प्रभास्कर दत्त द्विवेदी ने कहा कि पौघे धरती के आभूषण है, इन्हें नष्ट करना या काटना दण्डनीय अपराध है। जिस प्रकार से परिवार में बच्चों का पालन पोषण किया जाता है, उसी प्रकार पौधों का पालन पोषण करना सामाजिक दायित्व है। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर उसका संरक्षण करें। इस मौके पर कृष्ण दत्त द्विवेदी, सीताराम द्विवेदी, अनुज द्विवेदी, सुनील पांडेय, शिवपूजन गुप्ता, सुनील मिश्रा, अनिल जायसवाल, अनु मिश्रा आदि मौजूद रहे।

संभल हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख की आर्थिक सहायता

स्वतंत्र प्रभात

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, "संभल, उत्तर प्रदेश में दुर्घटना के कारण जानमाल के नुकसान से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी।"

दरअसल, शुक्रवार शाम थाना जुनावई क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर जनता इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। सभी बोलेरो सवार संभल के ग्राम हरगोविंदपुर (थाना जुनावई) के रहने वाले थे। वे बिल्सी (जिला बदायूं) बारात लेकर जा रहे थे। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर जनता इंटर कॉलेज की दीवार से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही दूल्हे समेत 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घायल 5 लोगों को गंभीर अवस्था में अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही रवि, कोमल और मधु ने दम तोड़ दिया। अब तक कुल 8 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

घटना की सूचना मिलते ही संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई और एएसपी अनुकृति शर्मा घटनास्थल पहुंचे। बोलेरो में फंसे घायलों को कड़ी मशक्कत करके गाड़ी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को प्राथमिक उपचार दिलवाया। प्राथमिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और ड्राइवर की लापरवाही को बताया गया है। स्थानीय प्रशासन पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए किया गया प्रेरित

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली एवं जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति चित्रकूट के संयुक्त तत्वाधान में चलाए रहे पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत जनपद में विभिन्न रैली निकालकर व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन कर विद्यार्थियों व लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत विकासखण्ड मानिकपुर के ग्राम पंचायत सरैयां के मजरा घाटी कोलान मे रैली निकाल कर ग्रामवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

इसी क्रम मे कर्वी नगर के जेएम सिंह बालिका इण्टर कॉलिज मे पौघरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही रैली निकालकर समाज को पर्यावरण जागरूकता का सन्देश दिया गया। इसके अलावा पहाडी के रघुवीर प्रसाद कन्या इण्टर कॉलिज में संगोष्ठी तथा पौधरोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था सचिव शंकर दयाल ने कहा कि लोगो को पर्यावरण के प्रति संवेदित करने के लिए प्रत्येक वर्ष नई थीम के साथ पांच जून को विश्व मे पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। जिसकी इस वर्ष की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन अर्थात प्लास्टिक के प्रदूषण को समाप्त करना है। जिसके तहत लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, रिसाइक्लिंग को बढावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वन्दना गुप्ता ने कहा कि बढते पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्ष लगाना बहुत आवश्यक है। कार्यकर्ता आदित्य मिश्रा ने कहा कि लोग प्रतिदिन सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते है, जो हमारे पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुचाता है। जिसके प्रति अभियान चलाकर लोगो को प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान सभी को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, दैनिक जीवन मे पर्यावरण के अनूकूल आदतो को अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

बागपत- दिल्ली से हरिद्वार जा रहे कपल की स्कूटी हादसे का शिकार, युवक की मौत, युवती घायल

स्वतंत्र प्रभात

बागपत। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दिल्ली के युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी महिला मित्र गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब दोनों स्कूटी पर सवार होकर दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, मृतक युवक समीर दिल्ली के बुराड़ी इलाके का रहने वाला था और अपनी गर्लफ्रेंड रचना नागर के साथ स्कूटी पर हरिद्वार जा रहा था। जैसे ही वे बागपत-मुज़फ्फरनगर रोड पर स्थित कान्हड़ गांव के समीप पहुंचे, स्कूटी अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल से टकरा गई।

टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि समीर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) लाया गया, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक समीर ने इलाज शुरू होने के महज दो मिनट के भीतर ही दम तोड़ दिया। हादसे में युवती रचना नागर भी घायल हुई है, जिसे प्राथमिक उपचार दिया गया है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। यह हादसा न केवल तेज रफ्तार और लापरवाही की चेतावनी है, बल्कि यात्रा करते समय सुरक्षा मानकों का पालन करने की भी गंभीर आवश्यकता को उजागर करता है।

ग्रेटर नोएडा में नवचयनित 231 आरक्षियों के लिए जेटीसी प्रशिक्षण शुरू

स्वतंत्र प्रभात

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती-2023 के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों के लिए प्रदेश भर में जॉइनिंग ट्रेनिंग कोर्स (जेटीसी) की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में 231 नवचयनित अभ्यर्थियों (213 पुरुष व 18 महिलाएं) के लिए जेटीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई यह प्रशिक्षण व्यवस्था न केवल तकनीकी और व्यावहारिक पुलिसिंग पर आधारित है, बल्कि यह अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों पर भी केंद्रित है।

प्रशिक्षण स्थल पर अभ्यर्थियों के लिए आधुनिक, शैक्षणिक, भौतिक, चिकित्सा एवं खेलकूद संबंधी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्रशिक्षण केंद्र में आवास, पौष्टिक भोजन, स्वच्छता, मनोरंजन, पुस्तकालय, जिम और डिजिटल कक्षाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए दो चिकित्सक और दो प्रशिक्षित नर्सों को नियुक्त किया गया है। पुलिस लाइन, सूरजपुर में एक माह का जेटीसी प्रशिक्षण संचालित हो रहा है, जिसके बाद नौ माह का रिक्रूट ट्रेनिंग कोर्स (आरटीसी) आयोजित किया जाएगा। जेटीसी के दौरान अभ्यर्थियों को आंतरिक विषयों जैसे उत्तर प्रदेश पुलिस का इतिहास, पुलिस प्रतीक चिन्ह, संविधान, मानवाधिकार, सोशल मीडिया नीति, नैतिकता आदि की जानकारी दी जा रही है। वहीं, बाह्य प्रशिक्षण में शारीरिक व्यायाम, योग, मार्चिंग, वर्दी अनुशासन, सैल्यूटिंग आदि का अभ्यास कराया जा रहा है।

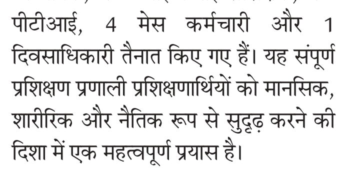

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए एक अनुभवी टीम गठित की गई है, जिसमें पुलिस उपायुक्त मुख्यालय रवि शंकर निम को नोडल अधिकारी व सहायक पुलिस आयुक्त हेमंत उपाध्याय को प्रशिक्षण प्रभारी बनाया गया है। इनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्रशिक्षण व्यवस्था में कुल 9 पैडागॉजी अध्यापक, 19 आईटीआई प्रशिक्षक, 10 पीटीआई, 4 मेस कर्मचारी और 1 दिवसाधिकारी तैनात किए गए हैं। यह संपूर्ण प्रशिक्षण प्रणाली प्रशिक्षणार्थियों को मानसिक, शारीरिक और नैतिक रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

संक्षिप्त खबरें

नैनो डीएपी और नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव फसल की वृद्धि एवं पोषण के लिए लाभकारी है

प्रयागराज। इफको फूलपुर इकाई ने ग्र चैमलपुर,फूलपुर में जागरूकता कार्यक्रम के रूप में किसान चौपाल का आयोजन किया। इस अवसर पर कोर्डेट प्राचार्य डॉ डी.के.सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि नैनो डीएपी तरल का प्रयोग बीज शोधन हेतु करें। बीजों को 5 मि.ली. नैनो डीएपी प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने के पश्चात 30-35 मिनट तक छांव में सुखाना चाहिए, तत्पश्चात ही बुवाई करें। उन्होंने यह भी बताया कि नैनो डीएपी और नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव फसल की वृद्धि एवं पोषण के लिए लाभकारी है। जनसम्पर्क अधिकारी स्वयम् प्रकाश ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को नवीन कृषि तकनीक, नैनो उर्वरकों के लाभ, मृदा संरक्षण, एवं मिट्टी की जांच की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना है इफको कोर्डेट की टीम ने ड्रोन तकनीक से छिड़काव की विधि भी समझाई। इफको की तरफ से निमोली की खरीद (17 रुपये प्रति किलोग्राम)के बारे में जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नैनो तकनीक आधारित खेती में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर राजेश सिंह उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार!

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 36/2025 धारा 137(2)/87/64 बी0एन0एस0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त बाल कुमार यादव उर्फ विनोद सिंह पुत्र स्व0 अमरजीत यादव निवासी सिरखिड़ी थाना मेजा जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 05.07.2025 को जीरो रोड बस स्टैण्ड थाना क्षेत्र कोतवाली से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- बाल कुमार यादव उर्फ विनोद सिंह पुत्र स्व0 अमरजीत यादव निवासी सिरखिड़ी थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष।

जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर, मोहर्रम को लेकर प्रशासन सतर्क

बृजभूषण तिवारी

गोंडा- तहसील गोंडा सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा और पुलिस अधीक्षक ने जनता की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर 112 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष मामलों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण रूप से निपटाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध कब्जे, तालाब, चकरोड, व सार्वजनिक स्थानों से जुड़े मामलों की मौके पर जांच कर पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करें। शिकायतकर्ता की उपस्थिति, फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराई जाए। समाधान दिवस के बाद डीएम ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। किसी भी संभावित समस्या की स्थिति में तत्काल सूचना देने को कहा गया। बैठक में जिले के वरिष्ठ अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोर्डेट फूलपुर में शुरू हुई नीम कौड़ी की खरीद

प्रयागराज। कोर्डेट इफको फूलपुर के नीम तेल संयंत्र पर सत्र 2025- 26 हेतु साफ सुथरी व सुखी नीम कौड़ी की खरीद प्रारंभ कर दी गई है। प्रधानाचार्य डॉक्टर डी के सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की किसान भाई एवं ग्रामीण जन, साफ सुथरी व सुखी नीम कौड़ी संस्थान में लाकर के 17 रुपए किलो की दर से बिक्री कर सकते हैं। ध्यान देने की बात यह है कि नीम कौड़ी में 25% नमी एवं 8% बाह्य सामग्री की छूट होगी उसके ऊपर की नमी या बाह्य सामग्री पर नमी कटौती करके भुगतान दिया जाएगा। आज प्रथम दिन दो ग्रामीण जन प्रवेश कुमार ग्राम अतरौरा एवं राजेश कुमार ग्राम हैबतपुर से नीम कौड़ी की खरीद की गई। मौके पर नीम तेल संयंत्र प्रभारी राजेश कुमार सिंह, सहायक कौशलेश कुमार, वीरेंद्र सिंह , मुकेश तिवारी सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

हथियारों संग युवती ने बनाई रील, मुकदमा दर्ज; 'यदुवंशी शेरनी' के नाम है आईडी

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवती को इंस्टाग्राम रील (रील) बनाना भारी पड़ गया। उसके खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। युवती अपनी कमर में अवैध तमंचा लगाकर, पिस्टल और राइफल लहराते हुए एक्शन करते दिखाई दे रही है। उसकी सभी रील दबंगई वाले गानों पर हैं। एफआईआर लिखे जाने के बाद भी युवती ने दबंगई दिखाई। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा-'प्रशासन हमको फेमस करने की कोशिश कर रहा है।'

यह सभी रील्स 'यदुवंशी शेरनी' नाम से बने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की गई थीं। रील्स में युवती कभी कमर में तमंचा लगाए हुए, तो कभी बेड पर लेट हुए पिस्टल से चूमते हुए नजर आ रही है।

एक अन्य वीडियो में वह राइफल के साथ दबंगई स्टाइल में पोज दे रही है। इन सभी वीडियो के बैकग्राउंड में दबंगई और धमकी भरे गाने भी बज रहे थे। यह रील्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। तो कई यूजर्स ने इनका लिंक प्रयागराज पुलिस के एक्स (ट्विटर) हैंडल पर शेयर कर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले का संज्ञान लेते हुए डीसीपी ने 17 जून को कैंट थाना प्रभारी को जांच के निर्देश दिए। जांच में वीडियो सही पाए जाने पर जार्जटाउन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सभी रील्स हटा दी हैं। लेकिन तब तक ये वीडियो वायरल हो चुके थे और पुलिस के पास उनकी कॉपी पहले से मौजूद है।

प्रयागराज पुलिस हथियारों की वैधता की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि जो असलहे वीडियो में दिखाए गए हैं, वो किसके नाम पर हैं। वैध हैं या नहीं। यदि कोई हथियार लाइसेंसी है, तो पुलिस उस लाइसेंस को निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर सकती है। एसीपी सिविल लाइंस अभिजीत कुमार ने बताया- सोशल मीडिया के माध्यम से एक वायरल वीडियो संज्ञान में आया। जिसमें एक महिला द्वारा शस्त्र प्रदर्शन किया जा रहा था। इस घटना पर तत्काल एक्शन लेते हुए थाना जॉर्जटाउन ने मुकदमा दर्ज किया गया है। रील्स बनाने के नाम पर हथियारों का ऐसा दुरुपयोग एक गंभीर अपराध है। ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्ण पारदर्शिता अपनाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि कोई बाहरी ताकतें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के कामकाज में हस्तक्षेप न करें- सीजेआई गवई

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण गवई ने शुक्रवार को कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में कोई 'बाहरी हस्तक्षेप' न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम 'पारदर्शिता की पूर्ण प्रक्रिया' अपनाएगा।मुख्य न्यायाधीश ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता द्वारा हाल ही में दिए गए भाषण का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम के कामकाज और न्यायाधीशों की नियुक्ति में "बाहरी ताकतों" के हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया था। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, "मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम पारदर्शिता की पूर्ण प्रक्रिया अपनाएंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जाए।"

उल्लेखनीय है कि 29 जून को न्यायमूर्ति दत्ता ने पुणे में दिए भाषण में समाज को यह बताने की आवश्यकता पर बल दिया था कि यदि न्यायाधीशों को न्यायाधीशों की नियुक्ति करनी होती तो सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सभी सिफारिशों पर अमल किया जाता।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा था, "लेकिन ऐसा नहीं होता है। जब मैं 2019 में कलकत्ता उच्च न्यायालय कॉलेजियम का सदस्य था, तो हमने एक वकील को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी, लेकिन उस पर अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है और अब छह साल हो गए हैं। ऐसा क्यों होता है? कोई भी इस पर सवाल नहीं उठाता है। इसलिए, बाहरी ताकतें जो कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करने से रोकती हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए और मुझे लगता है कि जो भी कार्रवाई लंबित है उसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योग्यता, योग्यता और केवल योग्यता पर विचार किया जाए न कि बाहरी विचारों पर।"

शुक्रवार को सीजेआई गवई ने इसका जवाब देते हुए कहा कि कॉलेजियम जजों की नियुक्ति की पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया अपनाएगा।सीजेआई गवई ने कहा, "सीजेआई खन्ना के कार्यकाल के दौरान, हमने और अधिक पारदर्शिता लाने की कोशिश की है... पिछले दो दिनों से, हमने 54 उम्मीदवारों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए और कल हमने 34 नियुक्तियों की सिफारिश की... मुझे वास्तव में खुशी है कि आज हमारे पास बॉम्बे उच्च न्यायालय के लिए दो नए न्यायाधीश हैं और मैं उन्हें बधाई देता हूं और मुझे खुशी है कि उन्होंने इस भवन में प्रवेश करने से पहले ही शपथ ले ली... "

मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि बंबई उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की अधिक संख्या का एक कारण 'रिक्तियां' है, उन्होंने कहा, "जहां तक मेरे अपने उच्च न्यायालय का सवाल है, मैं आश्वासन दे सकता हूं कि जो भी नाम सुझाए जाएंगे, हम उनका अनुपालन करने का प्रयास करेंगे और यथाशीघ्र बंबई उच्च न्यायालय पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर देगा, ताकि लंबित मामलों का मुद्दा कम से कम कुछ हद तक हल हो जाए..." मुख्य न्यायाधीश बॉम्बे बार एसोसिएशन (बीबीए) द्वारा आयोजित अपने सम्मान समारोह में बोल रहे थे।अपने भाषण में मुख्य न्यायाधीश गवई ने दोहराया कि उन्होंने और दो पूर्व मुख्य न्यायाधीशों- मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और मुख्य न्यायाधीश उदय ललित ने इस धारणा को दूर करने का प्रयास किया है कि सर्वोच्च न्यायालय एक "मुख्य न्यायाधीश-केंद्रित" न्यायालय है। उन्होंने कहा, "मेरे सीजेआई बनने के बाद, बल्कि सीजेआई संजीव खन्ना से पहले और यहां तक कि सीजेआई उदय ललित के कार्यकाल के दौरान भी ... मैंने हमेशा स्पष्ट किया है कि भारत का सर्वोच्च न्यायालय सभी न्यायाधीशों का न्यायालय है... सीजेआई समान लोगों में प्रथम है... हमने इस धारणा को दूर करने का प्रयास किया है कि सुप्रीम कोर्ट सीजेआई-केंद्रित न्यायालय है।" इसके पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और विक्रम नाथ की मौजूदगी वाला कॉलेजियम मध्य प्रदेश, पटना और इलाहाबाद सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों में रिक्तियों को भरने के लिए मंगलवार, 1 जुलाई से उम्मीदवारों के साथ बैठकें और साक्षात्कार किया। उम्मीदवारों के बायोडाटा और कार्य क्षेत्र के बारे में गहनता से विचार किया।

ऐसा माना जाता है कि बैठकें मंगलवार सुबह शुरू हुईं और बुधवार तक जारी रहीं। एक दिन जिला न्यायपालिका के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित था, जबकि दूसरे दिन बार के उम्मीदवारों का साक्षात्कार हुआ। बार एंड बेंच को पता चला है कि कॉलेजियम के तीनों न्यायाधीशों ने उम्मीदवारों के साथ लंबी बातचीत की, जिनमें से प्रत्येक ने लगभग आधे घंटे तक बातचीत की। लंबी आभासी/भौतिक बातचीत का उद्देश्य उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले प्रस्तावित उम्मीदवारों की क्षमता और योग्यता का आकलन करना है। ये सब न्यायालय की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान हो रहा है, जब न्यायाधीश न्यायिक नियुक्तियों से संबंधित कार्यों सहित प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं।हालांकि बातचीत/साक्षात्कार प्रक्रिया नई नहीं है, लेकिन मौजूदा कॉलेजियम ने उम्मीदवारों का बेहतर मूल्यांकन करने के लिए बातचीत को और अधिक कठिन बना दिया है। इससे पहले, कॉलेजियम उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति करते समय संबंधित राज्य सरकार, संबंधित उच्च न्यायालय से आने वाले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और खुफिया ब्यूरो (आईबी) की फाइलों/इनपुट पर निर्भर करता था। 1 जुलाई तक, देश भर के 25 उच्च न्यायालयों में 371 रिक्तियां हैं। इसके बाद कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्ट में नियुक्तियों की सिफारिश भी की है।

गोंडा में बिना लाइसेंस और नकली कृषि रक्षा रसायन बेचने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

● प्रत्येक विक्रेता को एफआईआर से बचने हेतु नियमों का पालन करना अनिवार्य- कृषि रक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। खरीफ फसलों की बुवाई और रोग-कीट नियंत्रण के इस महत्वपूर्ण समय में कृषि रक्षा रसायनों की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने एक सख्त चेतावनी जारी की है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बिना लाइसेंस और नकली कृषि रक्षा रसायन बेचने वाले कोटनाशी विक्रेताओं पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

कृषि विभाग ने विक्रेताओं के लिए निम्न दिशा-निर्देश जारी किए हैं-

सभी विक्रेताओं के पास वैध विक्रय लाइसेंस होना अनिवार्य है।

प्रत्येक बिक्री केंद्र पर स्टॉक बोर्ड लगाना होगा, जिसमें उपलब्ध रसायनों की सूची व दर अंकित होनी चाहिए।

किसानों को बिक्री के समय बिल, रसीद और रसायनों के प्रयोग की विधि की जानकारी देना अनिवार्य है।

कालातीत रसायनों की बिक्री पूरी तरह वर्जित है।

हर माह के अंत में स्टॉक विवरण कार्यालय को देना आवश्यक है।

प्रत्येक फुटकर विक्रेता को केवल पंजीकृत थोक विक्रेता से ही खरीद करनी होगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की लापरवाही या नियमों की अवहेलना पर कृषि रक्षा अधिनियम 1968 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी और समस्त जिम्मेदारी विक्रेता की होगी।उन्होंने सभी विक्रेताओं से अपील की है कि वे नियमों का कड़ाई से अनुपालन करें और किसानों के हित में गुणवत्तायुक्त रसायनों की बिक्री सुनिश्चित करें।

सोनभद्र आदिवासियों की फसल रौंदी, दबंगों पर कार्रवाई न होने से विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र, उत्तर प्रदेश सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मड़कुड़ी में दबंगों द्वारा आदिवासियों की बोई गई फसल को ट्रैक्टर से जोतकर रौंदने का मामला सामने आया है। आदिवासियों का आरोप है कि मना करने पर उन्हें गाली दी गई और जान से मारने की धमकी भी मिली। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से आक्रोशित आदिवासियों ने शनिवार, 5 जुलाई 2025 को रॉबर्ट्सगंज तहसील पर विरोध प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर संपूर्ण समाधान दिवस में सीओ सदर को शिकायती पत्र सौंपा। सीओ ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शिकायती पत्र में आदिवासियों - रामकुमार, छोटेलाल, कलवती, बुद्धू, केशरी, सुरसती, निर्मला और अन्य - ने बताया है कि वे अनुसूचित जनजाति गोंड बिरादरी से संबंधित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 4 जून 2025 की सुबह लगभग 10 बजे, शिवमूरत, अमरनाथ, अमृतलाल और जमुनी नाम के दबंगों ने मिलकर उनकी पुश्तैनी जमीन पर, जिसमें अरहर और मक्के की फसल बोई गई थी, ट्रैक्टर चलाकर फसल को पूरी तरह रौंद दिया। जब आदिवासियों ने इसका विरोध किया, तो दबंगों ने उन्हें भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। आदिवासियों ने यह भी बताया कि जब उन्होंने पुलिस चौकी में शिकायत करने की बात कही, तो दबंगों ने दावा किया कि उन्होंने %दीवान जी% के कहने पर खेत जोता है, जो पुलिस की संलिप्तता की ओर इशारा करता है। इतना ही नहीं, आदिवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दिनों पहले, दबंगों ने अपने रिश्तेदार तेजबली, जो लौका खाड़ी कचनरवा, थाना कोन, जिला सोनभद्र का निवासी है, के साथ मिलकर सहखातेदार पारसनाथ के साथ धोखाधड़ी और जालसाजी की है। आदिवासियों का कहना है कि 10 रुपये के स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करवाकर 4 बिस्वा जमीन के बदले उनकी 5 बीघा जमीन हड़पने की कोशिश की जा रही है।आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन और शिकायती पत्र के बाद, सीओ सदर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच करवाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। अब देखना होगा कि इस मामले में पुलिस प्रशासन क्या कदम उठाता है और आदिवासियों को न्याय मिल पाता है या नहीं।

कैंब्रिज स्कूल एंड कॉलेज के नवनिर्मित "सिंदूर" बहुउद्देशीय कक्ष का हुआ उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

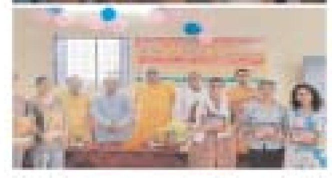

शंकरगढ़ (प्रयागराज) शंकरगढ़ क्षेत्र के कैम्ब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज में शुक्रवार को नवनिर्मित "सिंदूर" बहुउद्देशीय कक्ष एवं बोर्ड परीक्षा 2025 में कैम्ब्रिज हाईस्कूल एण्ड कॉलेज एवं एन एस के इंटर कॉलेज के मेधावी छात्र-छात्राओं का संयुक्त सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नवनिर्मित कक्ष का उद्घाटन एवं बोर्ड परीक्षा 2025 के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान मुख्य अतिथि डॉक्टर के पी श्रीवास्तव विधान परिषद सदस्य के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ के पी श्रीवास्तव ने कहा कि कैम्ब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज एवं एन एस के इंटर कॉलेज शंकरगढ़ के छात्र एवं छात्राएं अपनी मेहनत और लगन के दम पर आज प्रदेश में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। यह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब इस कक्ष का निर्माण हो रहा था तो उस समय देश में ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था।इसी से प्रेरित होकर मैंने इस कक्ष का नाम "सिंदूर" बहुउद्देशीय कक्ष रखा। जिससे छात्र-छात्राओं एवं आने वाली पीढ़ी को इस उपलब्धि के विषय में जानकारी और देश भक्ति, बलिदान की प्रेरणा मिलती होती रहे।

अंत में उन्होंने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व डिप्टी मेयर एवं व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य मुरारी लाल अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के जिला धर्माचार्य शिवदत्त मिश्र, पूर्व जिला अध्यक्ष विभवनाथ भारती, समाजसेवी मसूरियादीन वर्मा, समाजसेवी कुंजन लाल मिश्रा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष अरविंद केसरवानी उपसेन द्विवेदी, सोमनाथ वर्मा, दीपक सिंह, करुणा पति त्रिपाठी, दीपक केसरवानी सुजीत केसरवानी, लाला द्विवेदी, उमा वर्मा, पूर्व प्रधान पंडित राजनाथ दुबे, पूर्व प्रधान संजीव मिश्रा, पूर्व प्रधान अरुण सिंह, एन एस के इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रताप बहादुर,अशोक त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, कैम्ब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडे, मनी शंकर दुबे, मनोज तिवारी, इमरान अहमद, पंकज श्रीवास्तव, अखिलेश पांडेय, पंकज मिश्रा, राजेश गोस्वामी, रीतू सुसारी, रेखा सिंह,रीना गोस्वामी, सिम्मी गुप्ता, कामिनी सिंह, आभा मिश्रा, सोनाली पांडेय, राजेश सिंह, संदीप सिंह, पुष्पराज सिंह, कमलाकर सिंह आदि दोनों विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं व नगर के सम्मानित गण उपस्थित रहे।

दुलदुल का जुलूस निकाला गया

● फूलपुर हवेली के जामा मस्जिद से परंपरागत ढंग से निकला सातवीं मोहर्रम का बड़ा अलम।

रास्तों में शरबत, काफी और लंगर का भी किया गया इंतजाम।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। नगर पंचायत फूलपुर में को सातवी मोहर्रम के अवसर पर परंपरागत ढंग से दुलदुल का बृहस्पतिवार कोजुलूस निकाला गया ,पूरे कस्बे में विभिन्न करतबों और मातम के साथ रास्ते भर नौहा पढ़ते हुए चलते रहे, जुलूस को देखरेख के लिए प्रशासन भी मुस्तैद रहा,साथ ही इसमें गंगा जमुनी तहजीब भी देखने को मिली। हवेली के जामा मस्जिद से बड़ा अलम सुबह के 10 बजे निकला, बड़ा अलम निकाल करके मुल्लाना के इमामबाड़ा में पहुंचने के बाद दुलदुल निकाला गया, दुलदुल बदरूल हसन जैदी उर्फ इरफान के घर से निकाला गया। मुल्लाना से जुलूस अपने कदीमी रास्ते से कोहना होते हुए 2.30 बजे दिन कैथाना मोहल्ला के इमामबाड़ा पहुंचा।

कैथाने के मोतावल्ली खुर्शीद अकबर ने काफी का लंगर किया मो कामिल ने शरबत का लंगर किया मोहल्ले के अन्य लोगों द्वारा भी काफी जगह पर लंगर किया जाता रहा, दुलदुल को लोग किशमिश, दूध जलेबी,खिलाकर चादर चढ़ाकर लोग मन्नत भी मांगते नजर आए। सत्तर अहमद के नेतृत्व में जुलूस के आगे आगे हुसैनी अखाड़ा के करतबबाजों ने विभिन्न तरीकों से करतब रास्ते भर दिखाते रहे।

जुलूस कैथाने से निकलकर नई बस्ती से होकर मोहल्ला शुक्लाना, जाफरगंज, इस्माइलगंज, होता हुआ बानगी बाजार पहुंचा यहां पर अंजुमने अब्बासिया के लोगों ने नौहा पढ़ा, फिर मातम किया, जुलूस का इस्तेकबाल सज्जा नशीन खुर्शीद रब्बानी ने किया मातम के बाद जुलूस बराईटोला, दुनियागंज, कर्नलगंज, जमीलाबाद, पूरा अच्छई, बाबूपुर, शेखपुर, से होकर रात में वापस मुल्लाना पहुंचेगा। जुलूस में बदरूल हसन जैदी, जलालत हुसैन उर्फ शेखू भाई, हाजी अंसार आलम, अकिल मो अरशद दानिश, सेराज अंसारी, रिजवान, शम्मू, ईशान जैदी, जमन, जेमी, नजम, अब्दुल्लाह मेंहदी, खुर्शीद अकबर, अरशद गुलरेज, गुड मैन, सलमान, सूफियान, जैद, इकबाल, मो, रूमी, तनवीर, ब्लागत हुसैन आदि लोग मौजूद रहें। जुलूस में प्रशासन भी मुस्तैदी से मौजूद रहा।

गौरा विधायक प्रभात वर्मा ने पत्रकार अशोक श्रीवास्तव के घर पहुँचकर जताया शोक

● स्व. योगेंद्र श्रीवास्तव के निधन पर परिजनों को दी सांत्वना, कहा- दुख की इस घड़ी में पूरा समाज साथ है

स्वतंत्र प्रभात

मनकापुर, गोंडा। गौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रभात कुमार वर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार श्रीवास्तव के पैतृक आवास केशव नगर ग्रांट पश्चिमी टेंगनहवा पहुंचकर उनके पिता स्वर्गीय योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।विधायक श्री वर्मा ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना प्रकट करते हुए कहा।

"स्व. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव एक सरल, सामाजिक और विचारशील व्यक्तित्व के धनी थे। उनका जाना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में हम सभी परिजनों के साथ खड़े हैं।" परिजनों से संवाद के दौरान उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस असीम पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।ज्ञात हो कि सोमवार को स्व. योगेंद्र श्रीवास्तव का लंबी अस्वस्थता के बाद निधन हो गया था, जिसकी सूचना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। स्व. श्रीवास्तव एक सम्मानित और सामाजिक व्यक्तित्व के थे, जिन्हें ग्रामीण समाज में विशेष आदर प्राप्त था।

उपस्थित प्रमुख गणमान्य- विधायक के साथ इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनमें शामिल थे- किसान मोर्चा के जिला मंत्री बिन्देश्वरी प्रसाद वर्मा, सोहरत प्रसाद वर्मा, विक्रम प्रसाद वर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी कप्तान श्रीवास्तव 'गुरुजी', पूर्व प्रधान सूर्य कुँवर वर्मा, रोहित भारती, महेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सभी ने मिलकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

समाधान दिवस में आए फरियादियों को वितरित किए गए पौधे

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: जनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धितों को निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इसी क्रम में कर्वी तहसील में डीएम, एसपी व डीएफओ ने समस्या लेकर आने वाले फरियादियों को पौधों का भी वितरण किया।

सदर तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ निस्तारण के लिए निर्देशित किया। कहा कि नाली, चकरोड व तालाब पर फैले अतिक्रमण को तत्काल मौके पर पहुंचकर हटवाएं तथा भूमि संबंधी मामले में राजस्व, चकबंदी व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर निष्पक्ष निस्तारण कराएं। पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित मामलों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाएं। समाधान दिवस में गैरहाजिर रहने पर डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी सहित कुल 11 लोगो का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम, एसपी व डीएफओ ने फरियादियों को पौधों का वितरण कर कहा कि सभी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण अवश्य करें। इसके बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने तहसील परिसर में नीम व बरगद के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस मौके पर उपनिदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व/प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कुमार कटियार, उप जिलाधिकारी पूजा साहू, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी सत्यनारायण यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, उप कृषि निदेशक राजकुमार, अधिशासी अधिकारी जल निगम आशीष भारती, कर्वी कोतवाली प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी, नायब तहसीलदार मंगल यादव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका कर्वी लालजी यादव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुहर्रम को लेकर चला सफाई अभियान, बरही चौक गोलम्बर की हुई साफ सफाई

मुखिया शमशेर आलम के सौजन्य से चला स्वच्छता अभियान

बरही- मुहर्रम त्योहार को लेकर बरही प्रखंड क्षेत्र में साफ-सफाई और व्यवस्था को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में शनिवार को बरही पश्चिमी पंचायत के मुखिया शमशेर आलम के सौजन्य से बरही चौक पर गोलम्बर क्षेत्र की विशेष साफ सफाई कराई गई। सफाई अभियान का नेतृत्व मुखिया प्रतिनिधि टिंकू आलम ने किया। साफ-सफाई कार्य के दौरान विशेष रूप से बरही चौक गोलम्बर के आसपास जमा गंदगी और कूड़े-कचरे एवं झाड़ियों को हटाया गया ताकि मुहर्रम जुलूस के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुखिया शमशेर आलम ने बताया कि मुहर्रम का पर्व सामाजिक एकता, शांति और समर्पण का प्रतीक है। ऐसे में यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम साफ-सफाई और व्यवस्था को लेकर गंभीर रहें, ताकि शांति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाया जा सके।

छाया ज्वेलर्स में लूट, ग्राहक बनकर घुसे चोरों ने उड़ाए जेवर

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड- चौपारण प्रखंड में अपराधियों का हौसला इस कदर बुलंद हो चुका है कि वारदात को अंजाम देने से कही नहीं चूक रहे हैं। ऐसी ही एक सनसनीखेज घटना शुक्रवार शाम को सामने आई, जब स्थानीय बिनोद स्वर्णकार के छाया ज्वेलर्स दुकान से चोरों ने स्वर्णाभूषणों की चोरी कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार पहिया वाहन से आए अज्ञात अपराधी खुद को ग्राहक बताकर दुकान में घुसे। कुछ देर तक जेवरात देखने के बहाने बात करते रहे और मौका मिलते ही सोने के कीमती जेवरात लेकर चंपत हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे अपराधियों की पहचान में मदद मिल सकती है। घटना की सूचना चौपारण थाना पुलिस को मिल गई है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। बिनोद स्वर्णकार ने बताया कि चोर काफी शातिर ढंग से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। दुकान में मौजूद अन्य कर्मचारी भी उस समय कुछ समझ नहीं पाए। चोरी गए जेवरातों की कीमत लाखों में बताई जा रही है। इस घटना से स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में खौफ का माहौल है। व्यवसायियों ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

उल्टा रथ यात्रा की पुनीत बेला में श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धाभाव से खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड- बीते शनिवार को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा तथा बड़े भाई बलराम जी 27 जून को अपनी मौसी के यहां रहकर पुनः 5 जुलाई को अपने घर लौट आए हैं। जिसे आम जनमानस व श्रद्धालु उल्टा रथ यात्रा के नाम से जानते रहे हैं। कहते हैं, हरि अनंत हरि कथा अनंता। भगवान कहते हैं भक्त हमें जिस रूप और नाम से जानें, लेकिन भक्त की भक्ति पूर्ण पुकार से दौड़े चले आते हैं। भगवान अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम जी के साथ रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के यहां दुर्गा मंदिर से निकलकर पाकुड़िया बाजार परिभ्रमण करते हुए अपने घर शिव-काली मंदिर आ गए। इस उल्टा रथ यात्रा की मंगलमयी वेला में दुर्गा मंदिर के निकट परिसर में महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी समिति की ओर से वितरण किया गया। वहीं प्रांगण में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धन्य हुए। कहा जाता है - जगन्नाथ का भात, भक्तों का हाथ। बताया जाता है कि पाकुड़िया में सदियों उपरांत इस वर्ष उत्साहित तरुण भक्तवृंदों की सराहनीय पहल से पुनः पाकुड़िया में रथ यात्रा का श्रीगणेश हुआ है। रथ यात्रा से प्रखंडवासियों में अपार हर्ष है। लोगों को विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी पुनः रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा।

पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह दिल्ली एम्स पहुंचकर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की ली जानकारी

● झारखंड के विकास कार्यों को लेकर सौरभ नारायण सिंह और सीएम हेमंत सोरेन के बीच हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- हजारीबाग सदर के पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सौरभ नारायण सिंह ने दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में झारखंड के संरक्षक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक बाबा शिबू सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने बाबा के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान सौरभ नारायण सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की, जो अपने पिता बाबा शिबू सोरेन के साथ एम्स में मौजूद थे। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से बाबा के इलाज की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि बाबा झारखंड की आत्मा हैं, उनका स्वस्थ रहना पूरे राज्य के लिए आवश्यक है। पूर्व विधायक ने कहा कि बाबा शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति के एक स्तंभ हैं। उनके संघर्षों से यह राज्य बना है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ और इस कठिन समय में पूरे परिवार के साथ खड़ा हूँ। बता दें कि कुछ दिनों से बाबा शिबू सोरेन अस्वस्थ चल रहे हैं, जिसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से उनके समर्थक और शुभचिंतक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और लगातार उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सौरभ नारायण सिंह की इस मुलाकात को राजनीतिक से ज्यादा सामाजिक और मानवीय जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली स्थित एम्स में झारखंड के संरक्षक बाबा शिबू सोरेन से मुलाकात के बाद पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच राज्य के विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने झारखंड के भविष्य, जनता की जरूरतें और सरकार की प्राथमिकताओं पर आपसी विचार साझा किए। बातचीत के दौरान राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शैक्षणिक संस्थानों की मजबूती, सड़क और यातायात सुधार, तथा युवाओं को रोजगार से जोड़ने जैसे विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। सौरभ नारायण सिंह ने कहा कि झारखंड एक संभावनाओं से भरा राज्य है। सीएम हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर राज्य में उनके द्वारा शुरू की गई योजनाओं और उनकी प्राथमिकताओं को साझा करते हुए कहा कि झारखंड की जनता का भरोसा हमारे लिए सबसे बड़ी ताकत है, और हम हर वर्ग के लिए काम कर रहे हैं। इस मुलाकात को झारखंड की राजनीति में एक सौहार्दपूर्ण संवाद और सहयोग की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है। सौरभ नारायण सिंह ने यह भी कहा कि यदि सभी दल राज्य हित में साथ आएं तो झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में गिना जा सकता है। उन्होंने बाबा शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना के साथ झारखंड के सुनहरे भविष्य की उम्मीद भी जताई।

एससी-एसटी किसानों के लिए राहत- चौपारण में किसानों को नि:शुल्क बीज वितरण

● गौरियाकरमा कृषि अनुसंधान केंद्र की पहल, किसानों ने बताया ऐतिहासिक कदम

स्वतंत्र प्रभात

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड- चौपारण शनिवार को चौपारण प्रखंड के दैहर पंचायत में एससी और एसटी किसानों के बीच निःशुल्क खरीफ बीज वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन गौरियाकरमा स्थित आईसीएआर-आईएआरआई कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा किया गया। किसानों को मकई, मडुवा एवं सब्जियों के बीज वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुडिया, पथलगाड़ा, करगा, दुरागड़ा, सोहरा, हथिन्दर, भदान, कैरीपिपराही, लालकिसुन चक इचाक, दैहर, बोंगा सहित कुल सात गांवों के लगभग 80 एससी-एसटी किसान शामिल हुए। बीज वितरण कार्यक्रम में आईसीएआर से डॉ. कृष्ण प्रकाश एवं डॉ. शिल्पा केरकेट्टा, सीएसी एफपीओ के निदेशक दीपक कुमार तथा सीईओ कैलाश साव की प्रमुख भूमिका रही। सीएसी हजारीबाग चौपारण एफपीओ के माध्यम से किसानों तक बीज पहुंचाया गया। इस वितरण समारोह में मुखिया ब्रमदेव भुइयाँ की पहल की सराहना करते हुए किसानों ने उनके प्रति आभार जताया। मुखिया प्रतिनिधि नागेन्द्र कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की जानकारी दी। किसानों ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि पहली बार किसी संस्था के माध्यम से समय पर बीज मिला है, जो आमतौर पर सरकारी योजनाओं में संभव नहीं हो पाता। इससे वे काफी उत्साहित हैं और आनेवाले मौसम में बेहतर फसल की उम्मीद कर रहे हैं। डॉ. शिल्पा केरकेट्टा ने बताया कि संस्थान किसानों के साथ हर स्तर पर सहयोग के लिए तत्पर है और खेती से जुड़ी हर समस्या का समाधान वैज्ञानिक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों ने गौरियाकरमा अनुसंधान केंद्र और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया।

चोरदाहा में दर्दनाक हादसा, ईंट लदा ट्रैक्टर बना मौत का कारण, 29 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत

स्वतंत्र प्रभात

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड- बीते शनिवार को चोरदाहा पेट्रोल पंप से महज 100 मीटर की दूरी पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ईंट लदे ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बाइक में सीधी टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार 29 वर्षीय युवक राजदेव सिंह की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान चतरा जिला अंतर्गत राजपुर क्षेत्र के लुटा गांव निवासी राजदेव सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि राजदेव किसी काम से चौपारण की ओर आ रहे थे, तभी चोरदाहा में हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर तेज गति में था। ड्राइवर ने ट्रैक्टर पर नियंत्रण खो दिया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजदेव सिंह कई फीट दूर जाकर गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश अपने दल-बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चालक मौके से फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी आम बात हो गई है। प्रशासन से इस सड़क पर ट्रैफिक कंट्रोल और स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की जा रही है। राजदेव सिंह की मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार को मुआवजा और सरकारी सहायता देने की मांग की है।

सावन मेला 2025 शिवद्वार मंदिर का डीएम और एसपी ने किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, उत्तर प्रदेश। आगामी सावन मेला 2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोनभद्र के जिलाधिकारी (डीएम) बीएन सिंह और पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक मीणा ने घोरावल तहसील में स्थित लोकप्रिय शिवद्वार धाम मंदिर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान, डीएम और एसपी ने विकास खंड, विद्युत विभाग, जल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी, जिला पंचायत राज विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को मेले की तैयारियों में तेजी लाने और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

मंदिर के मुख्य प्रधान पुजारी सुबास गिरी ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया। शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अधिकारियों के साथ मिलकर श्रावण मेले की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करवाया। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने यात्रियों के रुकने और ठहरने के लिए विशेष इंतजाम करने पर जोर दिया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय सत्तद्वारी और प्राचीन कोर्ट शिवद्वार के पास यात्री निवास सेट लगाने के निर्देश दिए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में, एसपी अशोक मीणा ने सभी बैरियर प्वाइंट्स पर निगरानी बढ़ाने और पुख्ता सुरक्षा इंतजाम करने के लिए क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया। मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। शिवद्वार मंदिर मेला भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी बीएन सिंह, एसपी अशोक मीणा, सीएमओ सोनभद्र अवनीश कुमार, उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी पुलिस राहुल पांडेय, एसएचओ रामस्वरूप वर्मा, एडीओ पंचायत रामचरण, मुख्य पुजारी सुबास गिरी, सूर्यकांत दुबे, राघवेंद्र, शिवम, मोहित गिरी सहित शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति से अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र, सियाराम यादव (प्रधान सत्तद्वारी), कृष्णकांत दुबे (प्रधान बैजनाथ) और अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।यह निरीक्षण सावन मेले की सुचारू व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के प्रशासन के प्रयासों को दर्शाता है।

चौपारण पुलिस की कार्रवाई, अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड- चौपारण चौपारण पुलिस ने शनिवार को अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गई। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बालू लदे दो ट्रैक्टर को पकड़ा और जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन और बालू के गैरकानूनी परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों ट्रैक्टरों को थाना लाया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

समस्तीपुर में पंचायत उपचुनाव की तैयारी पूरी, नौ को होगा मतदान

स्वतंत्र प्रभात

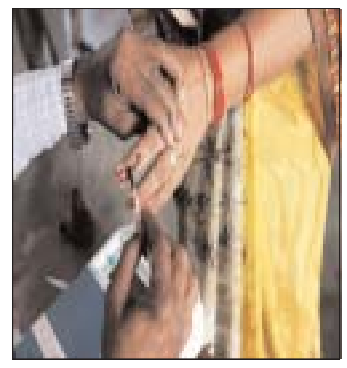

समस्तीपुर जिले के सिंघिया प्रखंड में पंचायत उपचुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है। चुनाव को लेकर न केवल नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, बल्कि जहां मतदान की जरूरत है, वहां बूथ और व्यवस्थाएं भी तय कर दी गई हैं। 9 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा, जबकि मतगणना 11 जुलाई को पंचायत समिति भवन (प्रखंड मुख्यालय) में की जाएगी। इस उपचुनाव के अंतर्गत सिंघिया प्रखंड की पांच पंचायतों में रिक्त पदों के लिए चुनाव कराए जा रहे हैं।

इन पंचायतों में- बंगरहट्टा पंचायत में एक वार्ड सदस्य और एक पंच, सालेपुर पंचायत में एक पंच, कुंडल एक में एक वार्ड सदस्य, महरा पंचायत में एक पंच के लिए नामांकन दाखिल हुए हैं।

इन सभी स्थानों पर केवल एक-एक उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया, जिन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है।

माहे पंचायत एकमात्र ऐसी जगह है जहां वार्ड सदस्य पद के लिए एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं। इसी कारण यहां मतदान कराया जा रहा है। उक्त मतदान उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोरवाड़ा (बायां भाग) को मतदान केंद्र बनाकर कराया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) विवेक रंजन ने बताया कि नामांकन पत्रों की विधिवत जांच के बाद उन्हें स्वीकृत कर उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न भी आवंटित कर दिए गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे निर्भीक होकर मतदान करें और लोकतंत्र को मजबूती देने में अपनी भागीदारी निभाएं।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं मुहर्रम का पर्व - किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें, संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत दें सूचना - उपायुक्त

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड- मुहर्रम पर्व को शांति व सौहार्द के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों, सभी थाना प्रभारियों, बीडीओ/सीओ, दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ब्रीफिंग की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जुलूस के दौरान दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और बलों के बीच समन्वय बना रहना चाहिए। सभी पदाधिकारी एक-दूसरे से फोन नंबर साझा करें एवं आपसी तालमेल से कार्य करें। सभी मजिस्ट्रेट जुलूस के साथ मौजूद रहेंगे और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बिना नियुक्ति स्थल नहीं छोड़ेंगे।

उपायुक्त ने आगे कहा कि किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अश्लील संगीत नहीं बजाया जाएगा। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सभी जुलूस पूर्व निर्धारित रूट पर ही संचालित होंगे। किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन कैमरा और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य विभाग और अग्निशमन विभाग को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। एंबुलेंस और अग्निशमन वाहनों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जाएगा। सभी जुलूस स्थलों पर मेडिकल किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि सभी अधिकारी और पुलिस बल अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता के साथ करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना की तत्काल जानकारी कंट्रोल रूम और वरीय अधिकारियों को दी जाए। उन्होंने बताया कि जिले में कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा और सभी बीडीओ, सीओ तथा थाना प्रभारी संयुक्त रूप से जुलूस का निरीक्षण करें।

साथ ही, सिविल ड्रेस में भी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। यदि कोई असामाजिक तत्व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करता है तो उसकी वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी अवश्य कराई जाए और जुलूस के समाप्त होते ही संबंधित पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर प्रशासन को अविलंब सूचित करें। प्रशासन पूर्ण रूप से सतर्क और सजग है तथा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

फ्लोरा प्ले स्कूल हजारीबाग में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मैंगो डे

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- हजारीबाग शहर के प्रसिद्ध फ्लोरा प्ले स्कूल में शुक्रवार को बच्चों के बीच मैंगो डे का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और रंगारंग तरीके से किया गया। गर्मी के इस मौसम में सबसे प्रिय फल आम को समर्पित इस दिन को स्कूल ने एक उत्सव का रूप दिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए खास तौर पर आम की थीम पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने न सिर्फ आम का स्वाद लिया बल्कि चित्रकारी, रंग भरने और कहानी सुनाने जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आम के महत्व को भी समझा। कार्यक्रम में बच्चों ने आम की आकृति पर रंग भरते हुए अपनी कल्पनाओं को उड़ान दी। कुछ बच्चों ने आम से जुड़ी कविताएं और छोटे-छोटे संवाद भी सुनाए, जिससे माहौल अत्यंत आनंदमय हो गया। स्कूल की प्रधानाचार्या संध्या रावत ने बताया कि मैंगो डे का आयोजन बच्चों को मौसमी फलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया है। आम न केवल स्वाद में सर्वोत्तम है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में सीखने की जिज्ञासा, सृजनात्मकता और फलाहार के प्रति रुचि बढ़ती है। उन्होंने स्कूल के सभी शिक्षकों एवं स्टाफ को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद भी दिया। अंत में बच्चों को कटे हुए रसदार आम परोसे गए, जिन्हें उन्होंने बड़े चाव से खाया। पूरा कार्यक्रम हंसी, उल्लास और रंग-बिरंगी गतिविधियों से भरपूर रहा, जिसने बच्चों और शिक्षकों - दोनों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाओं है पी सिंह, जागृति, सुरभि, सुषमा, राधा गुड़िया और संगीता की भूमिका रही । इसी तरह के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर फ्लोरा प्ले स्कूल में होता रहता है जिससे फ्लोरा प्ले स्कूल को अभिभावकों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। वास्तव में फ्लोरा प्ले स्कूल शिक्षा के साथ साथ नैतिक ज्ञान, संस्कार और खुशियों से भरा एक प्लेटफॉर्म बच्चों को देता है जिसमें अभिभावकों की खुशियां बढ़-चढ़कर भाग लेती है।

जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

● अंडर 17 वर्ष में मंडरो बना विजेता

स्वतंत्र प्रभात

साहेबगंज, झारखंड- झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा निर्देशित तथा जिला शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल स्थानीय सिद्धो कान्हु स्टेडियम में अंतिम दिन अंडर 17 बालक वर्ग में पहला मैच उधवा और साहेबगंज के बीच खेला गया जिसमें उधवा ने 3-0 से पराजित किया, दूसरे मैच में बरहेट ने पतना को 3 -0 से फिर मंडरो ने बोरियो को 2- 0 से पराजित किया तथा राजमहल ने तालझारी को 1 गोल से पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया। सेमीफाइनल के मुकाबले में मंडरो और उधवा ने अपने विपक्षी टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मंडरो और उधवा के बीच जो मैच खेला गया तय समय पर कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। फाइनल पेनल्टी शूटआउट के द्वारा मंडरो ने उधवा को हराकर प्रमंडल के लिए क्वालीफाई किया। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश यादव ने पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी मेडल सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मौके पर कार्यक्रम का समापन शबनम तबस्सुम में सभी का धन्यवाद ज्ञापन कर प्रतियोगिता का समाप्ति की घोषणा की।

नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के महासचिव से स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी व बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एवं बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान झारखंड में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होने संगठन को और अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में यह तय हुआ कि पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों को आम लोगों तक कैसे बेहतर तरीके से पहुंचाया जाए, इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता देती रही है और आने वाले समय में पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में राज्य के लोगों के हित में हर संभव कदम उठाए जाएंगे। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस की जड़ें मजबूत हैं, जरूरत है केवल संगठनात्मक ढांचे को सक्रिय और सशक्त बनाने की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में जोश और ऊर्जा भरने के लिए लगातार संवाद और मार्गदर्शन जरूरी है। बैठक के दौरान झारखंड के राजनीतिक हालात और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने भरोसा दिलाया कि वे संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे और प्रदेश में कांग्रेस को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक शिक्षक संघ विधायक से मिलकर प्रतिनिधिमंडल ने दिया ज्ञापन

रामपुर जौनपुर रामपुर विकास खण्ड के विद्यालयों के विलय के विरोध में उत्तर प्रदेश प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ परिषदीय विद्यालयों के संविलियन के विरोध के सम्बन्ध में शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में मरियाहूं विधायकडॉ० आर० के० पटेल को ज्ञापन दिया गया। प्रतिनिधिमंडल में अखिलेश कुमार तिवारी (संयुक्त मंत्री), विजय कुमार यादव (मंत्री), राहुल सिंह (कोषाध्यक्ष), राकेश (संगठन मंत्री), उदयराज पटेल(संगठन मंत्री), अरुण कुमार दूबे (उपाध्यक्ष) थे।

पत्रकार को पितृ शोक

भरतकूप, चित्रकूट: भरतकूप क्षेत्र के पत्रकार नारायण सिंह सिसौदिया के पिता राधे सिंह सिसौदिया का बीते गुरुवार को निधन हो गया। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को राधे सिंह सिसौदिया (70) कुएं में नहाने गए थे। इस दौरान वह पैस फिसलने से नीचे गिर गए। जिससे उनकी मृत्यु हो गई। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरु की। जिसके बाद उनका शव का बरामद हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। यहां शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया। चित्रकूट प्रेस क्लब अध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी और मान्यता प्राप्त पत्रकार राजेन्द्र सिसौदिया समेत जिले के तमाम पत्रकारों ने घटना पर शोक व्यक्त किया है।

बकायेदार जमा करें बकाया धनराशि

चित्रकूट: जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महेन्द्र नाथ प्रताप ने बताया कि उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग के अधीन संचालित अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम लिमिटेड द्वारा टर्मलोन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 1995-96 से योजना संचालन तक लोन प्राप्त करने वाले जनपद के सभी बकायेदार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर बकाया धनराशि जमाकर रसीद प्राप्त कर लें। अन्यथा सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार भू-राजस्व बकाया की भांति अतिरिक्त व्याज के साथ वसूली की जाएगी। बताया कि बकाया धनराशि जमा न करने की स्थिति में बकायेदारों के गारण्टरों से भी वसूली की जायेगी। कहा कि समय पर ऋण धनराशि जमा न करने की दशा में नियमानुसार आरसी काटे जाने की कार्यवाही की जायेगी।

कामदगिरि वनांचल स्वास्थ्य सेवा ने किया शिविर का आयोजन

चित्रकूट ब्यूरो: कामदगिरि वनांचल स्वास्थ्य सेवा यात्रा के क्रम में शुक्रवार को सदर ब्लाक क्षेत्र के बैजनाथ भारद्वाज विद्या मंदिर बेड़ी पुलिया, सरस्वती शिशु मंदिर शिवरामपुर व उत्सव ग्रीन मैरिज हॉल भरतकूप में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों में 16 चिकित्सकों ने 1080 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर किया। कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य समाज के पिछड़े, दलित, शोषित, वंचित व असहाय क्षेत्रों के लोगों के इलाज के लिए किया गया है। इस मौके पर बनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद मोहन, प्रांत संगठन मंत्री पंकज सिंह, झांसी केंद्र प्रमुख बाबूलाल, विभाग संगठन मंत्री महेश, मानिकपुर कल्याण केंद्र प्रमुख कृष्ण गोपाल, अध्यक्ष कमलाकांत, सीएससी शिवरामपुर अधीक्षक डॉ राजेश सिंह, ग्राम प्रधान प्रमोद जायसवाल, विद्यालय के अध्यक्ष फूलचंद जायसवाल, आरोग्य भारती के जिला सचिव डॉ बैजनाथ, प्रतिभा जायसवाल, व्यापारी शिवशंकर लाल गुप्ता, आरोग्य भारती के जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, राजकीय मेडिकल कॉलिज के डॉक्टर आदि मौजूद रहे।

बड़गांव में आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस का आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर शाहगंज क्षेत्र के बड़ागांव में शुक्रवार को देर रात्रि आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस आयोजन किया गया। आपको बता दें कि हज़रत अब्बास अलमबरदार की याद में अलम-ए मुबारक व शबीहे -ए जुलजनाह का जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल अकीदत मंदों द्वारा तबल बजाते चल रहे थे, जगह जगह लोगों ने शर्बत और तबर्रुक भी तकसीम किया गया। देढ़ दर्जन से अधिक शबीहे -ए जुलजनाह के साथ अलग-अलग अंजुमनों अपने अपने अंदाज नौहा मातम पेश किया। जुलूस अपने प्राचीन मार्ग से भ्रमण करता हुआ बाजार के रास्ते लखनऊ-बलिया राजमार्ग स्थित मौला अब्बास के रौज़े पर जाकर संपन्न किया गया।

जुलूस का संचालन असगर मेहंदी गुड्डू द्वारा किया गया जुलूस का आगाज़ जौनपुर के मशहूर शायर व हुसैनी मिशन के जनरल सेक्रेटरी सैयद परवेज़ मेहदी शहर अर्शी ने किया।

ज़ायरीनो का समूह सायंकाल से ही इमाम बारगाह नूर मंज़िल में पहुँचकर जुलूस की प्रारंभिक तकरीर की प्रतीक्षा करते दिखे।

ऐतिहासिक जुलूस की अध्यक्षता सादर-ए हुसैनी मिशन सैयद जीशान हैदर द्वारा की गई जुलूस का नेतृत्व मोहम्मद शारिक पुत्र स्व डॉ अली कौसर खान, एडवोकेट अली असद ने संयुक्त रूप से किया सुरक्षा के लिहाज़ से शाहगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह उप-निरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा, मुख्य आरक्षी अनंत यादव, संतोष यादव,आरक्षी पप्पू, स्माइल खान, समेत अन्य पुलिसकर्मी चक्रमण, करते दिखे।

अब्बास अलमदार के शौर्य गाथा अब्बास बिन अली बिन अबी तालिब (अ) अबुल-फ़ज़्ल के नाम से मशहूर इमाम अली (अ) के पांचवे और उम्मुल बनीन के बड़े बेटे हैं। आपके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा कर्बला की घटना में आपकी उपस्थिति और आशूरा के दिन आपकी शहादत है। 61 हिजरी के मोहर्रम से पहले आपके जीवन और परिस्थितियों के बारे में अधिक जानकारी नहीं है, सिवाय इसके कि कुछ रिपोर्टों के अनुसार, वह सिफ्फ़ीन के युद्ध में मौजूद थे। कुछ स्त्रोतो में आपका क़द लंबा और सुंदर चेहरा लिखा है। शियो के उलेमा ने स्वर्ग में हज़रत अब्बास के लिए उच्च स्थान बयान किया है, और बहुत सी करामातो का भी उल्लेख हुआ है उनमे से एक हाजत रवाई है। यहां तक कि ग़ैर शिया (सुन्नी), गैर मुस्लिम (कुफ़्फ़ार) की भी हाजत रवाई करते है।

मुसलमान हज़रत अब्बास के लिए एक बड़े आध्यात्मिक मक़ाम के क़ायल हैं। वो उन्हे बाबुल हवाइज कहते हैं और उनसे अपील करते हैं। इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के रौज़े के पास हज़रत अब्बास का रौज़ा शियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इसके अलावा, शिया उन्हें सक़्क़ा ए कर्बला भी कहते हैं और मुहर्रम की 9वीं जबकि कुछ देशों मे शिया 8वीं तारीख़ को हज़रत अब्बास के नाम से अज़ादारी करते हैं। जुलूस के दौरान प्रमुख रूप से हसन मेहंदी, समीम हैदर, पूर्व प्रधान मोहम्मद अजहर, हसन रजा, सैयद अबूज़र आब्दी, वारिस हाशमी, मुजाहिद हुसैन, बब्लू इलेक्ट्रीशियन, समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

टोल प्लाजा पर ट्रक चढ़ाकर कर्मचारी की हत्या करने वाला चालक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मऊ, चित्रकूट: अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में मऊ पुलिस टीम ने ट्रक चढ़ाकर टोल प्लाजा कर्मी की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मऊ थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह ने बताया कि बीती 19 जून को बरगढ़ थााना क्षेत्र के मनका गांव निवासी रामविलास पुत्र गंगा प्रसाद शुक्ल ने सूचना दी कि बीती 18 जून की रात टोल प्लाजा में कार्यरत उसके नाती शिवम् शुक्ला के ऊपर जान से मारने की नियत से ट्रक ऊपर चढ़ा दिया गया। जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी।

साथ ही अन्य तीन टोल कर्मी पंकज शुक्ला, सौरभ और प्रशान्त शुक्ला भी घायल हो गये। इसके बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। इस सूचना पर थाना मऊ में सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। इसके बाद

मामले की विवेचा करते हुए ट्रक मालिक के बयान व साक्ष्य के आधार पर शुक्रवार को आरोपी उस्मान अली निवासी मुरका थाना बरगढ़ को छिवलहा घाटी टावर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में मऊ थाना प्रभारी के अलावा उपनिरीक्षक शहनबाज खां, आरक्षी राकेश व राजकुमार शामिल रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को दी जानकारी

● पुलिस ने बताए हेल्पलाइन नंबर, महिला सुरक्षा के लिए दी सलाह

स्वतंत्र प्रभात

खेतासराय(जौनपुर)। उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अंतर्गत शनिवार को खेतासराय कस्बें में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मिशन शक्ति दीदी के तहत थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय के नेतृत्व में महिला आरक्षी आशा गुप्ता और अंतिमा सिंह ने थाना क्षेत्र की महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 शामिल हैं। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेंटर-181,

स्वास्थ्य सेवा-102 और एंबुलेंस सेवा-108 के बारे में भी बताया गया। इसी अभियान के तहत महिला आरक्षी ने कस्बों और बाजारों में जाकर महिलाओं को इन सेवाओं के बारे में जागरूक किया। यह अभियान महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

बेवजह बाजारों में घूम रहे मनचलों को एंटी रोमियो ने लगाई फटकार

खेतासराय। पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड ने कस्बे भर में मनचलों के खिलाफ अभियान चलाया तो खलबली मच गई। स्कूल-कॉलेजों के आसपास मंडराने वाले मजनुओं की फौज भाग खड़ी हुई। टीम ने कुछ युवकों को मौके पर समझाया, कुछ को चेतावनी दी और कई के अभिभावकों को बुलाकर सख्त हिदायत दी। सरकार के सख्त रवैये के असर पुलिस पर नजर आया। महिला पुलिस और थानों में बनी एंटी रोमियो स्क्वायड की टीम छात्राओं के स्कूल कॉलेजों पर पहुंच गई। कॉलेज के सामने खड़े कुछ युवकों से पूछताछ की तो युवक खड़े होने का कोई सही कारण नहीं बता सके। जिसके बाद उनको चेतावनी देकर छोड़ा गया।

पेशे की नैतिकता को आत्मसात करें विधि छात्र- कुलपति

● करियर निर्माण हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण जरूरी- आदित्य परोलिया

पीयू में "कॉरपोरेट विधि" पर एक दिवसीय आनलाइन कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा ÷कॉरपोरेट विधि का परिचय÷ विधि छात्रों के लिए क्षेत्र एवं करियर संभावनाएँ÷ विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. देवराज सिंह द्वारा प्रतिभागियों के स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि

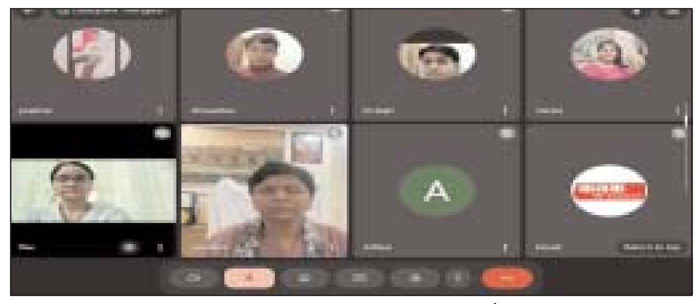

कॉरपोरेट विधि का ज्ञान विधि छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कॉरपोरेट विधि की बढ़ती वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विधि छात्रों को व्यावहारिक कौशल, अनुसंधान क्षमता और पेशे की नैतिकता को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। मुख्य वक्ता मुंबई के स्वतंत्र विधि सलाहकार आदित्य परोलिया ने कॉरपोरेट विधि की अवधारणाओं, कंपनी संचालन, निवेश ढांचे एवं विधिक उत्तरदायित्वों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधि छात्रों को इस क्षेत्र में करियर निर्माण हेतु अनुशासन और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष बल देने को कहा। इस ऑनलाइन कार्यशाला में विश्वविद्यालय एवं उसके अधीनस्थ विधि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं व प्राध्यापकों ने गूगल मीट के माध्यम से सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में वक्ता का परिचय डॉ. वनीता सिंह ने संचालन प्रगति सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया। तकनीकी सहयोग सूरज सोनकर, जीशान अली एवं डॉ. शुभम सिंह ने प्रदान किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजन तिवारी ने आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

सहायक चकबंदी अधिकारी की लापरवाही पर खफा हुए डीएम

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: चकबन्दी प्रक्रियाधीन ग्रामों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता मे कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने चकबंदी कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने सहायक चकबंदी अधिकारी श्याम लाल गौतम द्वारा चकबंदी कार्यों में लापरवाही बरतनें पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने चकबन्दी निदेशालय से निर्गत एक से नौ प्रारूपों पर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी ने बताया कि जनपद में भूचित्र पुनरीक्षण अंतर्गत आठ ग्रामों में कार्य किया जा रहा है, लेकिन ग्राम औदहा में जन विरोध के कारण अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ है।

इसी प्रकार धारा आठ पड़ताल के स्तर

पर कुल 12 ग्राम है, जिनमें से दो ग्रामों में पड़ताल का कार्य चल रहा है तथा शेष ग्रामों के चकबन्दीकर्ता के कब्जा परिवर्तन में लगे होने के कारण पड़ताल कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है।

इसके अलावा ग्राम ऐंचवारा, मिर्जापुर, डुडौली तथा महरुच में चक सीमांकन कराया जा रहा है, जिनमें से ग्राम महरुछ का कब्जा परिवर्तन पूर्ण किया जा चुका है। इस पर डीएम ने संबंधित चकबन्दी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कब्जा परिवर्तन प्रत्येक दशा में 15 जुलाई तक पूर्ण कराएं। डीएम ने समीक्षा में पाया कि चकबन्दी न्यायालयों में जनपद के पांच वर्ष से अधिक अवधि के मुकदमें विचाराधीन नहीं है। बताया कि जोत चकबन्दी अधिनियम की धारा 52 के अन्तर्गत ग्राम खरौंध लक्षित है, जिसमें ग्राम के अंतिम अभिलेख तैयार कराये जा रहे है। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरुण कुमार, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल वर्धन, चकबंदी अधिकारी संजय शुक्ला, शरद चंद्र यादव, धीरेन्द्र शुक्ला सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इस्कॉन की भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा जिला मुख्यालय के नगर क्षेत्र में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ के रथ को खीचा और प्रसाद ग्रहण किया। भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा का शुभारंभ इस्कॉन के प्रदेश प्रमुख प्रेम हरिनाम व जिला प्रमुख अनन्तबलदेव अरविंद ने रथ की रस्सी खींच कर किया। सखा निताई एवं उनकी मण्डली द्वारा रथ यात्रा के दौरान श्रीकृष्ण नाम का संकीर्तन किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस्कॉन के संस्थसापक संस्थापक एसी भक्तिवेदांत प्रभुपाद की प्रेरणा से प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में हजारों शहरों में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है। चित्रकूट जनपद में भी विगत तीन वर्षों से इस यात्रा का आयोजन किया जा

रहा है। इस वर्ष यह रथ यात्रा जिला मुख्यालय स्थित अग्रवाल धर्मशाला से शुरु की गई। जो नगर भ्रमण करते हुए धतुराहा चौराहा में समाप्त की गई। इस दौरान इस्कॉन के प्रदेश प्रमुख प्रेम हरिनाम ने सभी भक्तों को श्री जगन्नाथ कथा में रथ यात्रा का महत्व बताया। रथ यात्रा भ्रमण के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, गयाप्रसाद द्विवेदी, डॉ विभांशु गुप्ता, गजेन्द्र सिंह, गोपीकिशन अग्रवाल, रोहित जायसवाल, पुनीत अग्रवाल, शिवम गुप्ता, महेंद्र केशरवानी, शुभम तिवारी, अनूप गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, पवन कुमार, डॉ सौरभ गुप्ता, डॉ सुरुचि आर्य, सुनील सुहाने, डॉ अंकुश केशरवानी, डॉ रचित पांडेय, नवल पाण्डेय, दिशांत गुप्ता, भरत सिंह, जितेंद्र सिंह, राहुल अग्रवाल आदि मौजूद रहें।

जनपद के उर्वरक विक्रताओं के साथ सीडीओ ने की बैठक

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: खरीफवर्ष 2025-26 में कृषकों को निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए जनपद के प्रमुख उर्वरक विनिर्माता कम्पनी प्रतिनिधियों तथा थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने उर्वरक विनिर्माता कंपनी के प्रतिनिधियों से कहा कि प्रमुख अनुदानित उर्वरकों के साथ किसी भी अन्य उत्पाद की टैगिंग न करें। थोक व फुटकर विक्रेताओं को भी मुख्य उर्वरकों के साथ कृषकों को अन्य उत्पाद को क्रय करने हेतु बाध्य न करने के लिए कहा। कहा कि यदि किसी के द्वारा अनावश्यक रूप से किसानों के ऊपर किसी उत्पाद को क्रय करने का दबाव बनाया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल उन्हें व जिला कृषि अधिकारी को दी जाए। कहा कि ऐसे लोगों के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अन्तर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। निर्देशित किया कि सभी व्यापारी किसानों को पीओएस मशीन से उनकी जोत बही के अनुसार निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध करायें तथा स्टाक/वितरण रजिस्टर, रेट बोर्ड तथा स्टाक बोर्ड में भी इसकी जानकारी दर्ज करते रहे। इसके साथ ही कृषकों को कैश मेमो उपलब्ध कराने एवं प्राधिकार पत्र स्रोत प्रमाण पत्र पर अंकित कम्पनी के उत्पादों का ही व्यापार करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी कृषकों को मृदा परीक्षण के आधार पर वैज्ञानिक संस्तुतियों के अनुसार ही उर्वरकों का क्रय एवं प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा अनुदानित उर्वरकों के साथ टैगिंग एवं ओवर रेटिंग न करने के निर्देश दिए गए है। ऐसे में सभी उर्वरक कंपनी अथवा विक्रेता शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। बैठक में व्यापारियों को निर्देशित किया गया कि आवश्कता से अधिक उर्वरकों को खरीद कर भण्डारित न करें। नियमित रूप से कृषकों की मांग के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति होती रहेगी। कहा कि कृषकों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य के अनुसार यूरिया 266.50 रु प्रति बोरी (45 किलो), डीएपी 1350 रु प्रति बोरी (50 किलो), एनपीके 1400 रु प्रति बोरी (50 किलो), एमओपी 1800 प्रति 50 किलो पर उपलब्ध कराएं। बैठक में उप कृषि निदेशक राजकुमार, एआर कोआपरेटिव राजेंद्र कुमार, इफ्को कंपनी के राजवीर सिंह, नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के कंपनी प्रतिनिधि रोहित कापरी, विक्रेता संजय गुप्ता, गोविन्द अग्रवाल, हेमराज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

परेड की सलामी लेकर एसपी ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इसके साथ ही एसपी ने परिसर के अन्य पटलों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सम्बन्धितों को आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया।

परेड के निरीक्षण के दौरान एसपी ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का टर्न आउट चेक किया तथा सभी टोलियों की ड्रिल देखकर आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया। इस दौरान परेड ग्राउण्ड में आर्मोरर ने सभी को शस्त्रों का खोलने, जोड़ने व हैन्डलिंग की जानकारी दी। इसके साथ ही एसपी ने उपस्थित सभी टोलियों व रिक्रूट आरक्षियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासित रहने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए तथा स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ भी करायी।

इसके बाद एसपी ने पुलिस लाइन स्थित परिवहन शाखा जाकर सभी थानों से आयी चार पहिया व दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) वाहनों तथा परिवहन शाखा में रखे अन्य वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को मरम्मत के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिय।

इसके अलावा एसपी ने डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, आरटीसी बैरिक, सीपीसी कैंटीन, मंदिर, भोजनालय, आर्मरी आदि का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा साफ सफाई के लिए प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया। एसपी ने क्वार्टर गार्द का भी निरीक्षण कर सलामी ली तथा आदेश-कक्ष में जाकर पुलिस कर्मियों का अर्दली रुम किया। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा, प्रभारी आरआई राकेश समाधिया, पीआरओ प्रदीप पाल सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शांति पूर्ण तरीके से मनाएं त्यौहार- थानाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। आगामी त्योहार, मोहर्रम,सावन मास व कावड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना मोहाना के प्रांगण में शुक्रवार को क्षेत्र के संभ्रात व्यक्तियों, धर्मगुरुओं, के साथ पीस कमेटी की गोष्ठी थानाध्यक्ष रोहित कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी त्योहार, मोहर्रम, सावन मास, कावड़ आदि के संबंध में पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई तथा त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु भिन्न-भिन्न ग्रामों के धर्मगुरुओ, मौलवियों, ग्राम प्रधान, सम्भ्रान्त व्यक्तियों, त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष व सदस्यों के साथ गोष्ठी की गयी। सभी से शान्ति व सौहार्द पूर्वक ढ़ंग से त्यौहार को मनाये जाने की अपील की गयी। बैठक में मौजूद सभी व्यक्तियों से त्यौहार के दृष्टिगत शासन द्वारा व उच्चाधिकारियों द्वारा प्राप्त गाइडलाइन से अवगत कराया गया। सभी धर्मगुरुओं व कमेटी के अध्यक्ष व सदस्यों को उनके जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। शान्ति व्यवस्था को मुख्य रुप से विषयवस्तु बनाकर विस्तृत चर्चा किया गया तथा आदेश-निर्देश से अवगत कराया गया।

नो इंट्री के लिए टाइम निर्धारित

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जनपद में पांच जुलाई शनिवार को प्रातः 05:30 बजे से छह जुलाई रविवार की रात्रि 21:30 बजे तक आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को छोड़कर समस्त भारी एवं मध्यम माल वाहनों का नगर में प्रवेश एवं परिवहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। यातायात प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि छह जुलाई की रात्रि 21:30 बजे के बाद से आगामी 30 दिवस तक या नवीन आदेश दिए जाने की तिथि तक नगर क्षेत्र में पूर्व के आदेशानुसार वाहनों का परिवहन होगा। बताया कि मुहर्रम के दृष्टिगत लोढ़वारा मोड, राजापुर मार्ग में प्रातः 05:30 बजे से 21:30 बजे तक, रेलवे क्रॉसिंग के पूर्व प्रयागराज रोड में प्रातः 05:30 बजे से 22:00 बजे तक, खोह (पुलिस लाईन तिराहा) मानिकपुर रोड में प्रातः 05:30 बजे से 22:00 बजे तक, शेषनपुरवा मोड़ सोनेपुर, सतना रोड में प्रातः 05:30 बजे से 22:30 बजे तक तथा बेड़ी पुलिया (मत्यगजेन्द्रनाथ धर्मकांटा) बांदा रोड में प्रातः 05:30 बजे से 23:00 बजे तक भारी व मध्यम वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कहा कि प्रातः 05.30 बजे से पहले नो इन्ट्री बैरियरों में प्रवेश करने वाले सभी भारी व मध्यम माल वाहन प्रातः 06:00 बजे से पहले प्रत्येक दशा में नो इन्ट्री क्षेत्र से बाहर निकल जाएं। इसके अलावा

निर्मोही अखाड़ा यूपी एमपी बार्डर से बेड़ी पुलिया तिराहा तक श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत नया नो इन्ट्री मार्ग घोषित किया गया है। बताया कि नगर क्षेत्र में वैवाहिक, धार्मिक, त्यौहार, जुलूस, झांकी, शोभा यात्रा व राजनैतिक कार्यक्रमों आदि के दृष्टिगत नो इन्ट्री के समय में परिवर्तन किये जाने पर परिवर्तन की सूचना नो इन्ट्री बैरियर पर ही दी जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रतिबंधित मांस के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

कानपुर। आज दिनांक 05 जुलाई 2025 को थाना जूही क्षेत्र में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति ई-रिक्शा के माध्यम से प्रतिबंधित पशु मांस का परिवहन कर रहे हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना जूही पुलिस द्वारा मौके पर पहुँचकर दो व्यक्तियों को प्रतिबंधित मांस के साथ हिरासत में लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए थाना जूही पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

डीएम एवं एसपी ने मोहर्रम पर्व के पूर्व कर्बला स्थल रंजीतपुर चिलबिला का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने संयुक्त रूप में मोहर्रम पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कर्बला स्थल रंजीतपुर चिलबिला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने ताजिया जुलूस मार्ग व सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी तार ढीले एवं लटक रहे है उसे दुरुस्त कराया जाय। इस दौरान डीएम एवं एसपी ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण व सौहार्द तरीके से मनाने की अपील भी की। डीएम ने जनपद में मोहर्रम पर्व के अवसर पर शांति व्यवस्था, साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने, आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से 82 सेक्टर मजिस्ट्रेटों, 17 जोनल मजिस्ट्रेटों एवं 05 सुपर जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी है। सुपर जोनल मजिस्ट्रेटों के साथ सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी की भी ड्यूटी लगायी गयी है।

गांव लौटते समय मजदूर पर लोहे के रॉड से हमला टूटा हाथ मुकदमा दर्ज पुलिस जांच में जुटी

मोहनलालगंज, लखनऊ- मोहनलालगंज क्षेत्र में बीते 27 जून की रात एक मजदूर पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। हमलावरों ने लोहे की रॉड से वार कर उसका हाथ तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने मोहनलालगंज थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अमिलिया खेड़ा निवासी पीड़ित मजदूर छोटू पुत्र मेंहदी हसन मोहनलालगंज कस्बे में गिट्टी-सीमेंट की दुकान पर मजदूरी करता है। बीते 27 जून को वह रोज की तरह काम खत्म कर रात के समय अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह मोहनलालगंज कस्बे के पास स्थित काशीश्वर मैदान के सामने पहुंचा, तभी ज्योतिनगर मोड़ के पास तीन युवकों ने उसे रोक लिया। पीड़ित छोटू ने बताया कि प्रद्युम्न पुत्र अज्ञात नाम का युवक और उसके दो अन्य साथियों ने पहले उससे गाली-गलौज की और मना करने पर लोहे की रॉड से मारना शुरू कर दिया। मारपीट में उसका एक हाथ टूट गया। जाते-जाते हमलावर बोले, इस बार तो बच गए, अगली बार जान ले लेंगे।पीड़ित ने बताया कि सभी आरोपी गुंडा प्रवृत्ति के बदमाश हैं और क्षेत्र में पहले भी लोगों से झगड़े कर चुके हैं। पीड़ित ने गुरुवार को मोहनलालगंज थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी है।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

डीएम ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिधनू का औचक निरीक्षण! मची खलबली

●5 चिकित्सकों समेत 33 स्वास्थ्यकर्मी मिले अनुपस्थित

ओपीडी काउंटर पर प्राइवेट व्यक्ति कार्य करते मिला, डीएम ने विधिक कार्रवाई के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज प्रातः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधनू का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 5 डॉक्टरों समेत 33 स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। ओपीडी काउंटर पर एक प्राइवेट व्यक्ति काम करता हुआ मिला। डीएम ने समस्त अनुपस्थित कार्मिकों के एक दिन का वेतन काटने तथा प्राइवेट व्यक्ति के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी प्रातः 9:50 पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधनू पहुंचे। वे सर्वप्रथम ओपीडी काउंटर पहुंचे, जहां सत्यम पुत्र ओमप्रकाश निवासी ओरियारा ओपीडी काउंटर पर पर्ची बनाते मिले। ओपीडी रजिस्टर के पंजीकरण में पर्ची संख्या 49,314 के बाद 49,320 का अंकन मिला। बीच की पर्चियों के विषय में जब डीएम ने सख्त तेवर में सवाल पूछे तो सत्यम ने बताया कि उसकी माँ आशा कार्यकत्री है। वे अपने मित्र अनुपम (वार्डबॉय) की जगह पर ड्यूटी करने आये है, सीएचसी में उनकी तैनाती नहीं है। उसने यह भी बताया कि वह एक निजी अस्पताल में काम भी कर चुका है। जिस पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताई और विधिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि शासन का स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति/एजेंट अनधिकृत तौर पर स्वास्थ्य केंद्र पर कार्य नहीं कर सकता है।

इसके पश्चात डीएम ने उपस्थिति पंजिका की जांच की। स्वास्थ्य केंद्र पर

एमओआईसी सहित 8 डॉक्टर,29 स्थायी एवं 41 संविदा/आउटसोर्सिंग कर्मियों की तैनाती की गई है, जिसमें से निरीक्षण के समय 5 डॉक्टर 15 स्थायी एवं 13 संविदा/आउटसोर्सिंग कर्मी अनुपस्थित मिले। इस प्रकार स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात 78 स्वास्थ्यकर्मियों में से 33 अनुपस्थित मिले। जांच के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि उपस्थिति पंजिका का पर्यवेक्षण एमओआईसी द्वारा नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों के कक्ष के बाहर पूर्व में तैनात डॉक्टरों के नाम लिखे मिले, जिस पर डीएम ने चिकित्सक कक्ष के बाहर वर्तमान में तैनात चिकित्सकों का नेम प्लेट लगाने का निर्देश दिया, जिससे आम जनता को डॉक्टरों का नाम खोजने में सहूलियत हो। पैथोलॉजी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय तक रक्त जांच के 10 तथा बलगम जांच के 17 सैम्पल लिए जा चुके थे। उन्होंने होमियोपैथिक ओपीडी तथा दंत चिकित्सा ओपीडी की भी जांच की। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीजों का विवरण संजीवनी पोर्टल पर दर्ज नहीं किया जा रहा है, जो कि नियमों की अवहेलना है। जिलाधिकारी ने निर्धारित प्रारूप पर विवरण दर्ज करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद किया और मिल रही स्वास्थ्य सुविधा और दवाओं की उपलब्धता के विषय में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनस्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है।निरीक्षण के समय एमओआईसी डॉ नीरज सिंह मौजूद थे।

कानपुर में 9वीं की छात्रा से रेप के आरोपी की जमानत खारिज - शादी का झांसा दे रहा था आरोपी

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। 9वीं की छात्रा से शादी का झांसा देकर रेप, व धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने वाले आरोपी की एडीजे-22 की कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी। साल 2020 से आरोपी किशोरी का उत्पीड़न कर रहा था। परिजनों ने बताया कि आरोपी दो बच्चों का पिता होने के बावजूद किशोरी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। कमिश्नरेट के रावतपुर थानाक्षेत्र निवासी कक्षा 9 की छात्रा को काकादेव पुरानी बस्ती निवासी जावेद खान ने शादी का झांसा देकर रेप की घटना को अंजाम दिया। परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने कल्याणपुर थाने में शिकायत की। जिसके बाद परिजनों ने लोकलाज के कारण आरोपी से समझौता कर लिया। इसके बाद जावेद की शादी हो गई और उसके दो बच्चे भी है।

पीड़ित परिजनों का का आरोप है कि शादी होने के बावजूद जावेद उनकी बेटी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहा था। जिस पर परिजनों ने रावतपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को 3 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपी ने एडीजे-22 की कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता मोहित बाजपेई ने बताया कि आरोपी की याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है।

वन महोत्सव कार्यक्रम में लोगो को किया गया जागरूक, वितरित किये गए पौधे

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़- जनपद के पट्टी तहसील स्थित नव प्रभात एकेडमी भरोखन में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मौजूद लोगों को वनों के महत्व के बारे में बताते हुए उसके संरक्षण और संवर्धन पर विस्तार से चर्चा किया गया। वहीं मौजूद सैकड़ो बच्चों को पौधा वितरित करके उसका रोपण करके उसके संरक्षण पर जागरूक किया गया। पट्टी तहसील क्षेत्र के आसपुर देवसरा विकासखंड में स्थित भरोखन गांव में स्थित नव प्रभात एकेडमी में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रीन मैन के नाम से प्रसिद्ध अजय क्रांतिकारी ने वन महोत्सव जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा था पेड़ों से हमें प्राणवायु, भोजन और पानी प्राप्त होता है इनका संरक्षण करना बहुत ही आवश्यक है।पट्टी रेंज वन विभाग के एसआई राजकुमार ने कहा कि सरकार पर्यावरण के लिए संरक्षण के लिए प्रयासरत है सभी लोगों को जिसमें सहभागिता करने की आवश्यकता है। इस दौरान एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के बारे में बताते हुए लोगों को पेड़ के संरक्षण के जोर दिया गया।कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रहे शिवम पटेल, अजय, विश्राम तथा अरविंद को अंग वस्त्र पहनाकर अजय क्रांतिकारी ने उनका सम्मान किया और उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम सिंह वर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, मंगलेश श्रीवास्तव ,सुमन श्रीवास्तव, विनय भारती, किरन, सविता , वन विभाग के विजय सिंह, मोहम्मद आरिफ सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज यादव ने किया।

घाटमपुर की आसरा आवास योजना पर डीएम की फटकार, सीडीओ को सौंपी जांच

●परियोजना में अनावश्यक विलंब पर लगाई फटकार,

2013 में शहरी गरीबों के लिए शुरू हुई थी परियोजना

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा आज घाटमपुर स्थित आसरा आवास योजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। 784 भवनों का स्ट्रक्चर तैयार होने के बावजूद किसी भी आवंटी को अब तक आवास न मिलने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और इस परियोजना के क्रियान्वयन में हुई अनावश्यक देरी की जांच मुख्य विकास अधिकारी को सौंपने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस द्वारा वर्ष 2013 में शहरी गरीबों के लिए इस परियोजना की शुरुआत की गई थी, जिसके अंतर्गत कुल 840 आवास, ओवरहेड टैंक, बोरिंग व पंप हाउस, जलापूर्ति व सीवर लाइन जैसे कार्य प्रस्तावित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को बताया गया कि अब तक लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी योजना का कोई प्रत्यक्ष लाभ लाभार्थियों तक नहीं पहुँच सका है। इस पर जिलाधिकारी ने जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

परियोजना प्रबंधक सर्वेश कुमार वर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि वर्ष 2019 से निर्माण कार्य रुका हुआ है और अब केवल सैनिटरी तथा विद्युत फिटिंग जैसे कार्य शेष हैं, जिनके लिए अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है। यह भी अवगत कराया गया कि सितम्बर 2024 में 784 आवासों के सापेक्ष लॉटरी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। डीएम ने परियोजना में विलंब के संबन्ध में अधिशासी अधिकारी घाटमपुर नगर पालिका की

जवाबदेही एवं जिम्मेदारी तय करने के संबन्ध में आरोपपत्र देने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जुलाई माह के अंत तक सुरक्षा उपायों के साथ पात्र लाभार्थियों को आवास आवंटित कर शिफ्ट कराया जाए।उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी और समयबद्ध कार्यवाही न होने के कारण शहरी गरीब अब तक इस योजना से वंचित हैं। परियोजना से संबंधित शेष बचे कार्यों को पूर्ण कराने हेतु नगर पालिका घाटमपुर को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संसाधनों अथवा सूडा/डूडा से आवश्यक धनराशि की व्यवस्था कर अविलंब कार्य पूर्ण कराएं, जिससे लाभार्थियों को शीघ्र आवास मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि लगभग दस वर्षों के बाद भी यह परियोजना अधूरी पड़ी है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अब किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इस देरी के लिए उत्तरदायी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्याम नगर में 60 लाख की चोरी में शामिल छः अभियुक्तों को चकेरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

●चोरों ने आधा माल सुनार से गलवा दिया था, तथा आधे माल पर ले लिया था गोल्ड लोन।

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। दिनांक 28/29-06-2025 की रात को श्यामनगर थाना चकेरी के अन्तर्गत एक मकान में चोरी की घटना घटित हुई थी। उन चोरों को चकेरी पुलिस ने सीसीटीवी की मदद व मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि जब 30 जून को मकान मालिक वापस आए तो उन्होंने बताया कि उनके घर चोरी हो गई है। चोर सारी ज्वैलरी चोरी कर ले गए जो करीब 60 लाख की है, घटना में तत्काल चकेरी पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर चोरों के अनावरण हेतु पूर्वी जोन की सर्विलांस टीम के द्वारा आस -पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से 06 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया एवं बचे 01 एक आरोपी को गुजैनी पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने बताया कि शातिर चोरों के पास से चोरी किया गया माल में 6 सोने के कंगन,सात अंगूठी, एक हार, तीन चैन,दो बाले, 2 झुमके, दो टाप्स, एक सोने का बिस्कुट दो जोड़ी पायल व लगभग 02 लाख नगद रूपये एवं घटना में प्रयोग की गई स्विफ्ट डिजायर गाडी, एक बाइक बरामद की गई। उन्होंने बताया कि हरिओम पुत्र अर्जुन सिंह, हिमांशु गौतम पुत्र विजय गौतम, रोहन सचान उर्फ छोटू पुत्र सुनील सचान, रोहित दुबे पुत्र ओमप्रकाश दुबे, संजय सोनी पुत्र स्व0 छोटेलाल, निमिष गुप्ता पुत्र हरीशंकर गुप्ता, को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर

थाना क्षेत्र चकेरी व सर्राफा बाजार कोतवाली से गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों ने आधा सोने का माल सुनार की दुकान से गलवा दिया था। तथा आधी ज्वैलरी पर मणिपुरम गोल्ड बैंक से लोन लिया था। लेकिन सभी माला प्राप्त कर लिया गया है। आधा गला हुआ माल बरामद हुआ है।

स्टेडियम गर्ल्स को हराकर पीबी कालेज बना जनपदीय बालिका हैंडबॉल का विजेता

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। स्टेडियम में खेली गई एक दिवसीय बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में स्टेडियम की बालिकाओं को हराकर पीबी कालेज की बालिकाओं ने जनपदीय विजेता बनने का गौरव हासिल किया।पहले मुकाबले में पीबी गर्ल्स कालेज ने साकेत गर्ल्स कालेज ग्रीन को 7 के मुकाबले 11 गोल से जीत हासिल की।दूसरा मुकाबला साकेत गर्ल्स कालेज रेड ओर स्टेडियम गर्ल्स के बीच खेला गया,जिसमें स्टेडियम गर्ल्स ने साकेत गर्ल्स कालिज रेड को 5 के मुकाबले 7 गोल से पराजित किया।तीसरा मैच पीबी कालेज और राजकीय बालिका इंटर कालेज के बीच खेला गया जिसमें पीबी कालेज ने राजकीय इंटर कालेज को 8 के मुकाबले 10 गोल से पराजित किया।प्रतियोगिता का चौथा मैच स्टेडियम गर्ल्स और आत्रेय अकादमी के बीच खेला गया जिसमें स्टेडियम गर्ल्स के 8 के मुकाबले आत्रेय अकादमी 5 ही गोल कर सकी।प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला पीबी कालेज और स्टेडियम

गर्ल्स के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में पीबी कालेज ने स्टेडियम गर्ल्स को 9 के मुकाबले 11 गोल दागकर विजय प्राप्त की और जिला स्तरीय बालिका प्रतियोगिता का विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजेश सिंह महामंत्री भाजपा , राघवेंद्र शुक्ला जिला मीडिया प्रभारी भाजपा, जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार सिंह, जिला हैंडबॉल संघ के संयुक्त सचिव अखिलेश सिंह ने विजेता और उप विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।प्रतियोगिता की सफल बनाने में निर्णायक के रूप में आसिफ अजीज , पंकज , पप्पू रमेश जानी, संजय पांडे , आशीष सिंह रहे।कार्यक्रम का संचालन पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला रहे। इस मौके पर उप जिला खेल अधिकारी और ताइक्वांडो प्रशिक्षक रंजीत यादव, अंतराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और प्रशिक्षक सचिन शुक्ला, जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह, फुटबॉल प्रशिक्षक बुद्ध प्रकाश उपस्थित रहे। अंत में जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक पौध मां के नाम रोपित करने का एलायंस क्लब चला रहा अभियान

●एक पेड़ मां के नाम ताकि हरियाली को मिले मुकाम - रोशनलाल उमरवैश्य

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत एलायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा चलाए जा रहे पौधरोपण व पौधवितरण अभियान में शनिवार को सिविल लाइन, दहिलामऊ, चिलबिला आदि जगहों पर पौधरोपण कर पौध वितरण भी किया गया। क्लब के पदाधिकारियों के साथ अपने-अपने मां के नाम एक-एक पौधरोपित कर दूसरों को भी पौधरोपित करने के लिए प्रेरित किया गया।

क्लब के डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि चिलबिला नगर में पौध वितरित कर अनुरोध किया गया कि इस अभियान में जुड़कर मां के नाम एक-एक पौधरोपित कर उसकी सुरक्षा करें।पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाना हम सब की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में एक पौध वितरण पौधारोपण अभियान चला रहा है। अभियान में डीएफओ जेपी श्रीवास्तव, सदर रेंजर नरेंद्र कुमार वर्मा, शिवम यादव जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे, डॉ0 लक्ष्मीकांत द्विवेदी वन विभाग, डॉ0 गौरी शंकर, रूपेश कुमार यादव, अजीत कुमार फॉरेस्ट, डॉ दयाराम मौर्य, शनि महाराज, राजेश सिंह, विनय श्रीवास्तव, अंशुमान सिंह, छेदीलाल, देवानंद, संतोष कुमार, आदर्श कुमार, शिवेश शुक्ला, परमानंद मिश्रा, विवेक कुमार, पूनम गुप्ता, रेखा उमरवैश्य, अर्चना खंडेलवाल, ज्योति, मेघा, सुधा अग्रवाल आदि का क्लब को सहयोग मिल रहा है।

एक महिला समेत तीन शराब तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर शराब माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गाजीपुर जनपद की नगसर पुलिस ने एक महिला समेत तीन शराब तस्करों को पकड़ कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया की ग्राम नगसर मीर राय से तीन अभियुक्त अमित कुमार पुत्र सुबोध निवासी ग्राम बाढ थाना बाढ जिला पटना बिहार, अखिलेश यादव पुत्र कमला राम निवासी गिन्नी चक बास के टाल चौराहा बैकुण्ठपुर थाना खुसरूपुर जिला पटना बिहार तथा बबिता देवी पत्नी देवानन्द निवासी ग्राम पोकलविया थाना अवतार नगर जिला छपरा (बिहार) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हुण्डई संट्रो कार में रखी 17 पेटी अंग्रेजी शराब 8 पीएम पाउच कुल मात्रा 146.88 लीटर व दो मोबाइल फोन बरामद कर लिया। अवैध शराब व गाडी की बरामदगी के सम्बन्ध में थाने पर आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गयी।

कोन सोनभद्र के सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों और दवाओं की भारी कमी आनंद पटेल दयालु ने महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

●कोन ब्लॉक अस्पताल में डॉक्टर्स और दवाओं की भारी कमी 2 लाख की आबादी बदहाल

ब्लॉक अस्पताल में डॉक्टरों और दवाओं की भारी कमी मरीजों को 50-100 किमी दूर जाना पड़ रहा इलाज के लिए

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र- उत्तर प्रदेश सोनभद्र जिले के कोन ब्लॉक में स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों और दवाओं की भारी कमी को लेकर अपना दल (एस) युवा मंच, उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पटेल दयालु के नेतृत्व में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, डॉ. रतनपाल सिंह सुमन को एक ज्ञापन सौंपा गया है। इस ज्ञापन में क्षेत्र की 2 लाख आबादी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।आनंद पटेल दयालु ने ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया कि कोन क्षेत्र आज भी डॉक्टरों और दवाओं के अभाव में जूझ रहा है। उन्होंने बताया कि हर दिन सैकड़ों मरीजों को अपना इलाज कराने के लिए 50 से 100 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जो उनके

लिए एक बड़ी परेशानी और आर्थिक बोझ है।ज्ञापन में कोन के सरकारी अस्पताल की दयनीय स्थिति का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है।अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव रक्त जांच की कोई सुविधा नहीं है, जिससे मरीजों को बाहरी लैब पर निर्भर रहना पड़ता है। एक्स-रे मशीन न होने के कारण चोटिल मरीजों को भारी असुविधा होती है। आंखों की जांच के लिए भी कोई मशीन उपलब्ध नहीं है। अगर किसी की हड्डी टूट जाए तो उसका इलाज करने के लिए कोई हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं है। इस गंभीर समस्या को लेकर पिछले एक पखवाड़े से आनंद पटेल दयालु के नेतृत्व में एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अभियान में बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं, क्योंकि यह संघर्ष किसी एक पद या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि आम आदमी की जिंदगी बचाने के लिए है। आनंद पटेल दयालु ने बताया कि यह एक लंबा संघर्ष है और तब तक जारी रहेगा जब तक कोन ब्लॉक के हर मरीज को डॉक्टर और दवा की सुविधा नहीं मिल जाती। उन्होंने इस लड़ाई को आम आदमी के जीवन का संघर्ष बताया और कहा कि इस संघर्ष को कोई झुका नहीं सकता।यह पहली बार नहीं है जब आनंद पटेल दयालु ने जनहित के मुद्दे पर आवाज उठाई है। इससे पहले भी उन्होंने तेलगुड़वा से लेकर कोन तक की सड़क का निर्माण कार्य पूरा करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो सालों से अधूरी पड़ी थी। उनके संघर्ष के परिणामस्वरूप आज लोग उस सड़क का उपयोग कर पा रहे हैं। इस अवसर पर जनाब महताब आलम (प्रदेश सचिव, अल्पसंख्यक मंच), संतोष कनौजिया (जिला सचिव), विकास कुमार गौड़ (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। यह जन आंदोलन स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लोगों के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य को समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग पूर्ण कराने के लिए निर्देश दिए

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा बिस्कोहर सिगारजोत मार्ग के किमी.-09 में स्थित दखिनहवा नाले पर 2 गुणे 6 मी0 स्पान की आरसीसी बॉक्स लघु सेतु निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य चल रहा था। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के अधिकारी को निर्देश दिया कि समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

खाद्य विभाग ने छापेमारी कर लिए पांच नमूने

सिद्धार्थनगर। आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में दो दिवसीय 3 एवं 4 जुलाई को नौगढ़ बाजार, ककरहवा बाजार, बढ़नी बाजार, बस स्टॉप चौराहा बढ़नी में सहायक आयुक्त खाद्य आर.एल. यादव के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा छापा मारकर कुल पांच नमूना क्रमशः 01 दूध, 01 काजू, 01 पनीर, 01 किशमिश एवं 01 पोहा का नमूना संग्रहित किया गया। नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने, मिलावटी खाद्य पदार्थों एवं पीसे खुले मसालों की बिक्री न करने के लिये निर्देश दिया गया। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जय प्रकाश, हीरा लाल, रंजन कुमार तथा नीरज कुमार चौधरी सम्मिलित रहे।

गड्ढे में डूबने से बालक की मौत

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के मंडी परिसर में गड्ढे के भरे पानी में डूबने से 7 वर्षीय बालक सोहराब की मौत हो गई। मृतक सोहराब अपनी मां के साथ अपने ननिहाल रहता था वहीं बगल में स्थित नवीन सब्जी मंडी में मृतक बच्चे की मां दुकानों पर सब्जी की छंटाई का काम करती थी जिससे अपना और अपने परिवार का पालन पोषण करती थी। बच्चे की मां रोज की तरह शनिवार को भी बच्चे को लेकर नवीन मंडी में दुकान पर सब्जी की छंटाई कर रही थी वहीं उसका बच्चा अन्य बच्चों के साथ खेलते खेलते गड्ढे में गिर गया। सोहराब के साथी बच्चों ने जोर से सोहराब डूब गयाकि आवाज दी जब तक लोग गड्ढे तक पहुंच कर बच्चे को गड्ढे से बाहर निकालते उससे पहले पानी में उसकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस व प्रशासन को सूचना दी मौके पर तहसीलदार सहित सदर कोतवाली पुलिस पहुंची जहां पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज विधिक कार्यवाही में जुट गई।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जदयू नेता केसी त्यागी बोले, एनडीए ही जीतेगा चुनाव

नई दिल्ली। बिहार में सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता के.सी. त्यागी ने शनिवार को राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत होगी। के.सी. त्यागी ने कहा, पहले ईवीएम को लेकर सवाल उठते थे। जब भी कहीं 'इंडी गठबंधन' चुनाव हारता है, तो ईवीएम को दोष देता है। उन्होंने कहा पिछले 20 साल से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और किसी प्रकार का कोई आरोप नहीं लगा है। लिहाजा, वहां अपनी संभावित हार को देखते हुए विपक्ष ने 'मतदाता सूची पुनरीक्षण' पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। के.सी. त्यागी ने कहा कि कह छह बार लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में सुधार होता है, जो मृत व्यक्ति हैं उनका नाम कटता है और नए लोगों के नाम जुड़ते हैं। जो अब्सेंट वोटर हैं उनके नाम काटे जाते हैं। यह रिवीजन उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। विपक्ष के नेताओं को चुनाव आयोग से मिलने वाले सवाल पर उन्होंने कहा, 'इंडी' गठबंधन के नेताओं को चुनाव आयोग से निवेदन करना चाहिए, हमें इस पर कोई एतराज नहीं है। आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित चक्का जाम को लेकर के.सी. त्यागी ने कहा, चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उससे वार्तालाप करने की बजाय इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का काम 'इंडी' गठबंधन कर रहा है। उसके खिलाफ एनडीए गठबंधन एकजुट है और चुनाव में सफलता प्राप्त करेगा।

अब्बास अंसारी अभी जेल में ही रहेंगे, मऊ कोर्ट ने सजा कम करने की याचिका की खारिज

● **मऊ सेशन कोर्ट ने पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को बड़ा झटका देते हुए उनकी सजा के खिलाफ दायर अपील खारिज कर दी है. साथ ही कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में 2 साल की सजा को भी बरकरार रखा, लेकिन अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया है.**

स्वतंत्र प्रभात

माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ सदर के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को मऊ सेशन कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार वत्स की फास्ट ट्रैक कोर्ट नंबर 1 ने हेट स्पीच मामले में उनकी 2 साल की सजा को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी है. हालांकि, कोर्ट ने अब्बास की अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया है.

31 मई को मऊ की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट ने अब्बास अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में दोषी ठहराया था. साथ ही उन्हें 2 साल की सजा और 11,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था. इस सजा के बाद 1 जून को उनकी मऊ सदर विधानसभा सीट से सदस्यता रद्द कर दी गई थी. इसके खिलाफ अब्बास के वकील दरोगा सिंह ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की थी।

अब्बास ने दायर किए थे तीन प्रार्थना-पत्र

शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि अब्बास अंसारी ने तीन प्रार्थना-पत्र दायर किए थे. पहला, उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदलने की मांग. दूसरा, 2 साल की सजा पर रोक लगाने की अपील. तीसरा, दोषसिद्धि को रद्द करने की मांग. कोर्ट ने इससे अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदल दिया, लेकिन साथ ही सजा पर रोक लगाने और दोषसिद्धि रद्द करने की अपील को भी खारिज कर दिया।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला 3 मार्च 2022 का है. जब मऊ के पहाड़पुरा मैदान में एक चुनावी सभा के दौरान अब्बास अंसारी ने कथित तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों को धमकी दी थी. उन्होंने कहा था कि सरकार बनने पर अधिकारियों का हिसाब-किताब किया जाएगा और उनकी ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगाई जाएगी. इस बयान को भड़काऊ मानते हुए मऊ कोतवाली में सब-इंस्पेक्टर गंगाराम बिंद की शिकायत पर अब्बास, उनके भाई उमर अंसारी और उनके चुनावी एजेंट मंसूर अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था. यह केस भारतीय दंड संहिता

(IPC) की धारा 506, 171एफ, 186, 189, 153ए और 120बी के तहत दर्ज हुआ था. बता दें कि कोर्ट ने इस मामले में उमर अंसारी को बरी कर दिया था, लेकिन अब्बास और मंसूर को दोषी ठहराया था।

अब केवल हाईकोर्ट का ही रास्ता बचा

सजा बरकरार रहने के कारण अब्बास की विधायकी बहाल होने की संभावना खत्म हो गई है. अब उनके पास इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर करने का विकल्प बचा है. शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि निचली अदालत का फैसला विधिसम्मत है और उसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है. इस फैसले ने मऊ और पूर्वांचल में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है. अब्बास अंसारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) के टिकट पर 2022 में मऊ सदर से विधायक चुने गए थे।

सिद्धार्थनगर में महिला ने दो बच्चों के साथ नदी में कूदी, तीनों की मौत

● **मृतक फाइल फोटो मां माया के साथ दोनों बच्चे**

स्वतंत्र प्रभात

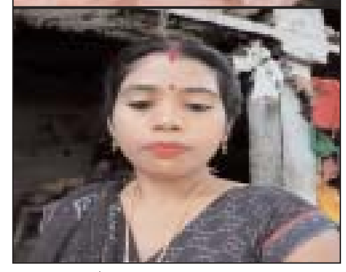

सिद्धार्थनगर। जिले के कठेला समय माता थाना क्षेत्र के बड़ुइया में बूढ़ी राप्ती नदी में एक महिला व दो बच्चों की लाश बरामद हुआ है।घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कठेला समय माता थानाक्षेत्र के औरहवा ग्राम पंचायत के बड़ुइया टोले की रहने वाली माया(28) पत्नी सचिन अपनी अपनी पुत्री मोनिका (6) व पुत्र शिवांश (2) वर्ष के साथ शुक्रवार को देर रात बूढ़ी राप्ती नदी में कूद गई।शनिवार को सुबह छः बजे गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया।सीओ सुजीत राय व एसओ शेषनाथ यादव के साथ पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष के लोगों के मुताबिक मृतका का पति सचिन दिल्ली में रहता है। घटना का कारण गृहक्लेश बताया जा रहा है।

इस संबंध में सीओ सुजीत राय ने बताया कि गृहक्लेश के कारण महिला ने यह कदम उठाया है।लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

समस्तीपुर पुलिस का 'ऑपरेशन जिला बदर', गुंडा पंजी अपडेट और अपराधियों पर सख्ती शुरू

स्वतंत्र प्रभात

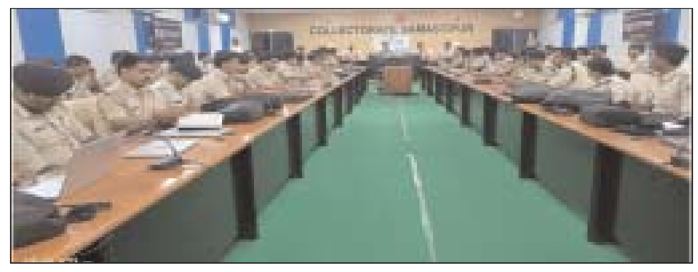

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, जिले की पुलिस व्यवस्था भी सक्रिय होती जा रही है। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए समस्तीपुर पुलिस ने व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। अब जिले में चलाया जाएगा 'ऑपरेशन जिला बदर', जिसके तहत अपराधियों की नकेल कसने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से जिले में वर्षों से जमे पुलिस अधिकारियों का तबादला हाल ही में किया गया है, जिससे कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण की प्रक्रिया को नई धार मिली है। अब अगला कदम है–कुख्यात अपराधियों की पहचान कर उन्हें जिले से बाहर करना।

सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने बताया कि सभी थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की सूची तैयार करें और उनका गुंडा पंजी (क्रिमिनल रिकॉर्ड रजिस्टर) अपडेट करें। इसके साथ ही सीसीए (Crime Control Act) के तहत चिन्हित अपराधियों को जिला बदर करने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। इसके जरिए संदिग्ध और आदतन अपराधियों को जिले की सीमा से बाहर भेजा जाएगा, ताकि वे चुनाव के दौरान किसी गड़बड़ी को अंजाम न दे सकें।

क्या है 'गुंडा परेड'?– पुलिस अब 'गुंडा परेड' की भी योजना बना रही है, जिसके अंतर्गत थाने में चिन्हित असामाजिक तत्वों को बुलाकर उनकी गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। उन्हें चेतावनी दी जाएगी कि यदि दोबारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेल से छूटे अपराधियों पर भी नजर– पुलिस प्रशासन उन बदमाशों की गतिविधियों पर भी निगरानी कर रहा है जो हाल ही में जेल से रिहा हुए हैं। स्थानीय पुलिस और खुफिया इकाइयों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि इनकी दोबारा सक्रियता को समय रहते रोका जा सके।

पति की मौत पर पत्नी,पति वियोग में दहाड़ मार मार कर सड़क किनारे चिल्लाती रही

● **पति से लिपट कर विलाप करती नवविवाहिता पत्नी साधना**

घर पर पसरा मातम, पिता व परिवार को सांत्वना देते लोग

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर बानगंगा पुल के निकट शुक्रवार की शाम वाहन की ठोकर लगने से पति की मौके मौत हो गयी, जबकि पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पत्नी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

थाना शोहरतगढ़ के नेशनल हाइवे किनारे स्थित हलौरा गांव के धर्मेंद्र (20 वर्ष) पुत्र प्रकाश अपनी नवविवाहिता पत्नी साधना (19 वर्ष) के साथ घर से ससुराल जा रहा था। घर से निकलने के बाद अभी दम्पति दो किलोमीटर भी नहीं गया कि शोहरतगढ़ की तरफ से आ रहे किसी वाहन ने मोटरसाइकिल में जोरदार ठोकर मार दी। मोटरसाइकिल से पति पत्नी गिरकर घायल हो गये। पति की हालत काफ़ी गम्भीर व खून से लतपथ देख पत्नी दहाड़ मार चिल्लाने लगी। पति की हालत देख वह अपने चोट को शायद भूल गयी। माथे का ताजा सिंदूर व हथेली की मेंहदी, संजी संवर दूल्हन घायल हालत में ही पति का पैर पकड़ लिपटते हुये नेशनल हाइवे की पटरी पर दहाड़ मार चिल्लाते हुये शायद यही कह रही थी कि मुझे न जाओ छोड़कर कि-। पत्नी का

मृतक धर्मेंद्र फ़ाइल फ़ोटो

विलाप देख काफ़ी संख्या में राहगीर जुट गये। लोगों ने मृतक धर्मेंद्र की पहचान कर गावं, परिवार को सूचना दिया। लोग घटना को देखकर आहें भरने लगे। पत्नी अपने पति के साथ शादी के बाद अभी पहली बार मायके जा रही थी। घटना के बाद इधर लड़के के पिता प्रकाश, माता शम्मा, भाई वीरेंद्र, सुरेंद्र, गोलू व इकलौती बहन शारदा पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। बड़ा भाई सुरेंद्र अभी शादी के बाद ही रोजी रोटी के लिये गुजरात गया था। घटना को सुनकर आहें भरने लगा।

शुक्रवार को दिन में ही पत्नी के मायके में अपनी लाडली के पति के साथ घर आने की खबर पहुंच चुकी थी। धर्मेंद्र के ससुराल के लोग दामाद के आने का इंतजार कर रहे थे। घटना की खबर सुनते ही नवविवाहिता साधना के पिता इंद्राज व माता इंद्रावती बदहवास हो गयी। पूरा घर गम में डूब गया। आनन फानन लोग अस्पताल पहुंचे। एक तरफ दामाद का शव, दूसरी तरफ घायल पड़ी बिटिया को देख रोने बिलखने लगे। धर्मेंद्र और

साधना की शादी अभी पिछले दिनों पांच मई को हुयी थी। पूरे परिवार के साथ दोनों बहुत खुश थे। बेटी के सुहाग उजड़ने की चिंता सताए जा रही थी। पुलिस ने पति के शव को कार्यवाही करते हुये पोस्टमार्टम के लिये और घायल नवविवाहिता को इलाज के लिये मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। शनिवार को मृतक का भाई सुरेंद्र भी जब घर पहुंचा तो पूरा परिवार, रिश्तेदार, गावं वाले उसे सांत्वना देने लगे। पोस्टमार्टम के बाद शाम को निकट के बानगंगा नदी श्मशान घाट पर लोगों ने नम आंखों से मृतक धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार किया।

सौतेले बेटे ने करायी पिता धन्नजय की हत्या, घटना में शामिल तीन अन्य की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात

रुद्रपुर देवरिया। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं गंभीर धाराओं में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दिये गये आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थाना रुद्रपुर पर पंजीकृत मुकदमा 243/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात का सफल अनावरण करते हुए साक्ष्य संकलन के क्रम में 02 अभियुक्तों.मृत्युंजय पाल पुत्र स्व0 हरिशंकर पाल निवासी फतेहपुर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया तथा अमन निषाद पुत्र रामनरेश निषाद निवासी फतेहपुर टोला रामनगर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि अभियुक्त मृत्युंजय पाल जो कि मृतक का सौतेला बेटा है से मृतक का संपत्ति व जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद था। गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा आपराधिक षड्यंत्र बनाकर अपने सहयोगियों को 50 हजार रुपए की सुपारी देकर अपने सौतेले पिता मृतक धनंजय पाल की दिनांक 27/28 की रात्रि में धारधार हथियार कुल्हाड़ी से हत्या करवा दी गयी। गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा यह भी बताया गया कि हत्या के बाद हत्यारों को 02 हजार रुपए व 13 हजार रुपए जरिए फोन पे दिया गया है। शेष पैसा बाद में देने को कहा गया था।

विदित हो कि 28 जून को थाना रुद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम फतेहपुर में उसी गांव के रहने वाले धनंजय पाल पुत्र शंकर पाल का शव उनके प्राइवेट स्कूल डीडीएम पब्लिक स्कूल के बरामदे में मिला था। जिसके सम्बन्ध में मृतक की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। घटना स्थल का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार, क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव, कोतवाल विनोद कुमार सिंह,स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, डाग स्क्वायड, फॉरेंसिक टीम के साथ करते हुए घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उक्त अभियोग में शेष वांछित 03 अभियुक्तों .कमरुद्दीन उर्फ तालीवान पुत्र रमजान निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया,अभिषेक उर्फ भोलू पुत्र रामनाथ हरिजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया तथा राहुल पुत्र भजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगी हुई हैं।

तकनीकी विधि से खेती करने के लिए किसानों को प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में 1जुलाई से 7 जुलाई तक सुगन्धित धान बीज उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि फसल लगाने के लिए बीज हमेशा मान्यता प्राप्त श्रोत से ही खरीदना चाहिए एवं प्रजातियों का चयन क्षेत्र की जलवायु एवं मृदा के अनुसार करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि धान की नर्सरी लगाने से पूर्व ट्राईकोडर्मा से मृदा उपचार करें।वैज्ञानिक डॉ शेष नारायण सिंह ने बताया कि जनपद में सुगंधित धान में अधिकतम क्षेत्रफल में कालानमक धान का है यदि किसानों को अधिक लाभ कमाना है तो गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए बीज हो या चावल उसकी शुद्धता बनाए रखें।

वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत ने बताया कि बीज उत्पादन के लिए ऐसे खेत का चुनाव करना चाहिए जहां सिंचाई, जल निकास, रोग, कीट, की समस्या कम हो तथा मृदा में पर्याप्त पोषक तत्त्व उपलब्ध हो तथा यह भी बताया कि धान में बीज वाली फसल में अन्य किस्मों से 3 मीटर पृथक करण दूरी रखे एवं फूल आने पर तथा बालियां पकने पर फसल से भिन्न पौधों को खेत से बाहर निकाल दें, डॉ प्रवेश कुमार ने बताया फसल लगाने से पूर्व मृदा कि जांच करवाना चाहिए इससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की

मात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि बीज वाली फसल की कटाई पूर्णतः पकने पर करें कटाई एवं मणाई के समय भौतिक शुद्धता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान रखें प्रशिक्षण में कमलेश चौरसिया, राकेश चौधरी, अनिल यादव, मोहम्मद नईम, लवकुश मौर्य पंकज विश्वकर्मा इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

भारत में बैन होनी चाहिए एंटी-एजिंग दवाएं? विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की असमय मौत ने कॉस्मेटिक चीजों के इस्तेमाल और एंटी-एजिंग दवाओं के दुष्प्रभावों पर सवाल उठाए हैं। विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि एंटी-एजिंग दवाएं और इंजेक्शन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, इनसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। साल 2002 के मशहूर म्यूजिक वीडियो %कांटा लगा% से लोकप्रिय हुई शेफाली की 27 जून को मुंबई में 42 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। हालांकि, यह भी सामने आया है कि वह एंटी-एजिंग इंजेक्शन का कॉकटेल ले रही थीं, और कथित तौर पर उपवास के दौरान खुद ही ये इंजेक्शन लगाती थीं।

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, "एंटी-एजिंग दवाएं बहुत लोकप्रिय हो रही हैं, लेकिन इनका नियमन नहीं है। इनमें से कई उत्पादों की प्रभावशीलता के लिए वैज्ञानिक अध्ययन नहीं हैं और लंबे समय तक उपयोग से हानिकारक दुष्प्रभाव हो सकते हैं।" केरल स्टेट आईएमए के रिसर्च सेल के संयोजक डॉ. राजीव जयदेवन ने बताया, "एंटी-एजिंग कोई वैज्ञानिक शब्द नहीं है। ऐसे उत्पाद प्राकृतिक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को उलटते या रोकते नहीं हैं। कुछ दवाओं से त्वचा का रंग गोरा करना संभव है, लेकिन यह एंटी-एजिंग के समान नहीं है।" पुलिस जांच के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि शेफाली स्किन व्हाइटनिंग और एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट, खासकर ग्लूटाथियोन और विटामिन सी का इस्तेमाल लगभग आठ साल से कर रही थीं। यह सब बिना किसी चिकित्सकीय निगरानी के चल रहा था। डॉ. जयदेवन ने बताया, "जब दवा को सीधे नस में इंजेक्शन के जरिए दिया जाता है, तो इसकी सांद्रता खून और ऊतकों में बहुत अधिक हो सकती है। ऐसे इंजेक्शनों को सावधानीपूर्वक नियंत्रित करना जरूरी है।" उन्होंने ऑस्ट्रेलिया

और फिलीपींस की रिपोर्ट्स का जिक्र किया, जहां ग्लूटाथियोन इंजेक्शनों में विषाक्त पदार्थ और गंभीर दुष्प्रभाव पाए गए। भारत में कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हाल के आईएसएपीएस ग्लोबल सर्वे के अनुसार, भारत सौंदर्य और कॉस्मेटिक प्रोसीजर के लिए दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शामिल है। डॉ. गुलेरिया ने बताया, "ऐसी दवाओं का नियमन जरूरी है। अगर इनके सुरक्षा और प्रभावशीलता के सबूत नहीं हैं और ये हानिकारक हो सकती हैं, तो इन पर प्रतिबंध लगना चाहिए। यह नियमन अन्य सप्लीमेंट्स पर भी लागू होना चाहिए जो मांसपेशियों को बनाने के अलावा कई अन्य कारणों से शरीर में पहुंचाए जाते हैं।"

टॉयलेट सीट पर बैठा सुन रहा था कोर्ट की सुनवाई, अब अवमानना का नोटिस जारी

● **गुजरात हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना कार्यवाही शुरू की, जो शौचालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल हुआ था. वायरल वीडियो पर कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे न्यायालय की गरिमा के खिलाफ बताया है.**

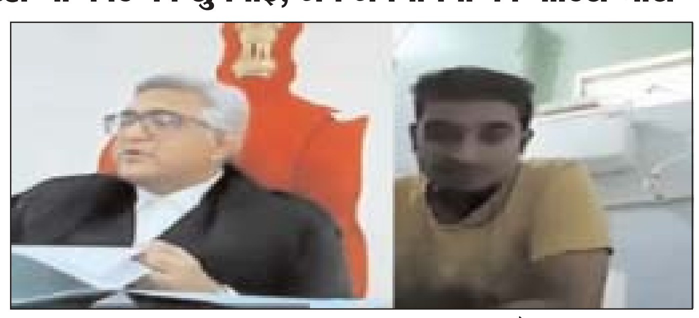

स्वतंत्र प्रभात

गुजरात हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू की है. बता दें कि ये मामला 20 जून का था. जब एक व्यक्ति शौचालय की सीट पर बैठकर वर्चुअल सुनवाई में शामिल हुआ था. यह घटना उस समय हुई, जब जस्टिस निर्जर एस देसाई एक चेक बाउंस से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे थे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसने कोर्ट की गरिमा पर सवाल उठाया।

जस्टिस ए एस सुपेहिया और जस्टिस आर टी वच्छानी की खंडपीठ ने 30 जून को इस मामले पर गंभीर रुख अपनाया. कोर्ट ने अपने आदेश में हाईकोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए. यह आदेश 3 जुलाई को अपलोड किया गया था. कोर्ट ने कहा कि यह वीडियो न्यायालय की छवि को धूमिल कर रहा है और इसे तुरंत सोशल मीडिया से हटाया जाना चाहिए।

कोर्ट ने ऐसी हरकतें रोकने के लिए तंत्र बनाने की मांग की

खंडपीठ ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी रजिस्ट्रार को यह भी निर्देश दिया कि वे वर्चुअल सुनवाई में इस तरह के अव्यवस्थित व्यवहार को रोकने के लिए तंत्र सुझाएं. कोर्ट ने देखा कि ऐसी अनुशासनहीन हरकतें बार-बार हो रही हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा को नुकसान पहुंचा रही हैं. जिसके चलते कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया ताकि भविष्य में ऐसी हरकतें न रहें।

वह व्यक्ति आकर साबित करे कि उसको क्यों न दी जाए- HC

आदेश में कहा गया कि 'रजिस्ट्री उस व्यक्ति को नोटिस जारी करे, जिसने यह हरकत की है। उसे बताना होगा कि अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2(सी) के तहत उसके खिलाफ मुकदमा और सजा क्यों न दी जाए,' इस मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह के बाद होगी. कोर्ट के माने तो वीडियो में दिख रहा व्यक्ति अब्दुल समद है, जो सूरत के किम गांव का निवासी है. वह एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता था और प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) को रद्द करने की याचिका में प्रतिवादी के रूप में शामिल हुआ था। वीडियो में वह ब्लूटूथ ईयरफोन पहने हुए शौचालय में बैठा दिखाई दिया और बाद में वह एक अलग कमरे से सुनवाई में शामिल हुआ था।

पहले भी आ चुके हैं ऐसी हरकतों के मामले

गुजरात हाईकोर्ट ने कोविड-19 महामारी के बाद से वर्चुअल सुनवाई की सुविधा शुरू की थी. जिसे यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया जाता है. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब वर्चुअल सुनवाई में अनुशासनहीनता देखी गई है. मार्च में कोर्ट ने एक व्यक्ति पर शौचालय से सुनवाई में शामिल होने के लिए 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे सामुदायिक सेवा करने का आदेश भी दिया था. अप्रैल में एक अन्य व्यक्ति को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सिगरेट पीते हुए पकड़ा गया था, जिसके लिए 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, कोर्ट ने बार-बार जोर दिया है कि वर्चुअल सुनवाई में भी वही अनुशासन और सम्मान बनाए रखना जरूरी है, जो भौतिक सुनवाई में होता है।